खबरों के 67 साल, खबरें लगातार, ई पेपर - www.deshbandhump. com
पत्र नहीं मित्र
संपर्क करें ➤ jabdesh1@yahoo.com

शारदेय नवरात्र

तृतीय दिवस मां चन्द्रघंटा

देशबन्धु

जबलपुर, मंगलवार 17 अक्टूबर 2023 । वर्ष – 67 । अंक – 338 । पृष्ठ – 12 । मूल्य – 3.00 रु.

■ जलवायु परिवर्तन : बच्चों... ■ ... अम्मा चलीं मदर ऑफ... 04
■ कैसे बिगड़ा ड्रेगन का बड़ा प्लान ■ अब इजरायल बोला- गाजा पट्टी पर कब्जा... 09
■ थोक महंगाई लगातार छठे महीने गिरी... ■ शेयर बाजार में लगातार तीसरे दिन गिरावट... 11
■ जम्पा के जाल में फंसी... ■ भारत ने नीदरलैंड को... 10

ICC CRICKET WORLD CUP INDIA 2023

आज के मैच
साउथ अफ्रीका विरूद्ध नीदरलैंड
समय - 2.00 दोपहर

सार संक्षेप

ईडी-सीबीआई ने सुप्रीम कोर्ट को बताया

शराब नीति अनियमितता मामले में आप को आरोपी बनाने पर विचार

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि हम दिल्ली आबकारी नीति से जुड़े मामलों में आम आदमी पार्टी (आप) को आरोपी बनाने पर विचार कर रहे हैं। जांच एजेंसियों की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने कोर्ट को बताया कि वे शराब नीति अनियमितता मामले में आप को आरोपी बनाने पर विचार कर रहे हैं। मामले में मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान जांच एजेंसियों की ओर से यह दलील दी गई। सिसौदिया की जमानत याचिका पर सुनवाई कल भी जारी रहेगी। एसवी राजू ने न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और जस्टिस एसवीएन भट्टी की पीठ से कहा कि- उन्हें आपको यह बताने के निर्देश हैं कि एजेंसियां आम आदमी पार्टी को आरोपी बनाने पर विचार कर रही हैं। हालांकि, पीठ ने राजू से मंगलवार को इस बारे में अपना रुख स्पष्ट करने को कहा कि क्या सीबीआई और ईडी की जांच वाले मामलों में आप के खिलाफ अलग-अलग आरोप होंगे।

राजनीतिक दलों को मिलने वाले चंदा का मामला

इलेक्टोरल बॉन्ड पर पांच जजों की पीठ करेगी सुनवाई

31 अक्टूबर को होगी सुनवाई

चार जनहित याचिकाएं हैं लबित

नई दिल्ली। राजनीतिक दलों को इलेक्टोरल बॉन्ड के जरिए चंदा मिलने के मामले को अब सुप्रीम कोर्ट की पांच जजों की पीठ सुनवाई करेगी।

सोमवार को ही इस मामले में याचिका पर सुप्रीम कोर्ट की चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच ने यह आदेश दिया। कोर्ट ने पांच जजों की पीठ द्वारा इस मामले पर सुनवाई के लिए 31 अक्टूबर की तारीख भी मुकर्रर कर दी।

कोर्ट ने कहा कि उसे इलेक्टोरल बॉन्ड की वैधता को चुनौती देने वाली याचिका पर एक आवेदन मिला, जिसमें कहा गया था कि इस पर अंतिम निर्णय के लिए इसे बड़ी बेंच के पास भेजा जाए। गौरतलब है कि इससे पहले वकील प्रशांत भूषण ने बेंच के सामने कहा था कि 2024 के आम चुनाव के लिए यह योजना शुरू होने से पहले इसका न्यायिक परीक्षण जरूरी है।

इस मामले पर चार जनहित याचिकाएं लंबित हैं। इनमें से एक याचिकाकर्ता ने मार्च में कहा था कि चुनावी बॉन्ड के माध्यम से राजनीतिक दलों को अब तक 12,000 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया है और इसकी दो-तिहाई राशि एक प्रमुख राजनीतिक दल को गई है। दावा किया जाता है कि राजनीतिक वित्तपोषण में पारदर्शिता लाने के प्रयासों के तहत चुनावी बॉन्ड को दलों को दिए जाने वाले नकद चंदे के विकल्प के रूप में पेश किया गया है।

गैर सरकारी संगठन एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की ओर से पेश हुए भूषण ने कहा- चुनावी बॉन्ड के जरिये अज्ञात स्त्रोतों से होने वाली फंडिंग भ्रष्टाचार को बढ़ावा दे रही है और भ्रष्टाचार मुक्त देश में रहने के नागरिकों के अधिकार का हनन कर रही है। यह संविधान के अनुच्छेद 21 का उल्लंघन है।

चार राज्यों में आईटी की छापेमारी, 94 करोड़ जब्त

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। आयकर (आईटी) विभाग ने कुछ सरकारी ठेकेदारों, रियल एस्टेट डेवलपर्स के खिलाफ तलाशी और जब्ती अभियान में 94 करोड़ रुपये की बेहिसाब नकदी के साथ-साथ 8 करोड़ रुपए के सोने और हीरे के आभूषण जब्त किए हैं।

सोमवार को जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार 12 अक्टूबर को कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और दिल्ली में 55 परिसरों में छापेमारी की गई। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि कलाई घड़ियों के कारोबार से जुड़े एक निजी वेतनभोगी कर्मचारी के परिसर से विदेशी निर्मित लगभग 30 लक्जरी घड़ियां बरामद की गई।

छापेमारी के दौरान बड़े पैमाने पर बेहिसाब नकदी लेनदेन के खुलासे हुए। करदाताओं, उप-ठेकेदारों और कुछ नकदी संचालकों सहित सहयोगियों के परिसरों की तलाशी के दौरान बड़े पैमाने पर बेहिसाब नकदी लेनदेन के साक्ष्य मिले। दस्तावेजों की हार्ड कॉपी और डिजिटल डेटा के रूप में बड़ी मात्रा में आपत्तिजनक साक्ष्य भी जब्त किए गए हैं। कर चोरी की कार्यप्रणाली से पता चलता है कि ये ठेकेदार फर्जी खरीद की बुकिंग, उप-ठेकेदारों के साथ खर्चों का गलत दावा और न होने वाले खर्चों का दावा करके खर्चों को बढ़ाकर अपनी आय को कम करने में शामिल थे।

8 करोड़ के आभूषण भी जब्त किए गए

अलग-अलग टीमों ने 55 परिसरों में दी दबिश

बहुचर्चित निठारी कांड के आरोपी बरी

विभिन्न खंडपीठों ने 134 दिन की सुनवाई

प्रयागराज। बहुचर्चित निठारी कांड के आरोपी सुरेंद्र कोली और मनिंदर सिंह पंढेर को सोमवार को इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने बरी कर दिया। न्यायमूर्ति अश्वनी कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति एसएएच रिजवी की अदालत ने यह फैसला सुनाया। कई दिनों तक चली बहस के बाद अदालत ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। सोमवार को हाईकोर्ट ने अपना फैसला सुनाया। कोर्ट ने सुरेंद्र कोली को दोषमुक्त कर दिया।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने निठारी कांड के आरोपी मनिंदर सिंह पंढेर व सुरिंदर कोली को फांसी की सजा के खिलाफ अपील पर दोनों पक्षों की बहस पूरी होने के बाद फैसला सुरक्षित कर लिया था। फांसी की सजा के खिलाफ दोनों ने हाईकोर्ट में अपील दायर की थी। विभिन्न खंडपीठों ने 134 दिन की लंबी सुनवाई की। आरोप संदेह से परे साबित न हो पाने के कारण निर्दोष करार देते हुए दोनों को बरी कर दिया गया है।

मिजोरम में कांग्रेस ने घोषित किए 39 उम्मीदवार

नई दिल्ली (एजेंसियां)। कांग्रेस ने मिजोरम की 40 सदस्यों वाली विधानसभा के लिए उम्मीदवारों के नाम का एलान कर दिया है। कांग्रेस महासचिव के सी वेणुगोपाल ने सोमवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति ने इन उम्मीदवारों के नाम को संस्तुति दी है।

मिजोरम विधानसभा की 40 सीटों में से 39 के लिए कांग्रेस ने नाम घोषित किए हैं। पार्टी ने प्रदेश अध्यक्ष लाल सवता को एजल दक्षिण-3 से उम्मीदवार बनाया है। वरिष्ठ नेता ललसावता को एजल पश्चिम-3 विधानसभा क्षेत्र से टिकट दिया गया है जबकि एजल पूर्व-1 से ललसंगलरा रातले को, एजल पश्चिम-1 से आर ललबियाकथांगा और पलाक से आईपी जूनियर को उम्मीदवार बनाया गया है। कांग्रेस ने पूर्व मुख्यमंत्री तथा वरिष्ठ नेता ललथनवाला को इस बार टिकट नहीं दिया है।

प्रधानमंत्री को मणिपुर से ज्यादा इजराइल में दिलचस्पी : राहुल

आइजोल (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मणिपुर की तुलना में इजराइल में होने वाली घटनाओं की ज्यादा चिंता है। तीन मई के बाद से हिंसा से जूझ रहा मणिपुर अब एक राज्य नहीं रहेगा, बल्कि जाति के आधार पर दो हिस्सों में बंट जाएगा।

बोल- मणिपुर अब एक राज्य नहीं रहेगा

उन्होंने कहा कि मेरे लिए यह हैरानी की बात है कि- देश के प्रधानमंत्री और भारत सरकार को इजराइल-हमास जंग में इतनी दिलचस्पी क्यों है? लेकिन मणिपुर में क्या हो रहा है, इसमें उन्हें दिलचस्पी नहीं है। वहां लोगों की हत्याएं हो रही हैं, महिलाओं के साथ छेड़छाड़ हो रही है और बच्चों को मार डाला गया। यह शर्म की बात है कि हमारे संघ के नेता मणिपुर में इतना सब होने के बाद भी वहां नहीं गए। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने 16 अक्टूबर को मिजोरम के आइजोल में जनसभा को संबोधित करते हुए ये बातें कहीं।

जिंदगी को खत्म करने की इजाजत नहीं

26 सप्ताह की गर्भवती को सुप्रीम कोर्ट ने नहीं दी गर्भपात की मंजूरी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एक बड़ा फैसला सुनाया कोर्ट ने 26 हफ्ते की गर्भवती विवाहिता को गर्भपात की इजाजत देने से इनकार कर दिया। एम्स की रिपोर्ट में इस बात की जानकारी सामने आई थी कि महिला के गर्भ में पल रहा बच्चा सामान्य है। एम्स की रिपोर्ट के बाद अदालत ने फैसला सुनाया है। रिपोर्ट के अनुसार डिप्रेशन की मरीज महिला जिन दवाओं का सेवन कर रही है, उससे बच्चे को कोई नुकसान नहीं हुआ है।

शुक्रवार को भी इस मामले को लेकर कोर्ट में सुनवाई हुई थी। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की पीठ ने इस मामले में एम्स मेडिकल बोर्ड को आदेश दिया था कि महिला के गर्भ में पल रहे बच्चे को लेकर वह अपनी रिपोर्ट दाखिल करे। महिला ने अपनी रिपोर्ट में कहा था कि वह लेक्टेशनल एमेनोरिया नामक बीमारी से जूझ ➤➤शेष पृष्ठ 2 पर

डेमू ट्रेन के पांच डिब्बों में लगी भीषण आग

महाराष्ट्र। अहमदनगर और नारायणपुर स्टेशनों के बीच सोमवार की दोपहर 3 बजे 8 डिब्बों वाली डीजल-इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट (डेमू ट्रेन) के पांच डिब्बों में भीषण आग लग गई।

इस हादसे में किसी के घायल होने या मौत की सूचना नहीं है। ट्रेन में आग लगने के दौरान सभी यात्री सुरक्षित ट्रेन से उतर गए थे। यह तो सौभाग्य था कि- जलते डिब्बों के अंदर कोई भी व्यक्ति नहीं फंसा। रेलवे अधिकारियों ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि- ट्रेन आष्टी स्टेशन से अहमदनगर की ओर जा रही थी।

दोपहर करीब तीन बजे पांच डिब्बों-गार्ड-साइड ब्रेक वैन और उससे सटे चार डिब्बों में आग लग गई। रेलवे अधिकारियों ने कहा कि फायर ब्रिगेड की एक टीम घटनास्थल पर पहुंची और आग फैलने से पहले ही उसमें सवार सभी यात्री सुरक्षित उतर गए।

लोकसभा चुनाव से पहले 'इंडिया' गठबंधन से कसी कमर

देश भर में महिला अधिकार सम्मेलन करेगा विपक्षी गठबंधन

नई दिल्ली, देशबन्धु। संसद से महिला आरक्षण विधेयक पारित कराने का श्रेय भाजपानीत एनडीए गठबंधन को एक मुश्त न मिले, इसके लिए इंडिया गठबंधन गभीरता से रणनीति बना रहा है। आधी आबादी को अपने पाले में लाने के लिए गठबंधन के दल देश भर में महिलाओ को आगे कर महिला अधिकार सम्मेलन करने की तैयारी में है।

बताया जा रहा है कि इसकी शुरुआत पश्चिम बंगाल या बिहार से किया जा सकता है। जिसमें गंठबंधन की महिला नेत्री एक स्वर में तत्काल महिला आरक्षण को लागू करने और इसमें कोटा के तहत कोटा तय कर अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की महिलाओं की तरह ही पिछडे वर्ग की महिलाओं को भी आरक्षण के दायरे में लाए जाने की मांग की जाएगी। साथ ही भाजपा पर निशाना बनाते हुए इसे महिला अधिकारों का पैरोकार नहीं बल्कि विरोधी साबित करने की कोशिश होगी और बताया जाएगा कि भाजपा महिला आरक्षण के नाम पर सिर्फ वोट बैंक की राजनीति कर रही है। गठबंधन के नेताओ की कोशिश होगी कि इस तरह का सम्मेलन देश के प्रायः हर लोकसभा क्षेत्र में हो।

पश्चिम बंगाल या बिहार से की जा सकती है शुरुआत

अगले माह हो सकता है आयोजन

सूत्र बता रहे हैं कि अगले माह नवम्बर से इस सम्मेलन की शुरुआत की जा सकती है। गौरतलब है कि इसी मुद्दे पर विचार करने के लिए इंडिया गठबंधन की महिला नेताओ की एक बैठक चेन्नई में हुई है। जहां कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी,प्रियंका गांधी,एनसीपी सांसद सुप्रिया सुले,सपा सांसद डिंपल यादव,टीएमसी की सांसद सुष्मिता देब, आप विधायक राखी बिडलान, नीतीश सरकार में मंत्री लेसी सिंह,डीएमके की सांसद कनिमोझी और पीडीपी की प्रमुख महबूबा मुफ्ती एक मंच पर नजर आई थीं। इसके बाद से ही इंडिया गठबंधन द्वारा देश भर में महिला अधिकार सम्मेलन करने की तैयारी की जा रही है।

प्रचार में सेना का इस्तेमाल रोकने में हस्तक्षेप करें मुर्मू : कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से अपील करते हुए कहा है कि मोदी सरकार राजनीतिक प्रचार के लिए सेना का इस्तेमाल करना चाहती है वह ऐसा नहीं करे इसलिए राष्ट्रपति को इस मामले में हस्तक्षेप करना चाहिए। कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख जयराम रमेश ने सोमवार को यहां जारी एक बयान में कहा भारत की सेना पूरे देश की सेना है और हमें गर्व है कि हमारी बहादुर सेना कभी भी देश की आंतरिक राजनीति का हिस्सा नहीं बनी। साढ़े नौ साल की सरकार के दौरान महंगाई, बेरोज़गारी और सभी मोर्चों पर विफ़ल रहने के बाद मोदी सरकार अब सेना से अपना राजनीतिक प्रचार कराने का बेहद घटिया प्रयास कर रही है। सेना का राजनीतिकरण करने का यह प्रयास बेहद ख़तरनाक क़दम है।

सूचना
सुधि पाठकों के लिए देशबन्धु अखबार का ई–पेपर epaper.deshbandhump.com वेबसाइट पर भी उपलब्ध है।

बिरादरी की बात

चूहा-सुनती हो- राजनीतिक दलों को बॉण्ड के जरिए मिलने वाले चंदे पर सुप्रीम कोर्ट की बड़ी बैंच सुनवाई करेगी।
चुहिया- हां प्रिये-'जहां चाह वहां राह' वाली बात है, जिनके पास यह चंदा जाता है उनके पास रास्ते भी जहार हैं

अब फेमटो सेकेण्ड लेजर - विक्टस से
मोतियाबिंद ऑपरेशन
मध्य भारत का सबसे आधुनिक
नया युग
आधुनिक नेत्र चिकित्सा ब्लेड फ्री, दर्द रहित, बिना इंजेक्शन, बिना पट्टी, बिना भर्ती, कुछ ही मिनटों में उपचार वापस अपने काम पर
डॉ. पवन स्थापक-सीधा संपर्क/ जांच एवं ऑपरेशन मोबाईल-9754601010, 9516244894
जनज्योति सुपर स्पेशिलटी आई हॉस्पिटल, गोलबाजार, जबलपुर

A.P.N. C.B.S.E. SENIOR SECONDARY SCHOOL
Affiliation No.: 1031302
School No.: 51319
An English Medium Co-educational School

ADMISSIONS OPEN
Class: Nursery 12th
(Science, Commerce & Humanities)
Call us: 0761-2676370, 9826587200
Sadar, Jabalpur Cantt, Web: www.apncbseschool.com
E-mail: apncbseschool@gmail.com

गगनयान मिशन

'टीवी-डी-1' श्री हरिकोटा से किया जाएगा प्रक्षेपित

21 अक्टूबर को भरेगा पहली उड़ान

श्रीहरिकोटा । इसरो ने अपने गगनयान मिशन को लेकर लगभग तैयारियां पूरी कर ली है। सोशल मीडिया साइट के जरिए कार्यक्रम से जुड़ी तस्वीरें और जानकारी साझा की। जिसमें कहा गया कि गगनयान मिशन के तहत टीवी-डी1 अपने पहली परीक्षण के लिए 21 अक्तूबर को उड़ान भरेगा। जिसे सुबह 7 से 9 बजे के बीच श्रीहरिकोटा से भेजा जाएगा। हालांकि इस परीक्षण के बाद भी तीन और परीक्षण वाहन मिशन आयोजित होंगे।

कार्यक्रम से जुड़े जानकारों के मुताबिक, पहले परीक्षण उड़ान के नतीजों के आधार पर अन्य परीक्षण किए जाएंगे। इस दौरान क्रू मॉड्यूल को परखा जाएगा। जिसमें क्रू एस्केप प्रणाली भी शामिल है। बात दें कि गगनयान का यह हिस्सा तीन भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष में ले जाने में इस्तेमाल किया जाएगा।

वापसी में बंगाल की खाड़ी में उतारा जाएगा मॉड्यूल-यह परीक्षण श्री हरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से होगा। इसमें क्रू मॉड्यूल की उड़ान, उसे वापस उतारने और समुद्र से रिकवर करने की प्रक्रियाएं शामिल होंगी। मॉड्यूल को वापसी में बंगाल की खाड़ी में उतारा जाना है। जिसे भारतीय नौसेना द्वारा रिकवर किया जाएगा। इसके के लिए नौसैनिकों का एक गोताखोर दल बनाया गया है। साथ ही मिशन के लिए एक जहाज को भी तैयार किया जाएगा। चंद्रयान-3 की सफल सॉफ्ट लैंडिंग और सूर्य के लिए आदित्य-एल1 के सफल प्रक्षेपण के बाद गगनयान मिशन भारत को खगोल विज्ञान पर काम कर रहे अग्रणी देशों में शामिल करेगा।

क्रू-एस्केप से बचेगा जीवन-इसरो के मुताबिक, फ्लाइट टेस्ट व्हीकल अबॉर्ट मिशन1 की तैयारियां जारी हैं। मिशन में किसी अनहोनी की दशा में अंतरिक्ष यात्रियों को बचाने में यह क्रू-एस्केप प्रणाली काम आएगी। उड़ान भरते समय अगर मिशन में गड़बड़ी हुई तो यह प्रणाली क्रू मॉड्यूल के साथ यान से अलग हो जाएगा, कुछ समय उड़ेगा और श्रीहरिकोटा से 10 किमी दूर समुद्र में उतरेगी। इसमें मौजूद अंतरिक्ष यात्रियों को नौसेना की ओर से समुद्र से सुरक्षित वापस लाया जाएगा।

अगले साल भेजा जा सकता है गगनयान-गगनयान भारत का पहला अंतरिक्ष मिशन है, इसे अगले साल के आखिर या 2025 की शुरुआत तक भेजा जा सकता है। 2024 में मानव रहित परीक्षण उड़ान होगी, जिसमें एक व्योममित्र रोबोट भेजा जाएगा।

देश-विदेश

पश्चिम बंगाल विधानसभा का विशेष सत्र स्थगित

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा का विशेष एक दिवसीय सत्र राज्य के मंत्रियों और विधायकों के वेतन में वृद्धि से संबंधित दो विधेयकों पर बिना किसी चर्चा के शुरू होने के 15 मिनट के भीतर ही स्थगित कर दिया गया। विधानसभा अध्यक्ष बिमान बंद्योपाध्याय ने दावा किया कि एक पूर्व विधायक के निधन के कारण सत्र स्थगित किया गया है। हालांकि, पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि पूर्व विधायक की मौत तो महज एक बहाना है, स्थगन के पीछे असली वजह विशेष सत्र के लिए राज्यपाल सी.वी. आनंद बोस की सहमति न मिलना है।

बर्फ गिरने से पहले आतंकियों को धकेल रही पाक सेना

एलओसी पर अगले दो महीने भारी

सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, देशबन्धु। हालांकि सेना का मानना है कि फरवरी 2021 में सीमाओं पर सीजफायर के नवीनीकरण के उपरांत घुसपैठ थम सी गई थी पर अब पाक सेना अपने यहां रूके पड़े आतंकियों को इस ओर धकेलने को जोर लगा रही है।

कश्मीर में पाक सीमा से सटे क्षेत्रों में पिछले कुछ महीनों से बढ़ती घुसपैठ की घटनाओं के बाद सेना का कहना था कि अगले दो महीने एलओसी के लिए भारी साबित इसलिए हो सकते हैं क्योंकि पाक सेना अब सीजफायर के बावजूद घुसपैठ को कामयाब बनाने की खातिर कवर फायर भी देने लगी है जिसके कारण सीजफायर दांव पर लगने लगा है। सेना प्रवक्ता के बकौल, नार्थ कश्मीर के कुपवाड़ा में घुसपैठ की घटनाएं कम तो हुई हैं पर जून से लेकर अब तक घुसपैठियों ने नाक में दम कर रखा है। यह बात अलग है कि सेना कहती थी कि अब आतंकियों को धकेलने के स्थान पर तस्करी के प्रयास ज्यादा हो रहे हैं जिनमें नशीले पदार्थों के अतिरिक्त गोला-बारूद भी लाने की कोशिश की जा रही है।

2021 में 73 घुसपैठ के प्रयास हुए थे- अगर आंकड़ों पर एक नजर दौड़ाएं तो वर्ष 2020 में एलओसी पर 99 तथा 2021 में 73 घुसपैठ के प्रयास हुए थे। पर पिछले साल और अबकी बार यह फिर से रिकार्ड तोड़ने लगे हैं।

कश्मीर पुलिस के महानिदेशक दिलबाग सिंह भी कई बार अपनी प्रेस कांफ्रेंसों में यह कहते रहे हैं कि कश्मीर में आतंकवाद को पुनर्जीवित करने के प्रयासों के लिए पाक सेना घुसपैठ पर जोर दे रही है। ऐसा ही सेना की वज्र डिवीजन के जीओसी गिरीश कालिया का कहना था कि चाहे दोनों मुल्कों के बीच सीजफायर 'कायमाब' हो रहा है पर मिलने वाली सूचनाएं कहती हैं कि पाक सेना घुसपैठ को और बढ़ाने की खातिर अपनी योजनाओं पर काम कर रही है जिन्हें पछाड़ने की खातिर भारतीय सेना ने भी कमर कस ली है और वे मानते थे कि अगले दो महीने एलओसी पर भारी साबित हो सकते हैं।

प्रतिवर्ष 150 से अधिक जवान कर रहे आत्महत्या- प्रदेश में पहले अग्निवीर की मौत पर मचा हुआ विवाद सेना द्वारा सफाई देने के बावजूद थम नहीं रहा है। अभी भी कई राजनीतिक दल इसके प्रति मोर्चा खोले हुए हैं। इतना जरूर था कि सेना ने उसकी मौत के प्रति जो सफाई दी है उसमें यह भी स्वीकार किया है कि प्रति वर्ष 100 से 150 सैनिक सेना में आत्महत्या कर रहे हैं जो चिंता का विषय बनता जा रहा है।

हमास पर भारी पड़ी इजराइल की जवाबी कार्रवाई

अस्पताल-कब्रिस्तान में जगह नहीं, आइसक्रीम फ्रीजर ट्रकों में रखे जा रहे शव

गाजा। इजराइल की हमास पर कार्रवाई के बाद सड़कों पर लाशें बिछ गई हैं। गाजा पट्टी में तैनात स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि अस्पताल के मुर्दाघरों में शव रखने की जगह नहीं बची है, इसलिए लाशों को आइसक्रीम फ्रीजर ट्रकों में रखा जा रहा है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, इजरायली हवाई हमलों में मारे गए फिलिस्तीनियों के शवों के लिए न तो अस्पतालों में जगह बची है, न ही कब्रिस्तानों में। दीर अल-बलाह में शुहदा अल-अक्सा अस्पताल के डॉ. यासर अली ने कहा कि अस्पताल के मुर्दाघर में केवल 10 शव रख जा सकते हैं, इसलिए बड़ी संख्या में मृतकों के शवों को रखने के लिए हम आइसक्रीम कारखानों से आइसक्रीम फ्रीजर ट्रक ला रहे हैं। सोशल मीडिया पर वायरल कुछ तस्वीरों में फ्रीजर ट्रक दिख रहे हैं।

आमतौर पर सुपरमार्केट में डिलीवरी करने के लिए इन ट्रकों का यूज किया जाता है। लेकिन अब ये ट्रकें, हमास और इजरायली सेना के बीच जारी विनाशकारी युद्ध में मारे गए फिलिस्तीनियों के लिए अस्थायी मुर्दाघर बन गए हैं।

यही स्थिति रही तो शवों का दफन नहीं कर पाएंगे

यासर अली ने कहा कि फ्रीजर ट्रकों में शवों के रखे जाने की क्षमता मुख्य मुर्दाघर से अधिक है और 20 से 30 के बीच शव तंबू में भी रखे जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि गाजा पट्टी में स्वास्थ्य संकट में है और अगर युद्ध इसी तरह जारी रहा तो हम मृतकों को दफन नहीं कर पाएंगे। अली ने बताया कि शवों की बढ़ती संख्या के बाद गाजा में कब्रिस्तान भर गए हैं। हमें शवों को दफनाने के लिए और अधिक कब्रिस्तानों की जरूरत है।

वहीं, सरकारी मीडिया कार्यालय के प्रमुख सलामा मारौफ ने कहा कि गाजा शहर में भी अधिकारी सामूहिक कब्रें तैयार कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अल-शिफा अस्पताल के मुर्दाघर के अंदर बड़ी संख्या में रखे शवों को दफनाने के लिए उनके परिजन नहीं आए। आपातकालीन कब्रिस्तान में लगभग 100 शवों को दफनाने के लिए एक सामूहिक कब्र तैयार की गई है।

बाइडेन की चेतावनी : गाजा पर कब्जा बड़ी गलती होगी...

वाशिंगटन। इजराइल और हमास के बीच जंग जारी है। गाजा पट्टी में लगातार इजराइल के हमलों से हमास के आतंकियों का खात्मा हो रहा है। इस जंग में आम लोगों की जान भी जा रही है। हमास ने अपने हमले में जहां कई इजराइली नागरिकों को निशाना बनाया वहीं इजराइली हमलों में बड़ी संख्या में गाजा के लोगों की मौत हुई है। हमास के साथ युद्ध में अमेरिका इजराइल का खुलकर समर्थन कर रहा है। लेकिन अब अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने साफ कर दिया है कि वे गाजा पट्टी में इजराइल के कब्जे का समर्थन नहीं करते। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि अगर इजराइल गाजा पर कब्जा करता है, तो यह एक बड़ी गलती होगी। हालांकि, बाइडेन ने कहा कि वे चाहते हैं कि हमास का पूरी तरह से खात्मा हो। गाजा के अस्पतालों ने किया आगाह-बिजली, दवाइयों की आपूर्ति ठप होने पर हजारों मरीजों की जाएगी जान।

एक न्यूज एजेंसी के साथ एक इंटरव्यू में, अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन ने गाजा पट्टी पर पूर्ण पैमाने पर कब्जे के खिलाफ इजराइल को चेतावनी दी। बाइडेन ने कहा, मुझे लगता है कि यह एक बड़ी गलती होगी। गाजा में जो हुआ, मेरे विचार में, वह हमास है और हमास के सभी फिलिस्तीनी लोगों का प्रतिनिधित्व नहीं करता है। मुझे लगता है कि इजराइल के लिए गाजा पर फिर से कब्जा करना एक गलती होगी। बाइडेन ने गाजा में चरमपंथियों (हमास) के खात्मे पर जोर दिया। उन्होंने कहा, मुझे विश्वास है कि इजराइल युद्ध के नियमों के तहत काम करने जा रहा है।

श्रीलंका से भारतीय मछुआरों की रिहाई के लिए मुख्यमंत्री ने विदेश मंत्री को लिखा पत्र

चेन्नई। तमिलनाडु के रामेश्वरम के मछुआरा संघ ने श्रीलंका नौसेना द्वारा बंधक बनाए गए रामेश्वरम के मछुआरों और नावों की तत्काल रिहाई को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल का आह्वान किया है। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने मछुआरों की रिहाई के लिए केंद्रीय विदेश मंत्री एस जयशंकर को एक चिट्ठी लिखी है। उन्होंने जयशंकर से इस मामले में जल्द हस्तक्षेप करने को कहा है।

सीएम स्टालिन ने बताया कि श्रीलंका नौसेना द्वारा भारतीय मछुआरों को बंधक बनाने और उनकी नाव को जब्त करने की घटना बार बार सामने आ रही है। ऐसे में मछुआरे समुद्रतट के करीब जाने से भी डर रहे हैं। अपनी चिट्ठी में स्टालिन ने विदेश मंत्री से श्रीलंकाई समकक्ष से इस मामले में बात कर इसका हल निकालने का अनुरोध किया है। तमिलनाडु नाव मछुआरा कल्याण संघ के राज्य महासचिव एनजे बोस ने इस मामले को लेकर मीडिया से बात की। उन्होंने बताया, रामेश्वरम से 14 अक्टूबर को 400 से ज्यादा नावों पर मछुआरेसमुद्र में मछलियां पकड़ने गए थे। श्रीलंकाई नौसेना ने रामेश्वरम के 27 मछुआरों के साथ पांच नाव को अपने कब्जे में ले लिया। उन्होंने आगे बताया कि श्रीलंकाई नौसेना ने तलाईमन्नारऔर कांकेसुंतराई पोर्ट से नाव समेत मछुआरों को अपने कब्जे लिया था, जिसके बाद उन्होंने आगे की कार्रवाई के लिए मछुआरों को तलाईमन्नार और जाफना के पुलिस समुद्री अधिकारियों के हवाले कर दिया।

पुरकायस्थ, चक्रवर्ती ने खटखटाया सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा

नई दिल्ली। गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के तहत गिरफ्तार न्यूज पोर्टल 'न्यूजक्लिक' के संस्थापक प्रबीर पुरकायस्थ और एचआर प्रमुख अमित चक्रवर्ती ने अपनी गिरफ्तारी को चुनौती देते हुए उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर कर दर्ज प्राथमिक रद्द करने की गुहार लगाई है। आरोपियों ने दिल्ली उच्च न्यायालय की ओर से याचिका खारिज करने के आदेश को विशेष अनुमति याचिका के जरिए शीर्ष अदालत में चुनौती दी है।

कार्यालय कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नरसिंहपुर (म.प्र.)

दूरभाष 07792-231187 E-Mail: delectnar@mp.gov.in

क्रमांक/1326/निविदा/निर्वा./ टेंट लाईट शामि. / 2023 नरसिंहपुर दिनांक 16/10/2023

द्वितीय ई-निविदा आमंत्रण सूचना

आगामी विधान सभा निर्वाचन 2023 एवं लोकसभा निर्वाचन 2024 के दौरान विभिन्न प्रकार के टेंट, लाईट, माईक, शामियाना आदि सामग्रियां किराये पर उपलब्ध कराने के लिए न्यूनतम दर हेतु ई निविदा दिनांक 23 /10/2023 को दोपहर 1.30 बजे तक आमंत्रित की जाती है। इच्छुक निविदाकर्ता, फर्म, संस्था, कम्पनी आदि जो आगामी विधान सभा निर्वाचन 2023 एवं लोकसभा निर्वाचन 2024 के दौरान विभिन्न प्रकार के टेंट, लाईट, माईक, शामियाना आदि सामग्रियां किराये पर उपलब्ध करा सकते हों, वे निविदा के नियमों एवं शर्तों के अधीन ई निविदा ऑनलाइन https://mptenders.gov.in पोर्टल पर प्रस्तुत कर सकते हैं। निविदा https://mptenders.gov.in पोर्टल के माध्यम से ही प्रस्तुत किया जाना अनिवार्य है।

दुर्घटना से रखनी दूरी है तो हेलमेट सबसे जरुरी है।

G-21240/23 अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी नरसिंहपुर

निविदा/नियुक्ति/जाहिरात

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि कोटक महिंद्रा बैंक लिमिटेड ने निम्न वाहन के संबंध में एक नीलामी का आयोजन किया है।

1) TATA_INTRA30 TATINTV30 GOODS MP28ZC8225 YOM 2023
2) MAHINDRA BLAZO49GB GOOD MH40CD9790 YOM - 2022

मेसर्स कोटक महिंद्रा बैंक के साथ दृष्टिबंधक के तहत इसकी 'जहाँ है जैसी स्थिति है' में बिक्री के अधीन है। इच्छुक पक्ष इस पेपर के प्रकाशन के 5 दिनों के भीतर यानी 25.10.2023 को या उससे पहले अपने कोटेशन (ऑनलाईन/ ऑफलाईन) दे सकते हैं

शाखा का पता : कोटक महिंद्रा बैंक लिमिटेड 846, छत्रपती भवन, नियार गंज एक्सटेंशन, राईट टॉवन जबलपुर (म.प्र.) संपर्क : प्रसाद कोटोलकर कोटक महिंद्रा बैंक लि. संपर्क : 9766766223 ई-मेल : prasad.katolkar@kotak.com

नाम परिवर्तन सूचना

मैं शपथकर्ता आर.मी.नं. 14417674 एक्स. रैंक हवलदार रेवक सिंह पाल पिता श्री भानू प्रसाद पाल निवासी म .नं. 81, गोपाल नर्सरी, सदर मढ़िया रोड, रानी अवंतीबाई वार्ड नरसिंहपुर, तहसील व जिला नरसिंहपुर का निवासी हूं। यह कि मेरी डिसचार्ज बुक में मेरी पुत्री का नाम सेजल दर्ज है जबकि पुत्री का सही नाम सेजल पाल है जो कि उसके समस्त शासकीय दस्तावेजों में दर्ज है। यह कि मेरी डिसचार्ज बुक एवं समस्त विभागीय दस्तावेजों में मेरी पुत्री का नाम सेजल पाल लिखा व पढा जावे।

गलत नाम - सेजल, सही नाम - सेजल पाल

-बैनामा गुमने, बावत आम सूचना -

बाबद ऐसी कि मैं पुलकित शर्मा आ. श्री रवीन्द्र शर्मा निवासी निरंजन वार्ड नरसिंहपुर जिला नरसिंहपुर का निवासी हूँ मैने दिनांक 13.6.2018 को रजिस्ट ई-पंजीयन क्रमांक एमपी 268132018 ए 1411251 के माध्यम से राजकुमार जेतवानी आ. रोचामल स्टेशन गंज नरसिंहपुर बालों से मौजा नरसिंहपुर, नं. ब. 270, प.ह. न. 40 के खसरा नंबर 21/4 के रकबा 2117 वर्गफुट की ई-रजिस्ट्री कराई थी और रजिस्ट्री कराने के पश्चात् तहसील कार्यालय में नामांतरण कराने हेतु दिनांक 20.8.2018 को ले गया था तत्पश्चात तहसीलदार को दिखाकर पन्नी में रखकर स्कूटी से दोपहर में घर आ रहा था उस दौरान पन्नी सहित रखा उक्त रजिस्टर्ड बैनामा रास्ते में गिर गया काफी ढूंढा नहीं मिल रहा है। इसकी सूचना पुलिस कोतवाली थाना नरसिंहपुर में दिनांक 5/8/2023 को भी दर्ज करा दी गई है, जिस किसी भी व्यक्ति को उक्त बैनामा मिल जाता है तो वो मुझे मेरे मोबाइल नंबर 9713919191 पर सूचित करने का कष्ट करें। साथ ही मैं इस आम सूचना के माध्यम से यह जाहिर करता हूँ कि मैंने उक्त बैनामा के माध्यम से किसी संस्था, बैंक या निजी व्यक्ति से कोई ऋण नही लिया है चूंकि काफी समय हो गये है और मुझे उक्त प्लाट पर भवन निर्माण करने हेतु वित्तीय संस्था भारतीय स्टेट बैंक, मुख्य शाखा नरसिंहपुर को कोड संख्या (00436) से बंधक कर बैंक से ऋण लेना है । तत्संबंध में मैने उक्त बैनामा की सत्यप्रतिलिपि निकाली है जिस पर मैं ऋण लेने के लिए सक्षम है। भविष्य में यदि उक्त बैनामा के बाबत कोई विवाद होता है तो सत्संबंध में मैं व्यक्तिगत रूप से जबाबदार रहूँगा। मैं उक्त प्लॉट पर रजिस्टी पश्चात काबिज है। उक्त बैनामा के माध्यम से मैं रजिस्टर्ड करने की सहमति देता हूँ जो मुझ पर बंधनकारी है। तथा भविष्य में मुझे किसी व्यक्ति द्वारा बैनामा दिया जाता है तो मैं तत्संबंध में बैंक में दूंगा ।

- भवदीय -

पुलकित शर्मा आ. रवीन्द्र शर्मा निवासी निरंजन वार्ड, नरसिंहपुर जिला नरसिंहपुर

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि, मेरी पक्षकार श्रीमती अमिता पाल पति श्री दीपचंद पाल निवासी ग्राम मानपुर, जिला उमरिया स्थित भूमि खसरा नंबर 1767/2 का रकवा 0.342 हेक्टर ग्राम मानपुर प.ह.नं. 45, तहसील मानपुर, जिला उमरिया भूमि की एक मात्र मालिक एवं काबिज है। उक्त भूमि में से 80 *220 यानि 17,600 वर्गफुट भूमि को क्रय किया जा रहा है, जिस किसी व्यक्ति को उक्त भूमि के क्रय पर आपत्ति हो तो वो इस प्रकाशन की तिथि से नीचे दिए गए पते पर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। उक्त अवधि में आपत्ति न आने से यह माना जाएगा कि अगर किसी का हक या हिस्सा हो भी तो उसे त्याग दिया गया है।

एडवोकेट अभिषेक दिलराज मो.नं. 8878818969 पता- 18, साउथ सिविल लाइन डॉ. डी सिलवा रोड, सिविल लाइन जबलपुर (म.प्र.)

र.नं. 1416

जन्मतिथि परिवर्तन

मैं शीला देवी माता नं. 15706621N हवलदार अमित कुमार यादव, 1 टीटीआर, 1 एसटीसी। पता एवं डाकखाना- बुलन्दशहर, तहसील एवं जिला- बुलन्दशहर, प्रदेश- उत्तर प्रदेश, पिन. 203001 मैं अपनी जन्मतिथि 01.07.1962 से 15.04.1962 दिनांक 09.10.2023 के प्रतिज्ञापत्र के जरिये बदलवा नोटरी जबलपुर (मध्य प्रदेश) में किया है।

पहले की जन्मतिथि- 01.07.1962

परिवर्तन के बाद की जन्मतिथ- 15.04.1962

Mob No.8982598679

र.नं. 1418

नाम एवं जन्मतिथि परिवर्तन

मैं कृष्णपाल सिंह पिता नं. 15706621N हवलदार अमित कुमार यादव, 1 टीटीआर, 1 एसटीसी। पता एवं डाकखाना- बुलन्दशहर, तहसील एवं जिला- बुलन्दशहर, प्रदेश- उत्तर प्रदेश, पिन. 203001 मैं अपना नाम तथा जन्म तिथि श्रीकृष्ण पाल सिंह यादव जन्म तिथि 01.07. 1959 से कृष्ण पाल सिंह एवं जन्म तिथि 05.08.1959 दिनांक 03.08.2023 के प्रतिज्ञा पत्र के जरिये बदलवा नोटरी जबलपुर (म.प्र.) में किया है।

पहले का नाम- कृष्ण पाल सिंह यादव

परिवर्तन के बाद का नाम - कृष्ण पाल सिंह

पहले की जन्मतिथि -01.07.1959

परिवर्तन के बाद की जन्मतिथि- 05.08.1959

Mob No. 8982598679

र.नं. 1417

कार्यालय जबलपुर विकास प्राधिकरण, जबलपुर

क्र./सम्पत्ति/जविप्रा/ जबलपुर, दिनांक / /2023

हस्तांतरण/मृत्यु उपरांत नामांकन किये जाने हेतु जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण के निम्नलिखित भूखण्डधारियों द्वारा हस्तांतरण किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किये गये है। यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो इस विज्ञापन प्रकाशन तिथि के 07 दिवस की अवधि एवं मृत्यु उपरांत नामांकन हेतु विज्ञापन प्रकाशन तिथि के 15 दिवस की अवधि में अपनी लिखित आपत्ति कार्यालय-जबलपुर विकास प्राधिकरण ब्लाक क्र. 7 अ सिविक सेंटर मढाताल, जबलपुर में प्रस्तुत करें अन्यथा उक्त संपत्ति में वांछित कार्यवाही कर दी जावेगी, जिसके बाद कोई आपत्ति मान्य नही होगी।

हस्तांतरण की जाने वाली संपत्ति का विवरण

क्र.	यो. क्रं.	भू. क्रं.	विक्रेता का नाम एवं पता	क्रेता का नाम एवं पता
1	35	दुकान क्र. 02	श्रीमती सुरजीत कौर छाबड़ा पति श्री सरदार निर्मिल सिंह छाबड़ा पता-साकिन 290/2 नेपियर टाउन, जबलपुर	श्री नसीब अहमद पिता श्री सैय्यर सईदुदुदीन पता- 65/2, नेपियर टाउन, जबलपुर
2	11	भूखण्ड क्र. 12 एवं 13 में निर्मित फ्लेट क्र. 402	श्री एस.एस. चिखलदेकर पिता स्व. श्री कृष्ण शंकर चिखलदेकर पता-म.नं.402, जय काम्प. सत्यकृति अपार्टमेंट स्वामी विवेकानंद वार्ड, जबलपुर	श्री रितेश कुमार रैकवार पिता श्री सरमन लाल पता-म.नं. 1095, पचमठा मंदिर के पीछे शर्मा जनरल स्टोर के आगे रानी दुर्गावती वार्ड, जबलपुर
3	05	दुकान क्र. ए/16	श्री निशांत कुमार तिवारी पिता श्री रविशंकर तिवारी पता-430, शांति नगर, जबलपुर	श्री शश्वत कुमार साहू पिता श्री विजय कुमार साहू, पता- 1339, विजय नगर, कचनार सिटी रोड, जबलपुर

मृत्यु उपरांत नामांकन की जाने वाली संपत्ति का विवरण

क्र.	योजना क्र.	भू./भ./दु.क्रं.	आवेदक का नाम पता	विवरण
1.	11	भूखण्ड क्र. 207	श्री अशोक कुमार गुप्ता, डॉ. अजय गुप्ता, श्रीमती शिखा गुप्ता सभी के पिता स्व. सुभाष चंद गुप्ता पता- 207, जय नगर, लेबर चौक, कमला नेहरू नगर, जबलपुर	श्रीमती गीता गुप्ता की मृत्यु उपरान्त वारिसों के नामे नामांकन हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है।

संपदाधिकारी जबलपुर विकास प्राधिकरण, जबलपुर

न्यायालय तहसीलदार गोरखपुर जबलपुर

प्रकरण क्रमांक/1100/अ-6/23-24

आम इश्तहार

आम और खास को सूचित किया जाता है कि आवेदक ब्रिजेन्द्र जैन 2. विपिन जैन आत्मल स्व. प्रेमचंद जैन म.नं. 63, प्रेमनगर गुप्तेश्वर वार्ड, जबलपुर के द्वारा वसीयतनामा के आधार पर स्वयं का नाम मौजा महेशपुर प.ह.नं. 32 खसरा नं. 30/1 प्लाट नं. ... रकवा 8870 वर्ग. भूमि पर शासकीय रिकार्ड में नाम दर्ज कराने हेतु आवेदन पत्र दस्तावेज सहित न्यायालय में प्रस्तुत किया है।

अत: उक्त उपरोक्त का नाम दर्ज करने में किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से आम इश्तहार जारी होने के 15 दिवस के भीतर ही आपत्ति स्वीकार की जावेगी।

आज दिनांक 16/10/2023 को पदमुद्रा से इश्तहार जारी किया जाता है।

र.नं. 1420

तहसीलदार गोरखपुर कार्यपालिक दण्डाधिकारी जबलपुर

न्यायालय तहसीलदार रांझी जबलपुर

रा.प्र.क्रं/0733/अ-6/2023-2024

आम इश्तहार

आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक प्रदीप कुमार व्यास/ स्व. राम लाल व्यास नि.-म.नं. 174/253 कांचघर राज किराना के पास पूर्वी घमापुर ने नजूल ब्लाक नं. 134 प्लाट नं. 24/10 बी, 24/11 ए निर्मित/रकवा 1815 वर्गफुट/ अवि. हिस्सा.... ग्राम घमापुर प.ह.नं. ... खसरा नं. ... रकवा ... व.फु. विक्रय पत्र/हक त्याग पत्र/वसीयतनामा/दान पत्र/ वारसान हक/ दिनांक ... मृत्यु दिनांक 29/07/2016 को हो जाने के कारण वारसान हक/ क्रय उपरांत नाम दर्ज किये जाने का आवेदन पत्र, शपथ पत्र खसरा की छायाप्रति प्रस्तुत किया है। प्रकरण में आवेदक द्वारा संलग्न नसूल संधारण खसरा अनुसार नजूल ब्लाक नं. 134 प्लाट नं. 24/10 बी, 24/11 ए निर्मित/रकवा 1815 वर्गफुट/ अवि. हिस्सा.... ग्राम घमापुर प.ह.नं. ... खसरा नं. ... रकवा ... व.फु./हे. रामलाल व्यास/स्व. श्री मुरलीधर व्यास के नाम दर्ज है। अत: किसी व्यक्ति विशेष या संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति स्वयं या अपने अभिभावक के माध्यम से दिनांक 18/10/2023 को इस न्यायालय तहसील रांझी जबलपुर में प्रस्तुत कर सकता है। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त आपत्तिकर्ता की आपत्ति पर कोई सुनवाई नहीं की जावेगी। इश्तहार आज दिनांक 06/09/2023 को मेरे हस्ताक्षर न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।

जारी दिनांक 06/09/2023

पेशी दिनांक 18/10/2023

र.नं. 1419

तहसीलदार, रांझी, जबलपुर

नाम परिवर्तन

हम महेश कुमार सिरवानी पिता स्व. मोहन लाल सिरवानी एवं मुस्कान सिरवानी पति महेश कुमार सिरवानी निवासी फ्लेट क्र. 304, राजुल फ्लेट्स, पंचशील नगर, आदर्श नगर, नर्मदा रोड जबलपुर 482001 कथन करते हैं कि हमारी पुत्री के पासपोर्ट क्र. एल 7785323 में उसका नाम सुजेन सिरवानी पिता महेश सिरवानी लिखा है जिसे हमने बदलकर कशिश सिरवानी पिता महेश कुमार सिरवानी कर लिया है।

अत: अब मेरी पुत्री को कशिश सिरवानी पिता महेश कुमार सिरवानी के नाम से जाना व लिखा जाये।

पूर्व नाम - सुजेन सिरवानी पिता-महेश सिरवानी

परिवर्तित नाम- कशिश सिरवानी पिता-महेश कुमार सिरवानी

अमेरिका में बुजुर्ग ने 6 साल के फिलिस्तीनी मूल के बच्चे को चाकुओं से गोदा

नई दिल्ली। इजराइल और आतंकी संगठन हमास की जंग का असर दुनिया के कई देशों में दिखने लगा है। चीन में जहां इजराइली शख्स को चाकुओं से बुरी तरह गोदा गया। वहीं अमेरिका में भी जंग का असर दिखाई दे रहा है। यहां एक फिलिस्तीनी अमेरिकी मूल के बच्चे को एक 71 साल के बुजुर्ग मकान मालिक ने चाकुओं से बुरी तरह गोद डाला है। वहीं उसकी मां पर भी चाकुओं से जोरदार वार करके बुरी तरह जख्मी कर दिया है। इस हमले साल के बच्चे की मौत हो गई है। इस मामले में हमलावर बुजुर्ग पर मामला दर्ज किया गया है।

जानकारी के अनुसार 6 वर्ष के बच्चे की चाकू मारकर हत्या करने और 32 वर्षीय महिला को चाकू से हमला करके घायल करने के संबंध में इलिनोइस के 71 वर्षीय एक व्यक्ति पर घृणा अपराध के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस का आरोप है कि आरोपी ने इन दोनों पर इनके धर्म के आधर पर हमला किया।

लोकसभा चुनाव से पहले महिला आरक्षण विधेयक लागू करने की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर

नई दिल्ली। 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले महिला आरक्षण विधेयक लागू करने की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की गई । कांग्रेस नेता जया ठाकुर द्वारा वकील वरिंदर कुमार शर्मा के माध्यम से दायर याचिका में कहा गया है,संवैधानिक संशोधन को परिसीमन की कवायद के लिए रोका नहीं जा सकता। इसमें कहा गया है कि जनगणना और परिसीमन की कोई आवश्यकता नहीं है क्योंकि सीटों की संख्या पहले ही घोषित की जा चुकी है और वर्तमान संशोधन मौजूदा सीटों के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण देता है।

याचिका में कहा गया है, संशोधन को तुरंत लागू करने के लिए यह एक आकस्मिक स्थिति है, यही कारण है कि महिला आरक्षण विधेयक को पारित करने के लिए एक विशेष उद्देश्य के लिए विशेष सत्र बुलाया गया था, लेकिन विवादित रुकावट डालना लोकतांत्रिक प्रक्रिया में महिलाओं के प्रतिनिधित्व के उद्देश्य को विफल करना है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम विधेयक 2023 इस साल सितंबर में संसद के एक विशेष सत्र में पारित किया गया था।

हमास से जंग के बीच इजरायल का लेबनान पर बड़ा हमला

मारवाहिन। इजरायल और हमास की लड़ाई फिलिस्तीन की सरहद पार लेबनान तक जा पहुंची है। इजरायली युद्धक विमानों ने दक्षिणी लेबनान में दो मिसाइलें दागकर मारवाहिन शहर पर हमला किया है। यह रिपोर्ट लेबनानी सैन्य सूत्रों ने मीडिया को दी है। सैन्य सूत्रों के अनुसार, लक्षित क्षेत्र से काले धुएं का घना गुबार उठा, जबकि इजरायली सेना और टोही विमान अभी भी लेबनान के हवाई क्षेत्र में उड़ान भर रहे है।

एक समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, सूत्रों ने रविवार को बताया कि भारी इजरायली तोपखाने ने दक्षिण पश्चिम लेबनान के सीमावर्ती कस्बों मारवाहिन और ब्लिडा के बाहरी इलाके में 45 गोले दागे। इससे पहले रविवार को, लेबनान स्थित सशस्त्र समूह और राजनीतिक दल हिजबुल्लाह ने दक्षिण पश्चिम लेबनान में एक इजरायली सैन्य स्थल जहर अल-जमाल पर एक निर्देशित कोर्नेट मिसाइल लॉन्च की, जिसमें एक इजरायली सैनिक की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए।

प्रथम पृष्ठ का शेष

जिन्दगी को खत्म करने की.....

रही है और उसकी वित्तीय हालत भी ठीक नहीं है। महिला ने कहा था कि वह अपने तीसरे बच्चे को पालने के काबिल नहीं है इसलिए उसे अबॉर्शन की इजाजत दी जाए। सीजेआई चंद्रचूड़ की बेंच ने अपने आदेश में कहा कि महिला की डिलीवरी एम्स में सरकारी खर्च पर होगी। बच्चे के जन्म के बाद मां-बाप फैसला ले सकेंगे कि वह बच्चे को पालना चाहते हैं या फिर एडॉप्शन के लिए देना चाहते हैं। इसमें सरकार उनकी मदद करेगी। सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि हम ज़िंदगी को खत्म करने का फैसला नहीं दे सकते। सुनवाई के दौरान जस्टिस हिमा कोहली ने कहा कि ऐसी कौन सी अदालत कहेगी कि एक भ्रूण की दिलों की धड़कनों को रोका जाए। उन्होंने साफ कहा कि महिला को गर्भपात की इजाजत नहीं दे सकते हैं।

महिला ने क्या कहा था?- अदालत में याचिका दाखिल करते हुए महिला ने कहा था, अपने दूसरे बच्चे के जन्म के बाद से मैं पोस्टपार्टम साइकोसिस से गुजर रही हूं। साथ ही इस बीमारी को ठीक करने के लिए मैं जो दवाएं ले रही हूं, वो मेरे होने वाले बच्चे के लिए सही नहीं है ना ही इस बच्चे का स्वागत करने के लिए मेरी मानसिक स्थिति ठीक है। पोस्टपार्टम साइकोसिस से पीड़ित होने के बाद भी अगर मैं इस बच्चे को जन्म देती हूं, तो ये मेरे और इस बच्चे, दोनों के लिए ही खतरनाक साबित हो सकता है।

देश-प्रदेश

उवाच

नोटबंदी से देश को काफी नुकसान हुआ

नई दिल्ली। राहुल गांधी ने कहा कि जीएसटी छोटे और मध्यम व्यवसायों को खत्म करने के लिए बनाया गया है, यह भारत के किसानों को कमजोर करने के लिए बनाया गया है। आप सभी जानते हैं कि नोटबंदी का क्या हुआ। यह हमारे प्रधानमंत्री का ऐसा आइडिया था जिससे देश को काफी नुकसान हुआ। इससे देश की अर्थव्यवस्था आज तक ठीक नहीं हुई है। राहुल ने आगे कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था को विकसित करने के लिए प्रधानमंत्री की रणनीति को समझना चाहते हैं, तो इसे एक शब्द 'अडानी' में संक्षेपित किया जा सकता है। सब कुछ एक व्यवसायी की मदद के लिए बनाया गया है।

सार-समाचार

झूठे मामलों में फंसाने की कोशिश कर रही केंद्र सरकार: केजरीवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उन्हें झूठे मामलों में फंसाने की कोशिश कर रहे हैं। श्री केजरीवाल ने सोमवार को एक्स कर कहा, यह 2015 की घटना है। मोदी सरकार 2015 से मुझे झूठे केसों में फँसाने की कोशिश कर रही है। लोगों पर तरह तरह के दबाव बना कर उन्हें मेरे खिलाफ बयान देने के लिए कहा जाता है। कई लोगों को तो यातनाएं भी दी गईं। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के लिए काम करने के बजाय 24 घंटे अपने विरोधियों को झूठे मामलों में फंसाने के षड्यंत्र रचते रहते हैं।

उत्तराखंड में महसूस किए गए भूकंप के झटके

नैनीताल, एजेंसी। उत्तराखंड के सीमांत पिथौरागढ़ जिले में सोमवार को भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप से किसी नुकसान की सूचना नहीं है। रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 4 मापी गई है। भूकंप का केन्द्र नेपाल रहा। इसकी गहराई जमीन की सतह से पांच किमी नीचे रही है। इसलिए किसी जानमाल की आशंका नहीं है। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी भूपेश महर ने बताया कि जिले में अभी तक किसी नुकसान की सूचना नहीं मिली है। गौरतलब है कि पिछले कुछ समय से नेपाल से सटे भूभाग में लगातार भूकंप के झटके महसूस किए जा रहे हैं। अभी तक इनका केन्द्र नेपाल ही रहा है।

ईडी के सामने पेश हुए अभिषेक के पीए

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल के तृणमूल कांग्रेस (तृंका) के महासचिव व सांसद अभिषेक बनर्जी के निजी सहायक सुमित रॉय सोमवार को शिक्षक भर्ती में कथित अनियमितताओं के संबंध में प्रवर्तन निदेशालय के जांच अधिकारियों के सामने पेश हुए। रॉय समन के लिए सुबह करीब 11 बजे साल्ट लेक स्थित केंद्र सरकार कार्यालय परिसर में पहुंचे। कलकत्ता उच्च न्यायालय के निर्देश के बाद, ईडी मनी ट्रेल्स की जांच कर रही है। कथित शिक्षक भर्ती घोटाला जिसमें कई शीर्ष राजनेता जांच के दायरे में हैं और तत्कालीन वाणिज्य मंत्री पार्थ चटर्जी, पूर्व शिक्षा मंत्री सहित कई अन्य लोग एक साल से अधिक समय से जेल में हैं।

जयसिंह नगर की सभा में बोले शिवराज

हर परिवार में रोजगार उपलब्ध कराना हमारा लक्ष्य

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि हर परिवार में रोजगार उपलब्ध कराना हमारा लक्ष्य है। हमारी कोशिश होगी कि प्रत्येक परिवार में एक व्यक्ति रोजगार दिया जाए, ताकि परिवार मजबूत रहे। उन्होंने कहा कि यह भाजपा की सरकार है, हमें आपकी जिंदगी बदलनी है और आपकी जिंदगी बदल गई तो मेरा मुख्यमंत्री बनना सार्थक हो जाएगा। श्री चौहान ने आज जयसिंह नगर में पार्टी प्रत्याशी मनीषा सिंह के समर्थन में आयोजित सभा को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी सरकार ने अनेको जनकल्याण के कार्य किए हैं, मध्यप्रदेश के और बेहतर विकास के लिए प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी को विजयी बनाना है और मध्यप्रदेश को देश के सबसे विकसित राज्यों में लाना है।

श्री चौहान ने कहा कि कांग्रेसी आजकल बड़े ही परेशान है, कांग्रेसी कहते हैं कि, हम चुपचाप लाड़ली बहनों के खाते में पैसा डाल देंगे। चुनाव आयोग से शिकायत की जा रही है। हम पैसा डाल रहे हैं इसमें कांग्रेस को क्या दिक्कत है। कांग्रेस ने तो कभी पैसे नहीं डाले। बहनों की जिंदगी बदलने के लिए लाड़ली लक्ष्मी योजना बनाई है। पहले 1 हजार और अब 1 हजार से बढ़ाकर 1250 कर दिए हैं और 1250 रूपए से बढ़ाकर धीरे-धीरे 3000 रूपए तक इस राशि को पहुंचाया जाएगा। तब जाकर बहनों की जिंदगी से दुख और तकलीफ दूर होगी।

कमलनाथ ने योजनाएं बंद कर बहनों का हक मारा

श्री चौहान ने कहा कि, कमलनाथ ने 15 महीने की सरकार में बहनों के हक पर डाका डाला है। बैगा, भारिया और सहरिया बहनों के खाते में 1000 रूपए की राशि डाली जाती थी लेकिन बीच में कमलनाथ आ गए और उन्होंने पैसा डालना ही बंद कर दिया। उन्होंने कहा भाजपा सरकार ने बहनों के लिए संबल योजना बनाई कांग्रेस ने उसे भी बंद कर दिया था। अगर कांग्रेस की सरकार आई तो वह लाड़ली बहना योजना भी बंद कर देंगे।

डेढ़ महीने में शुरू हो गई रेल, शहडोल में जल्द बनेगा एयरपोर्ट

श्री चौहान कहा कि, महज़ डेढ़ महीने में शहडोल से नागपुर के लिए ट्रेन शुरू कर दी गई थी और अब यहां हवाई अड्डा भी जल्द ही बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि, शहडोल में हवाई अड्डा बनने से निवेश बढ़ेगा और निवेश बढ़ने के साथ ही रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। वहीं तीर्थ यात्रियों को अब रेल यात्रा के अलावा हवाई जहाज से भी यात्रा कराई जाएगी।

कांग्रेस प्रत्याशियों की सूची को लेकर भाजपा की टिप्पणियों पर बोले कमलनाथ

भाजपा अपनी चिंता करे

भोपाल, देशबन्धु। पूर्व मुख्यमंत्री एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने कांग्रेस प्रत्याशियों की पहली सूची को लेकर भाजपा नेताओं द्वारा की गई टिप्पणियों पर कहा है कि भाजपा अपनी चिंता करे, हमारी चिंता छोड़ दे। प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनने जा रही है। उन्होंने आज यहां मीडिया से चर्चा करते हुए कांग्रेस प्रत्याशियों की सूची को लोकतांत्रिक बताया और कहा कि कांग्रेस की सूची भाजपा से इस मायने में अलग है कि हमने अंतिम पायदान तक के कार्यकर्ताओं की सलाह के बाद उन्हें सम्मान देते हुए प्रत्याशियों का चयन किया। इसकी दिशा लोकतंत्र की मूल भावना के अनुरूप नीचे से ऊपर की और है। जबकि भाजपा की सूची ऊपर से थोपी गई है।

यह एकाधिकार और अहंकार से चुनाव से लड़ने का आदेश है और भाजपा के नेताओं और कार्यकर्ताओं का अपमान भी है। इसलिए भाजपा की सूची अलोकतांत्रिक है। उल्लेखनीय है कि भाजपा नेताओं ने कांग्रेस प्रत्याशियों की सूची पर सवाल उठाते हुए इसे परिवारवाद और गुटबाजी से प्रेरित बताया था।

बुधनी में मुकाबला कलाकारों के बीच

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के गृह क्षेत्र बुधनी में कांग्रेस की ओर से टीवी कलाकार विक्रम मस्ताल को चुनावी मैदान में उतारने पर कमलनाथ ने कहा कि बुधनी में कलाकार वर्सेज कलाकार का चुनाव है। उन्होंने कहा कि दोनों के बीच मुद्दों पर बहस करानी चाहिए, जिससे पता चलेगा कि कौन बड़ा कलाकार है। कमलनाथ ने तंज कसा कि शिवराज कलाकारी में तो मस्ताल को हरा देंगे।

इंडिया गठबंधन लोकसभा चुनाव के लिए

कमलनाथ ने प्रदेश में चुनावी गठबंधन की संभावना को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में कहा कि इंडिया गठबंधन लोकसभा चुनाव के लिए केन्द्र स्तर पर बना है। फिर भी हम चाहते हैं कि भाजपा को हराने के लिए प्रदेश में सपा हमारा साथ दें। मुझे खुशी है कि सपा भाजपा को हराना चाहती है। उन्होंने बताया कि सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से मेरी बातचीत हुई है। उनका उद्देश्य भाजपा को हराना है। मैं इसके लिए सपा को धन्यवाद देता हूं। उन्होंने बताया कि गठबंधन को लेकर मायावती की उनसे कोई बातचीत नहीं हुई है।

भाजपा और बसपा के कई नेताओं ने ग्रहण की सदस्यता

कांग्रेस में लौटे महेन्द्र बौद्ध, पटेल ने भी थामा हाथ

भोपाल, देशबन्धु। भारतीय जनता पार्टी और बसपा के कई नेताओं ने आज कांग्रेस का दामन थाम लिया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने उन्हें पार्टी की सदस्यता ग्रहण कराई। प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में आयोजित समारोह में प्रदेश के पूर्व गृहमंत्री महेन्द्र बौद्ध ने घर वापसी की वहीं गाडरवारा से भाजपा के विधायक रहे गोविंद पटेल के पुत्र गौतम पटेल अपने सैकड़ों साथियों के साथ कांग्रेस में शामिल हुए। समारोह में कमलनाथ ने कहा कि प्रदेश का हर वर्ग भाजपा सरकार से त्रस्त है। आप सभी सच्चाई का साथ दीजिए, हम मिलकर प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनाएंगे। इस अवसर निवाड़ी के बसपा नेता उमेश यादव, रायसेन के भाजपा नेता भंवरलाल पटेल, बरकतउल्ला विश्वविद्यालय भोपाल के पूर्व कुलसचिव डॉ. बी भारती, सांची जनपद अध्यक्ष अर्चना पोर्ते ने भी कांग्रेस की सदस्यता ली।जन न्याय दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष बृज बिहारी चौरसिया ने कांग्रेस में विलय की घोषणा करते हुए सभी पदाधिकारियों के साथ पार्टी का हाथ थाम लिया। उल्लेखनीय है कि पूर्व गृहमंत्री महेंद्र बौद्ध बसपा में चले गए थे। आज कांग्रेस वापसी पर उनके साथ नगर पंचायत सेवढ़ा की पूर्व अध्यक्ष कमला दिवाकर यादव सहित कई समर्थकों ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की।

राहतगढ़ नगर पंचायत अध्यक्ष 10 पार्षदों समेत कांग्रेस में शामिल

सुरखी विधानसभा क्षेत्र की राहतगढ़ नगर परिषद की अध्यक्ष प्रियंका गोलू राय ने 10 पार्षदों और बड़ी संख्या कार्यकर्ताओं के साथ आज कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। 15 सदस्यीय इस नगर परिषद में अब भाजपा में 5 सदस्य ही बचे हैं। सुरखी से कांग्रेस प्रत्याशी नीरज शर्मा भी इस अवसर पर मौजूद थे।

कांग्रेस नेता डॉ. शर्मा कार्यकर्ताओं सहित भाजपा में शामिल

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान एवं पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा के समक्ष सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर रायसेन जिले के बेगमगंज के कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष, कद्दावर किसान नेता एवं वरिष्ठ समाजसेवी डॉ. रवि शर्मा ने भारतीय जनता पार्टी की रीति-नीति से प्रभावित होकर पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर रायसेन जिले के एक हजार से अधिक कांग्रेस कार्यकर्ताओं को मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान एवं प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने पार्टी का अंगवस्त्र पहनाकर पार्टी में स्वागत किया। इस अवसर पर प्रदेश शासन के पूर्व मंत्री व विधायक रामपाल सिंह एवं रायसेन जिला अध्यक्ष राकेश शर्मा उपस्थित थे।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने ग्वालियर एवं चंबल संभाग की निर्वाचन तैयारियों की समीक्षा

स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव के लिए आपराधिक तत्वों के खिलाफ करें सख्त कार्रवाई

भोपाल, देशबन्धु। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने सोमवार को ग्वालियर-चंबल संभाग में स्वतंत्र, निष्पक्ष, निर्विघ्न एवं शांतिपूर्ण तरीके से विधानसभा निर्वाचन सम्पन्न कराने को लेकर की जा रही तैयारियों की समीक्षा की। कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षकों ने तैयारियों के बारे में जानकारी दी।

श्री राजन ने कहा कि दोनों संभागों के सभी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों के खिलाफ एनएसए एवं जिला बदर सहित अन्य प्रतिबंधात्मक धाराओं में सख्त कार्रवाई की जाए। जिससे आम मतदाताओं में विश्वास कायम हो और वे निर्भीक होकर अपने मताधिकार का उपयोग कर सकें। श्री राजन ने मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिये व्यापक स्तर पर मतदाता जागरूकता गतिविधियां आयोजित करने के निर्देश दिए। श्री राजन ने कहा कि अंतर्राज्यीय एवं अंतर जिला नाकों पर 24 घंटे विशेष निगरानी रखी जाए। धन, मदिरा, अन्य मादक पदार्थ, अवैध हथियारों और आपत्तिजनक सामग्री अभियान चलाकर जब्त करें। सभी जाँच दल पूरी तरह मुस्तैद व सतर्क होकर काम करें।

श्री राजन ने वल्नरेबल क्षेत्र के मतदान केन्द्रों में सुरक्षा के अतिरिक्त इंतजाम करने के निर्देश दिए। वल्नरेबल क्षेत्रों में विशेष मतदाता जागरूता अभियान चलाकर लोगों को भरोसा दिलाएँ कि पुलिस और प्रशासन आपकी सुरक्षा के लिये तत्पर है।

संवेदनशील व अति-संवेदनशील मतदान केन्द्रों के बाहर भी लगाएँ सीसीटीवी कैमरे

श्री राजन ने कहा कि संवेदनशील एवं अति-संवेदनशील मतदान केन्द्रों की वेब कास्टिंग की पुख्ता व्यवस्था की जाये। ऐसे मतदान केन्द्रों में जरूरत के अनुसार भीतर के साथ-साथ बाहर भी सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं।

महिलाओं, दिव्यांगों द्वारा संचालित मतदान केन्द्र भी स्थापित करें

श्री राजन ने प्रत्येक विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में महिलाओं एवं दिव्यांग अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा संचालित मतदान केन्द्र स्थापित करने के निर्देश दिए। महिला मतदान कर्मियों की सुविधा का ध्यान रखा जाए।

मतदाता हेल्प-डेस्क नम्बर 1950 का तत्परता से करें संचालन

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राजन ने जिलों में स्थापित मतदाता हेल्प-डेस्क नम्बर 1950 का संचालन तत्परता से करने के निर्देश दिए। श्री राजन ने कहा कि हेल्पडेस्क पर मतदाताओं की ओर से आने वाला हर कॉल अटेण्ड हो और मतदाता की समस्या का समाधान भी किया जाए। 80 वर्ष से अधिक आयु के ऐसे बुजुर्ग जो घर से ही मतदान करना चाहते हैं उनसे फॉर्म-12 डी भरवाकर सहमति लें। इसी तरह 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांगता वाले दिव्यांग मतदाताओं को यह सुविधा मुहैया कराई जाना है।

जिन मतदान केन्द्रों में 1500 से अधिक मतदाता हैं वहाँ के मतदाताओं को सुविधाजनक तरीके से वोट डालने की सुविधा प्रदान करने के लिये सहायक मतदान केन्द्र बनाए जायेंगे। श्री राजन ने दोनों संभागों के जिला कलेक्टर्स को सहायक मतदान केन्द्र के प्रस्ताव भेजने और मतदाता पहचान पत्रों (इपिक) का वितरण कराने के निर्देश दिए। बैठक में पुलिस महानिरीक्षक, कानून व्यवस्था एवं सुरक्षा मध्यप्रदेश राज्य पुलिस नोडल अधिकारी अनुराग, संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी राकेश सिंह, श्रीमती रूचिका चौहान, संभागीय आयुक्त दीपक सिंह, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक डी. श्रीनिवास वर्मा, पुलिस महानिरीक्षक चंबल सुशांत सक्सेना और पुलिस उप महानिरीक्षक सुश्री कृष्णावेणी देशावतु उपस्थित थीं।

बिहार में सिपाही को गोलियों से किया छलनी

पटना, देशबन्धु। बिहार के वैशाली जिले में एक बार फिर अपराधियों ने बिहार की पुलिस व्यवस्था पर हमला करते हुए बड़ी वारदात को अंजाम दिया है। मिली जानकारी के अनुसार वैशाली के सराय बाजार इलाके में अपराधियों ने एक सिपाही को गोलियों से छलनी कर दिया, जिसके बाद इलाज के दौरान सिपाही की मौत हो गई। घटना सराय थाना क्षेत्र के सराय बाजार स्थित सूरत की है। बताया जा रहा है कि पुलिस टीम सूरत चौक स्थित यूको बैंक के पास खड़ी थी। इसी बीच तीन अपराधी बैंक में प्रवेश कर रहे थे जिन्हें पुलिसकर्मियों ने रोका जिसके बाद सभी अपराधी भागने लगे जिसमें से दो अपराधियों को पुलिस टीम ने पकड़ लिया। जबकि भाग रहे एक अपराधी के पीछे सिपाही अमिताभ कुमार दौड़ने लगे कुछ दूर जाकर अपराधी ने सिपाही अमिताभ को गोली मार दी। आनन-फानन में घायल सिपाही को हाजीपुर सदर अस्पताल लाया गया, जहां से एक निजी नर्सिंग होम ले जाया गया। लेकिन, सिपाही को नहीं बचाया जा सका और इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। सिपाही अमिताभ कुमार मुंगेर जिले के खड़गपुर के रहनेवाले थे। बताया जा रहा है कि सभी अपराधी बैंक में लूट की वारदात को अंजाम देने के लिए पहुंचे थे लेकिन उससे पहले ही यह घटना घट गई, जिस गाड़ी से पुलिस टीम सूरत चौक पर गई थी उसके चालक रमेश कुमार ने बताया कि अमिताभ अकेले ही अपराधी को पकड़ने के लिए दौड़ रहे थे, जिसके कारण ही भाग रहे अपराधी ने सिपाही को चार गोली मार दी।

मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित नहीं करना पार्टी की रणनीति

इंदौर, देशबन्धु। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने कहा है कि विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित नहीं करना पार्टी की रणनीति है। श्री विजयवर्गीय ने आज यहां पत्रकारों के सवाल के जवाब में बात कही। उन्होंने बताया कि हम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में चुनाव लड़ रहे हैं और पाचों राज्यों में हमारी इसी रणनीति के तहत काम किया जा रहा है।

कांग्रेस ने की थी शिकायत : दिग्विजय के फर्जी त्यागपत्र को लेकर एफआईआर

भोपाल, देशबन्धु। प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह की ओर से कांग्रेस की प्राथमिकता सदस्यता देने के फर्जी पत्र के मामले में भोपाल में एफआइआर दर्ज की गई है। एफआइआर क्राइम ब्रांच ने दर्ज की है, जिसमें अज्ञात को आरोपित बनाया गया है। गौरतलब है कि रविवार को कांग्रेस प्रत्याशियों की पहली सूची जारी होने के बाद दोपहर में दिग्विजय सिंह के कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देने का पत्र इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हुआ था। इस पर तुरंत ही खुद दिग्विजय सिंह और कांग्रेस पार्टी ने इसका खंडन किया था।

इस मामले में कांग्रेस के मीडिया विभाग के अध्यक्ष केके मिश्रा, पार्टी नेता जेपी धनोपिया सहित कई नेताओं ने साइबर क्राइम सेल में शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें यह कहा गया कि यह दिग्विजय सिंह की छवि को धूमिल करने का प्रयास है।

प्रदेश कांग्रेस के मीडिया प्रभारी केके मिश्रा ने भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता हितेश वाजपेयी पर दिग्विजय सिंह का यह फर्जी त्यागपत्र तैयार कराने और उसे इंटरनेट मीडिया पर बहुप्रसारित करने का आरोप लगाया था। वहीं, इस आरोप को झूठा बताते हुए वाजपेयी ने कहा कि सवाल पूछने पर कांग्रेस आरोप लगाने लगती है।

इस फर्जी त्यागपत्र के सामने आने के बाद दिग्विजय सिंह ने इंटरनेट मीडिया के जरिए प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि वह अंतिम सांस तक कांग्रेस में रहेंगे।

कार्यालय संभागीय अधिकारी
सम्भाग क्रमांक 05,
नगर निगम, जबलपुर
पत्र क्र./स. अधि./सं.क्रं. 5/2023-24/248 दिनांक 12/10/2023

भवन नामांतरण

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती अनीता सराफ पति श्री विनय कुमार सराफ ने भवन क्रं. 10/1 वार्ड जवाहरगंज भूतल 140 विक्रय पत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा मकान नं. 10/1 पर नामांतरण हेतु पंजीकृत स्वामी श्रीमती सरिता अग्रवाल पिता/पति श्री अमित अग्रवाल भवन क्र. 10/1 पिन नं. 42000022, 1000391603 पर जिस किसी को उक्त में प्रमाण सहित आपत्ति हो तो इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-05 में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-05,
नगर निगम, जबलपुर

Change Of Date Of Birth

I, Army No. 13784573X Rank Hav Name Deepak Kumar Presently Residing At Vill- Rajeev Nagar Cherital Po- Vijay Nagar Tehsil-Jabalpur Distt. Jabalpur (m.p) Pin Code - 482002 do Hereby Solemnly Affirm And Declare On Oath As Under I Am Presently Residing At The Above Mentioned Address. I State That Date Of Birth Of My Mother Parwati Is Recorded As 01/10/1954 In My Army Service Record Which Is Incorrect, The Correct Date Of Birth Of My Mother Is 01/01/1959 As Per Aadhar Card No. 3913 0547 2501 And Other Documents. I State that the Correct Date Of Birth of My Mother Named Parwati is 01/01/1959 And Same Shall Be Considered In Future In all Records.

Correct Date of Birth
PARWATI 01/01/1959

त्रिपुरा में लोस चुनाव से पहले हो जाति आधारित जनगणना : कांग्रेस

अगरतला, एजेंसी। त्रिपुरा प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने सोमवार को समाज के वंचित वर्गों के अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले राज्य में जाति आधारित जनगणना की मांग की। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष आशीष कुमार साहा ने कहा कि कांग्रेस ने यहां पार्टी की अनुसूचित जाति (एससी)/अनुसूचित जनजाति (एसटी)/अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी)/अल्पसंख्यक इकाइयों की एक संयुक्त बैठक की और जमीनी स्तर पर गतिविधियों को पुनर्जीवित करने के लिए एक व्यापक योजना बनाई।

साहा ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ओबीसी समुदायों को लाभ प्रदान करने के लिए जाति जनगणना को तत्काल लागू करने की कांग्रेस की मांग को जानबूझ कर नजरअंदाज कर रही है। चुनाव से ठीक पहले मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए भाजपा ने दिखावा करने और देशवासियों को बेवकूफ बनाने के लिए महिला आरक्षण विधेयक संसद में पारित किया। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने चुनाव जीतने के लिए इसे एक उपकरण के रूप में इस्तेमाल करने के इरादे से पिछले कई वर्षों तक इस बिल को दबाए रखा था, लेकिन इस अधिनियम से देश की महिलाओं को कैसे लाभ होगा, इसके बारे में अभी तक कोई घोषणा नहीं की गई है। देश की महिलाएं असुरक्षित हो गई हैं और महिलाओं पर अत्याचार कई गुना बढ़ गए हैं, लेकिन सजा आज भी सबसे न्यूनतम है।

कांग्रेस द्वारा बार-बार समाज के समग्र विकास के लिए देश में जाति जनगणना की मांग करने के बावजूद केंद्र सरकार संविधान के परिसीमन की प्रक्रिया शुरू करने में कोई जल्दबाजी नहीं दिखा रही है।

भाजपा के आरोपों का मुख्यमंत्री ने किया खंडन, कहा-

5 पैसे के लिए भी नहीं कहता कांग्रेस हाईकमान

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने सोमवार को उन आरोपों राजनीति से प्रेरित और आधारहीन बताते हुए खारिज किया है, जिनमें कहा जा रहा था कि आयकर विभाग की ओर से की गई छापेमारी में जब्त नकदी का कांग्रेस पार्टी से संबंध है। एक दिन पहले भाजपा ने आरोप लगाया था कि एक ठेकेदार और उसके बेटे से 42 करोड़ रुपए समेत नकदी जब्त की गई है, जिनका संबंध कांग्रेस से था। पार्टी ने यह भी आरोप लगाया था कि सिद्धारमैया सरकार राज्य को एटीएम की तरह इस्तेमाल कर रही है।

भाजपा के इस आरोप के बारे में पूछे जाने पर कि जब्त की गई नकदी को पांच राज्यों में होने वाले चुनावों में लगाया जाना था, सिद्धारमैया ने कहा, हमारा इससे (जब्त किए गए पैसे से) कोई संबंध नहीं है। जिन राज्यों में चुनाव होने जा रहे हैं, उन्हें खुद की लड़ाई लड़नी चाहिए। जब हम चुनाव लड़ते हैं तो अन्य राज्यों से धन के लिए कहते हैं। जनता ही आशीर्वाद देती है। पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने अब तक पांच पैसे के लिए भी नहीं कहा है। पूर्व मुख्यमंत्री और जद (एस) नेता एचडी कुमार स्वामी की आयकर विभाग की छापेमारी में जांच की मांग पर सिद्धारमैया ने कहा कि हमें क्यों जांच करनी चाहिए।यह आयकर विभाग जांच करे।

देशबन्धु

जबलपुर, मंगलवार 17 अक्टूबर 2023

संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

जलवायु परिवर्तन: बच्चों के छूटते स्कूल

लगभग तीन दशकों से अंतरराष्ट्रीय मंचों से इस बात पर गहन चिंता प्रकट हो रही है कि जलवायु परिवर्तन का तमाम देशों के लोगों पर बहुत ही विपरीत असर पड़ रहा है। शायद ही ऐसा कोई वर्ग हो जो इससे प्रभावित न हो रहा हो। लोगों के सामने यह साफ है कि जिस तेजी से दुनिया की जलवायु में बदलाव हो रहा है उसके चलते कुछ समय के बाद कई शहरों और इलाकों के सामने उनके अस्तित्व का ही संकट खड़ा हो जायेगा। लोगों के पलायन, विस्थापन और पुनर्वास का मसला बहुत बड़ा रहेगा। पहाड़ी क्षेत्र हों या मैदानी, समुद्र तट के इलाके हों या फिर रेगिस्तानी, जलवायु परिवर्तन के असर से शायद ही कोई अछूता रह सकेगा। स्वाभाविक है कि ऐसे क्षेत्रों में रहने वालों के सामने कोई अन्य विकल्प नहीं रह जायेगा कि वे प्रभावित क्षेत्रों को छोड़कर अन्यत्र आसरा लें। अपने मूल स्थानों को छोड़ने से किस तरह से अन्य संकट मानव जीवन में आते हैं, यह अब दुनिया भर में देखा जा रहा है। कटते जंगलों या डूबते तटीय इलाकों को छोड़कर जाने वालों के सामने रोजी-रोटी के संकट से लेकर अपने जीवन को फिर से व्यवस्थित करने की बड़ी चुनौती होती है। नयी जगह पर खुद को ढालना मुश्किल होता है, यह भी सब जानते हैं।

जलवायु परिवर्तन का जो असर मानव जीवन पर होगा, उसके विभिन्न पहलुओं पर गहन अध्ययन दुनिया भर के वैज्ञानिक, समाजशास्त्री एवं अन्य विधाओं के लोग कर रहे हैं। विभिन्न शोध एवं विश्वविद्यालयीन अध्ययन अनेक तरह के निष्कर्ष लेकर सामने आए हैं। ऐसे सभी शोध मनुष्य के भविष्य को लेकर भयावह तस्वीरें बयां करते हैं। प्रभावित लोगों के समक्ष आजीविका से लेकर सांस्कृतिक नुकसानों तक की चर्चा होती है। लगभग हर वर्ष अनेक शासकीय व अशासकीय स्तर पर कार्यरत संस्थाएं और संगठन इस विषय पर सभा-सम्मेलन आयोजित करते हुए इस दिशा में अनेक प्रकार के उपाय सुझाते हैं। राष्ट्र संघ की भी चिंताओं में यह विषय शामिल है। फिर भी इसमें बहुत कामयाबी मिलती नहीं दिखाई दे रही है। विभिन्न कारणों से होने वाले कार्बन उत्सर्जन में कमी लाना जलवायु परिवर्तन को रोकने में बहुत सहायक हो सकता है परन्तु ज्यादातर देश इस लक्ष्य को पाने में नाकाम रहे हैं।

इसी क्रम में आई एक नयी रिपोर्ट बतलाती है कि ग्लोबल वार्मिंग का एक बहुत बड़ा असर दुनिया भर के बच्चों पर हो रहा है। यूनिसेफ की ताज़ा रिपोर्ट बतलाती है कि जलवायु परिवर्तन के कारण आने वाली बाढ़, तूफान, सूखा व जंगलों की आग के कारण हर रोज 20 हजार बच्चे स्कूल छोड़ने के लिये मजबूर हो रहे हैं। 44 देशों में हुए इस अध्ययन के आधार पर तैयार रिपोर्ट के अनुसार 2016 से 2021 के बीच 4.31 करोड़ बच्चों को शालाएं छोड़नी पड़ीं। अकेले हो या सपरिवार, विस्थापन के चलते भारत, चीन और फिलीपींस में ही 2.23 करोड़ विद्यार्थियों ने पढ़ाई छोड़ दी। बाढ़ व तूफान प्रमुख कारण रहे हैं। अनुमान व्यक्त किया गया है कि जिस तरह से मौसम का बदलाव जारी है, 30 वर्षों में 10 करोड़ से ज्यादा बच्चे केवल इन्हीं कारणों से शालाएं छोड़ देंगे। डोमिनिका, वानुआतु जैसे छोटे द्वीपीय देशों में रहने वाले बच्चे तूफान से सर्वाधिक प्रभावित हुए हैं। दूसरी तरफ, जहां बाढ़ ने बच्चों का जीवन तहस-नहस किया. उनमें सोमालिया व सूडान सबसे ऊपर हैं। सूखे के कारण 13 लाख और जंगलों में लगने वाली आग से 8 लाख से अधिक बच्चे विस्थापित हुए जिसके कारण उनके स्कूल छूटे हैं। कनाडा, इज़रायल तथा अमेरिका में सबसे ज्यादा ऐसी आगजनी हुई है। रिपोर्ट यह भी कहती है कि दुनिया भर के बच्चों को अच्छी तरह से पढ़ाने के लिये और भी 4.5 करोड़ शिक्षकों की आवश्यकता है।

बच्चों को लेकर प्रकाशित हुई यह रिपोर्ट केवल जलवायु परिवर्तन के सन्दर्भ में है। गरीबी, बेरोजगारी, अकाल, भूकम्प, युद्ध, दंगे, सरकारी उत्पीड़न, पलायन, अलगाववादी या आतंकी संगठनों चलाये जाने वाले अभियानों के तहत होने वाली कार्रवाइयों जैसे और भी अनेक कारण होते हैं जिनसे बच्चों की पढ़ाई छूटती है। इज़रायल-फिलीस्तीन युद्ध को ले लें या फिर भारत के मणिपुर को देखें, तो बच्चों की पढ़ाई पर इसका असर हो रहा है। कुछ राज्यों में माओवादियों द्वारा स्कूल या तो बर्बाद किये जाते रहे हैं या उनकी दहशत के कारण लोग अपने बच्चों को स्कूल भेजना बन्द कर देते हैं।

ऐसे स्थलों से होने वाले पलायन के कारण बच्चों की शालाएं पीछे रह जाती हैं। ग्रामीण इलाकों में अकाल पड़ने पर परिवारों के सामने आजीविका सम्बन्धी संकट आ खड़ा होता है फलत: वे पलायन कर जाते हैं। शहरी क्षेत्रों में उन्हें रोजगार तो मिल जाता है लेकिन वे बच्चों की शिक्षा जारी नहीं रख पाते या छूट चुकी पढ़ाई को पुन: प्रारम्भ नहीं कर पाते। वे जगह-जगह काम के लिये घूमते रहते हैं। इसके चलते उनके लिये सम्भव नहीं रह जाता कि बच्चों को कोई स्थायी स्कूल प्रदान करा सकें। ऐसे एक नहीं बहुतेरे कारण होते हैं जिनके चलते बच्चों को उनके स्कूल व अध्ययन को छोड़ना पड़ता है। कारण जो भी हो, जलवायु परिवर्तन का बच्चों की शिक्षा पर होने वाले असर के बहाने से ही सही, सभी देशों की सरकारों के लिये यह इस निश्चय को दोहराने का अवसर है कि बच्चों की पढ़ाई-लिखाई के व्यवधान दूर हों। एक आधुनिक व सभ्य समाज के निर्माण में शिक्षा की भूमिका व योगदान को बतलाने जाने की ज़रूरत नहीं है। इसलिये सारी सरकारें और विश्व मंच इस मुद्दे पर गम्भीरतापूर्वक विचार कर हल निकाले ताकि किसी भी बच्चे को शाला न छोड़नी पड़े।

...अम्मा चलीं मदर ऑफ डैमोक्रेसी कहलाने

नरेंद्र मोदी राज के गरीबों का कल्याण करने के अति-प्रचार पर पानी फेरते हुए, एक बार फिर वैश्विक भूख सूचकांक तैयार करने वाले प्रतिष्ठित संगठनों ने दिखाया है कि मौजूदा निजाम में गरीबों की हालत, वास्तव में बद से बदतर होना जारी है। कहने की जरूरत नहीं है कि भूख का पैमाना, आम जनता की दशा का न्यूनतम से न्यूनतम पैमाना है, जो दिखाता है कि पेट भर जरूरी आहार हासिल करने की न्यूनतम जरूरत पूरी कर पाने से भी गरीब कितनी दूर हैं। और इस न्यूनतम पैमाने पर भारत, जो जीडीपी के लिहाज से दुनिया की पांचवीं बल्कि चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने का दम भरता है और जल्द ही तीसरे स्थान पर पहुंच जाने की शेखी मारता है, 2023 के लिए की गई गणना में, दुनिया के उल्लेखनीय रूप से भूख से प्रभावित 125 देशों में, 111वें नंबर पर निकला है। पड़ौसी देशों में लंबे पश्चिमी कब्जे तथा उसके खिलाफ युद्ध से तबाह अफगानिस्तान और अफ्रीकी गरीब देशों में सोमालिया समेत, कुछ चौदह देश ही हैं, जहां की जनता भारत से भी ज्यादा भूख की मारी हुई है। याद रखने की बात है कि बांग्लादेश की तो बात छोड़ ही दें, पड़ौसी देशों में उस पाकिस्तान में भी हालात भारत से बेहतर हैं, जहां आटे के ऊंचे दाम और भूख के चलते दंगों की खबरें भारत का गोदी मीडिया बड़े चटखारे लेकर प्रसारित करता है। और उस श्रीलंका से भी, जहां पिछले साल भूख की मारी जनता बगावत पर उतर आई थी और राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री समेत सरकार को एक मौके पर तो देश छोड़कर ही भागना पड़ा था!

जहां तक भूख सूचकांक का ही सवाल है, पिछले एक साल में भारत चार अंक नीचे ही खिसका है। 2022 के सूचकांक में भारत, 107वें नंबर पर था। वास्तव में यह कहना भी गलत नहीं होगा कि मोदी राज में भूख सूचकांक पर भारत लगातार और वास्तव में तेजी से नीचे ही खिसकता रहा है। फिर भी, 2006 से शुरू हुए इस सूचकांक में शामिल भूख के मारे देशों की संख्या चूंकि लगातार बढ़ती रही है, देशों की भूख की स्थिति की शुद्ध गणना का पैमाना मानने के बजाय, इसे भूख के पहलू से देशों की तुलनात्मक स्थिति का पैमाना मानना ही ज्यादा सटीक होगा। मिसाल के तौर पर पिछले साल भारत, 121 देशों में से 107वें नंबर पर था, जबकि इस बार इस सूचकांक में शामिल देशों की संख्या, चार देशों के और जुड़ने के साथ, 125 हो गई है और भारत 111वें अंक पर खिसक गया है। ऐसे में मुश्किल होते हुए भी सैद्धांतिक रूप से यह असंभव नहीं है कि सभी चार देश, भारत से कम भूख वाले जुड़े हों और इसलिए, भारत का पिछले साल से चार अंक नीचे खिसक जाना, अपने पीछे उसके जहां के तहां बने रहने की ही सच्चाई छुपाए हो। बहरहाल, भारत किसी भी तरह से पिछले साल की अपनी स्थिति के मुकाबले, दूसरे देशों की तुलना में भी रत्तीभर सुधार का भी दावा नहीं कर सकता है।

इस सिलसिले में यह भी गौरतलब है कि आयरलैंड तथा जर्मनी की दो गैर-सरकारी संस्थाओं—कंसर्न वर्ल्डवाइड और वेल्ट हंगरहिल्फ—द्वारा हर साल तैयार की जाने वाली विश्व में भूख की स्थिति पर यह प्रतिष्ठित रिपोर्ट, महज आहार और पोषण की उपलब्धता पर ही आधारित नहीं होती है। इस रिपोर्ट में कुल चार पैमानों को लिया जाता है यानी आहार गत स्थिति के अलावा, पांच वर्ष तक की आयु के बच्चों की अल्पविकास या वेस्टिंग यानी लंबाई के अनुपात में वजन के कम रहने का दर्जा। तीसरा पैमाना है, बच्चों का ठिग्गापन या स्टंटिंग यानी उम्र के अनुपात में, लंबाई कम रहने का दर्जा। और आखिरी पैमाना है, पांच वर्ष तक के बच्चों के लिए मृत्यु दर। भूख की दशा के इस माप में, आहार या पोषण की आम स्थिति के अलावा, बच्चों से संबंधित तीन पैमाने जोड़े जाना, विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। यह इस माप को बच्चों के विकास पर पड़ रहे प्रभाव का माप करने के जरिए, सिर्फ तात्कालिक भूख से बढ़कर, भूख के टिकाऊ रुझान का माप बना देता है। और यह माप, किसी भी देश के भविष्य के लिए परिप्रेक्ष्य के रूप में भूख को सामने लाता है, यह तो खैर स्वत:स्पष्ट ही है।

राजेंद्र शर्मा

जहां तक भूख सूचकांक का ही सवाल है, पिछले एक साल में भारत चार अंक नीचे ही खिसका है। 2022 के सूचकांक में भारत, 107वें नंबर पर था। वास्तव में यह कहना भी गलत नहीं होगा कि मोदी राज में भूख सूचकांक पर भारत लगातार और वास्तव में तेजी से नीचे ही खिसकता रहा है। फिर भी, 2006 से शुरू हुए इस सूचकांक में शामिल भूख के मारे देशों की संख्या चूंकि लगातार बढ़ती रही है।

यह रिपोर्ट बताती है कि भारत में 18.7 फीसद बच्चे वेस्टिंग के शिकार हैं। यह अनुपात, दुनिया भर में सबसे ज्यादा है। इस अनुपात का 15 फीसद से ज्यादा होना ही 'अत्याधिक' चिंताजनक की श्रेणी में आता है और भारत में यह अनुपात इस श्रेणी में भी कहीं ज्यादा है। भारत, भूख के मारे इन 125 देशों भी इकलौता है, जहां चाइल्ड वेस्टिंग को 'अत्याधिक' चिंता की श्रेणी में रखा गया है। यह समझना मुश्किल नहीं है कि इसे ही कुपोषण का सबसे बुरा रूप तथा खराब संकेतक माना जाता है। जहां तक बच्चों की ही स्थिति से जुड़े दूसरे पैमाने, ठिग्गेपन या स्टंटिंग का सवाल है, भारत में 35 फीसद बच्चे अपनी उम्र के अनुपात में कम लंबे हैं। इस मामले में भी भारत की स्थिति को 'अत्यधिक' जोखिम की स्थिति की श्रेणी में रखा गया है, हालांकि इस मामले में भारत की ही स्थिति सबसे बुरी नहीं है। कई अफ्रीकी तथा पूर्वी एशिया के भी कुछ देशों की स्थिति, इस मामले में भारत से भी बदतर है। तीसरे पैमाने पर, जो कि पांच वर्ष तक आयु के बच्चों की मौत का पैमाना है, भारत में करीब 3.1 फीसद बच्चे पांच वर्ष तक नहीं जीते हैं और इस मामले में भारत को 'कम जोखिम' की श्रेणी में रखा गया है। रही बात आबादी के कुपोषण या अल्पपोषण की तो, 16.6 फीसद अल्पपोषित आबादी के साथ, भारत की स्थिति को 'मध्यम' जोखिम की स्थिति की श्रेणी में रखा गया है। और कुल मिलाकर, भारत का ग्लोबल हंगर इंडैक्स स्कोर 28.7 है, जो भूख की 'गंभीर' स्थिति को दिखाता है। इस सूचकांक में शामिल किए गए 125 देशों में से भी सिर्फ 40 देश ही 'गंभीर' भूख की श्रेणी में आते हैं और दुनिया का सबसे तेजी से विकास कर रहा देश होने का दावा करने वाला भारत, इसी श्रेणी में शामिल है।

हैरानी की बात नहीं है कि मोदी राज ने पिछले कई वर्षों की तरह, एक बार फिर विश्व भूख सूचकांक को सिरे से खारिज कर दिया है। वास्तव में मोदी राज का यह तरीका ही बन गया है कि जो भी सूचकांक, उसके शानदार प्रदर्शन की गवाही नहीं देता है, उसे गैर-तथ्यपूर्ण से लेकर, दुर्भावनापूर्ण तक कहकर खारिज ही कर दिया जाता है। मिसाल के तौर पर, प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक पर भारत, 2023 में दुनिया के 180 देशों में खिसक कर 161वें स्थान पर पहुंच गया है, जबकि पिछले साल वह 151वें स्थान पर था। कहने की जरूरत नहीं है कि भूख सूचकांक की ही तरह, प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक पर भी भारत तेजी से रसातल की ही ओर ही बढ़ता जा रहा है और मोदी राज इस सूचकांक को भी उतनी ही हिकारत के साथ खारिज करता आया है। ऐसा ही किस्सा, धार्मिक स्वतंत्रता आदि से संबंधित रिपोर्टों का भी है। अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों को ही नहीं, देश के स्तर पर भी मोदी राज ने अप्रिय वास्तविकताओं को छुपाने के लिए, आंकड़ों और सूचकांकों को दबाने को ही नियम बना लिया है। लेकिन, इस मामले में तो मोदी सरकार, भूख की सच्चाइयों को झुठलाने के लिए यह दलील देने की हद तक चली गई है कि भारत में बच्चों की स्टंटिंग तथा वेस्टिंग को, भूख के साथ जोड़ना ही गलत है और पांच साल से कम की आयु में मौतों का भी भूख से संबंध नहीं जोड़ा जा सकता है, आदि। यानी मोदी सरकार सच को छुपाने के लिए यह दलील देने तक के लिए तैयार है कि बच्चों के स्वास्थ्य पर, जिसमें उनका जीवन भी शामिल है, भूख के प्रभाव को, भूख का संकेतक नहीं माना जा सकता है! लेकिन, यह सिर्फ भूख का नहीं, ऐसी भूख का मामला है, जो देश के भविष्य को, अगली पीढ़ी को ही कमजोर कर रही है।

लेकिन, जैसा कि मोदी राज ने नियम ही बना लिया है, वह सौ बार झूठ बोलकर, सच को ही नकारने में लगा है। भूख सूचकांक पर देश के दयनीय प्रदर्शन को झुठलाने की कोशिश में, प्रधानमंत्री मोदी ने हाल ही में उत्तराखंड के अपने सरकारी दौरे पर जोर-शोर से इसकी डींग हांकी कि उनके राज में पिछले पांच साल में साढ़े तेरह करोड़ लोगों को गरीबी से ऊपर उठाया गया है! यह दावा, गरीबी के ऐसे झूठे मापों की तुलना के आधार पर किया जा रहा है, जिनके आधार ही अलग-अलग होने की वजह से, जिनकी तुलना की ही नहीं जा सकती है। सच्चाई यह है कि भारत में स्वतंत्रता के बाद से, गरीबी को ग्रामीण क्षेत्र में प्रतिव्यक्ति प्रतिदिन 2200 कैलोरी और शहरी क्षेत्र में 2100 कैलोरी आहार तक पहुंच के जिस मानक से परिभाषित किया जाता था, उसे ही पिछले ही अनेक वर्षों में धीरे-धीरे त्याग दिया गया। नतीजा यह हुआ कि वास्तव में आहार की स्थिति दरिद्र से दरिद्रतर होती गई, फिर भी सरकारी आंकड़ों में गरीबी घटती गई। और अब तो मोदी राज ने गरीबी के माप के उस दिखावे को भी त्याग दिया है और मनमाने संकेतकों के बल पर, मनचाहे दावे किए जा रहे हैं। नतीजा यह कि सरकारी दावों में गरीबी जितनी तेजी से घट रही है, जनता के बीच भूख उतनी ही तेजी से फैल रही है। और वह शासन जो अस्सी करोड़ लोगों को पांच किलो मुफ्त राशन बांटने का इतना ढोल पीटने के बावजूद, देश को 'गंभीर' भूख के चंगुल तक से निकाल नहीं पा रहा है, खुद ही अपने मुंह से मदर ऑफ डैमोक्रेसी के दावे कर रहा है।

(लेखक साप्ताहिक पत्रिका लोक लहर के संपादक हैं।)

हमास के अमानवीय हमले से नेपथ्य में जाती फ़िलिस्तीन के अधिकारों की लड़ाई

हमास के आतंकी हमले के नृशंस और अमानवीय रूप ने फ़िलिस्तीन का ही सबसे ज़्यादा नुक़सान किया है। हमास के अत्याचार के फ़ोटो-वीडियो आदि देखकर लोग बदले के उन्माद में फ़िलिस्तीन के नागरिकों के मानवाधिकारों की बात ही भूल गए हैं तो फ़िलिस्तीन की आज़ादी की मांग बहुत नेपथ्य में चली गई है। हमास ने इज़राइल पर अप्रत्याशित हमला कर सैकड़ों इज़राइलियों को मौत के घाट उतारकर फ़िलिस्तीन के लिए तो आत्मघाती क़दम उठाया ही, पूरे विश्व की शांति को भी ख़तरे में डाला है।

ज़ाहिर तौर पर हमास के आतंकियों को इस हमले के लिए आवश्यक साधन और ट्रेनिंग उसे समर्थन दे रहे मुट्ठी भर देशों से मिली। इसके बिना हमास की ताक़त नहीं थी कि विश्व की सबसे बेहतरीन इंटेलीजेंस एजेंसी माने जाने वाली मोसाद, इज़राइल के मित्र देशों के इंटेलीजेंस नेटवर्क, इज़राइल के अभेद माने जाने वाले सुरक्षा चक्र और यहां तक कि हवाई हमलों से बचने की इज़राइल की तकनीक को विफल कर दे। यह हमला इतना अनपेक्षित था कि इज़राइल की सेना को स्थिति समझने और सम्भालने में कई घंटे लगे। लेकिन जब इज़राइल की सेना जागी तब दूसरी ओर का नरसंहार तय था। हमास की ग़लती की सज़ा पूरा फ़िलिस्तीन ख़ासकर ग़ाज़ा पट्टी का क्षेत्र भुगत रहा है। यहां हमास के आतंकवादियों के साथ आम नागरिक- बच्चे, बूढ़े, महिलाएं सभी बड़ी तादाद में मारे जा रहे हैं, लेकिन दुर्भाग्य से फ़िलिस्तीनियों के मानव अधिकारों की बात करने वालों का अकाल सा पड़ गया लगता है। दुनिया के बहुत सारे देशों के नागरिक ग़ाज़ा पट्टी के नेस्तनाबूद होने के इंतज़ार में लग रहे हैं। इस समय इज़राइल की सेना के हर हमले को शांतिप्रिय समझे जाने वाले देशों के नागरिक भी बड़े उत्साह से देख रहे हैं और उसे समर्थन दे रहे हैं। ऐसे माहौल में शांति और आम फ़िलिस्तीनी नागरिक के अधिकार की बात बहुत पीछे छूट गई लगती है, जो कि एक दुखद मंज़र है।

यूं देखा जाए तो फ़िलिस्तीन उन दुर्भाग्यशाली देशों में है जिसकी क़िस्मत में शांति अमूमन कम ही रही है। यास्सेर अराफ़ात के करिश्माई व्यक्तित्व और ख़ूबियों के कारण फ़िलिस्तीन के मुक्ति संघर्ष को न सिर्फ दुनिया के कई मुल्कों का समर्थन मिला बल्कि भारत में इंदिराजी, अटलजी सहित अनेक नेताओं से अराफ़ात के बहुत ही प्रेमपूर्ण सम्बंध रहे। हिंसक संघर्ष से शुरुआत कर यास्सेर अराफ़ात ने जब शांति का मार्ग अपनाया और अमेरिका की मध्यस्थता में इज़राइल के साथ 1993 में ऐतिहासिक ओस्लो शांति समझौता किया तब फ़िलिस्तीन को शांति के कुछ वर्ष बमुश्किल नसीब हुए। इन वर्षों में फ़िलिस्तीन में लोकतंत्र की बयार भी आई और फिलिस्तीनी लेजिस्लेटिव काउंसिल का गठन भी हुआ। पहला चुनाव अराफ़ात की फ़तह पार्टी जीती भी। वर्ष 2004 में अराफ़ात की रहस्यमय कारणों से मृत्यु के एक-दो वर्ष पूर्व से उनकी राजनैतिक मुश्किलें बढ़ीं, सत्ता अपनी ही पार्टी के दूसरे व्यक्ति को सौंपनी पड़ी और हत्या की साज़िशों का सामना करना पड़ा। लेकिन 2006 अपने दूसरे और आखिरी चुनाव में पूरी दुनिया को चौंकाते हुए फ़िलिस्तीनियों ने आतंक का मूल स्वर रखने वाले संगठन हमास को सत्ता में बैठा दिया। तब से ही फ़िलिस्तीन में न सिर्फ नस्लीय कट्टरता बढ़ी, हिंसा लौटी बल्कि विकास के सारे रास्ते भी अवरुद्ध होते गए। आज स्थिति यह है कि फ़िलिस्तीन में हज़ारों घायलों के इलाज में भी मुश्क़िल आ रही है क्योंकि इज़राइल ने बिजली समेत अनेक ज़रूरी चीज़ों की आपूर्ति अवरुद्ध कर दी है। ग़ाज़ा पट्टी पर एक लाख सैनिकों, हथियारों आदि के साथ इज़राइली सेना की तैनाती के बाद भी हमास की ओर से रॉकेट के हमले जारी रहे जिनका ख़ामियाज़ा ज़ाहिर तौर पर फ़िलिस्तीन के निरपराध नागरिक भी भुगतेंगे। आतंकवादी संगठन के हाथ में सत्ता सौंपना ही फ़िलिस्तीनी नागरिकों का वो अपराध है जिसकी सज़ा वे लगातार भुगत रहे हैं और आगे भी भुगतने को अभिशप्त हैं।

हमास को ईरान के अलावा लेबनान के हिज़्बुल्ला, चीन, रूस आदि चंद देशों का समर्थन सदैव हासिल तरह रहा है। सऊदी अरब जैसे देशों ने हमले के बाद फ़िलिस्तीनी अधिकारों की भी बात की है। उधर इज़राइल को अमेरिका और ज़्यादातर यूरोपियन देशों, सहित लगभग 84 देशों का समर्थन प्राप्त हो चुका है। अमेरिका ने अपने सैनिक विमानों से लैस युद्धपोत इज़राइल की मदद के लिए भेज दिए हैं। मोटे तौर पर दुनिया के देशों की प्रतिक्रिया जहां हमले की निंदा के मुद्दे पर एकमत है वहीं फ़िलिस्तीन और शांति की बात पर विभक्त। दु:ख की बात यह है कि ज़्यादातर देशों के नेताओं ने शांति की कोई मांग की ही नहीं है। अन्तरराष्ट्रीय मीडिया में भी इज़राइल के शौर्य को ललकारा जा रहा है और उसके बदले की कार्रवाई को बहुत बढ़ा-चढ़ाकर गौरवान्वित किया जा रहा है। फ़िलिस्तीन में मारे जा रहे बच्चों - महिलाओं, बुज़ुर्गों की आवाज़ उठाने वाला कोई नहीं। ऐसा लग रहा है कि पूरे फ़िलिस्तीन को ही आतंकवादी संगठन हमास के रूप में देखा जा रहा है। इस भ्रांति को तोड़े जाने की ज़रूरत है। हमास की ग़लतियों की सज़ा पूरे फ़िलिस्तीन के नागरिकों को देना ठीक नहीं। विश्व के बड़े नेताओं को अब शांति की पहल भी करना चाहिए। मुख्य रूप से इस्लामिक देशों का फ़िलिस्तीनियों से जुड़ाव इस सारे मामले को अलग स्वरूप दे रहा है। यद्यपि अभी तक इज़राइल ने किसी दूसरे देश से सैन्य सहायता नहीं मांगी है, लेकिन निकट भविष्य में यदि अंतरराष्ट्रीय ध्रुवीकरण हुआ तो विश्व शांति पर आंच आने की सम्भावना एकदम निर्मूल भी नहीं।

यदि किसी भी विवाद में एक पक्ष मुस्लिम और दूसरा ग़ैर मुस्लिम हो तो उस विषय में भारतीयों के कुछ बड़े तबकों की रुचि बढ़ जाती है। ऐसे मामलों को अक्सर साम्प्रदायिक चश्मे से देखा जाता है। इसीलिए भारत में जहां मुस्लिम संगठन से युद्ध के कारण इज़राइल को हीरो मानने वाला तबक़ा भी है तो बिना हमास के कुकर्मों की निंदा किए फ़िलिस्तीन का समर्थन करने वाला तबक़ा भी। शासन के दबाव में प्रशासन फ़िलिस्तीन के समर्थन में रैली आदि निकालने वालों पर एफ़आईआर जैसे मामले भी सामने आने लगे हैं। कुल मिलाकर भारत में इस विवाद को अपने पसंदीदा चश्मे से देखा जा रहा है। किसी को याद नहीं कि फ़िलिस्तीन किसी समय भारत का मित्र होता था और स्व. श्रीमती इंदिरा गांधी को यास्सेर अराफ़ात अपनी बहन मानते थे और वे अटलजी के भी बेहद क़रीब रहे। सोशल मीडिया पर भी अपनी पसंद - नापसंद के इज़हार के साथ असली -नक़ली वीडियो भी ख़ूब वायरल हो रहे हैं। जिस तरह से घटनाक्रम चल रहा है उससे यह भी स्पष्ट है कि अभी कुछ दिन और यह मुद्दा भारत में भी अपने अपने नैरेटिव के हिसाब से सोशल मीडिया पर सुर्ख़ियां बनाता रहेगा और बहसों का केंद्र रहेगा। यह समय विश्व के नेताओं के लिए परीक्षा की घड़ी है, जब वे अपने शांति प्रयासों से मानवता की रक्षा के लिए प्रयास कर सकते हैं। नफ़रत बढ़ाना और उन्मादी होकर क़त्लेआम देखना कम से कम हमारी संस्कृति नहीं। याद रखिए कि गांधीजी ने कहा था कि आंख के बदले आंख का रास्ता एक दिन पूरी दुनिया को अंधों के रहने की जगह बना देगा। तो आइये अब लौट चलें शांति और मानवाधिकारों की ओर। हिंसा हमेशा बुरी है और शांति सदैव श्रेष्ठ। आइये शांति की उम्मीद और प्रार्थना करें।

आलोक बाजपेयी

यह समय विश्व के नेताओं के लिए परीक्षा की घड़ी है, जब वे अपने शांति प्रयासों से मानवता की रक्षा के लिए प्रयास कर सकते हैं। नफ़रत बढ़ाना और उन्मादी होकर क़त्लेआम देखना कम से कम हमारी संस्कृति नहीं। याद रखिए कि गांधीजी ने कहा था कि आंख के बदले आंख का रास्ता एक दिन पूरी दुनिया को अंधों के रहने की जगह बना देगा।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं संस्कृतिकर्मी हैं।)

पावन प्रसंग

शक्ति व साधना का पर्व : नवरात्रि

वर्षभर में नवरात्रि दो बार आती है। नवरात्रि में नौ देवियों की पूजा का विशेष महत्व है। यह पर्व शक्ति साधना का पर्व कहलाता है। वैज्ञानिक दृष्टि से जिस समय नवरात्रि आती है वह काल संक्रमण काल कहलाता है। शारदीय नवरात्रि के अवसर पर जहां शीत ऋतु शुरू होती है। दोनों ही समय वातावरण में विशेष परिवर्तन होता है। जिसमें अनेक प्रकार की बीमारियां होने की संभावना रहती है। उपवास के माध्यम से शरीर के बढ़े हुए या कम हुए तापमान को नियंत्रित कर शुद्ध आचार-विचार, आहार के द्वारा नई ऊर्जा प्राप्त करते हैं। ऐसा करने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ जाती है।

वासंतिक नवरात्रि से भारतीय नवरात्रि से भारतीय नववर्ष शुरू होता हैं। विक्रमी संवत् का प्रारम्भ गुप्त वंश के महान सम्राट विक्रमादित्य के विदेशी आक्रमणकारी जो लगभग अजेय थे उन शंकों को परास्त कर विजय स्मृति के रूप में प्रारम्भ किया था। भारत में प्रचलित सभी कला गणनाओं के अनुसार सभी संवतों का प्रथम दिन भी चैत्र शुक्ल प्रथम ही हैं। नवरात्रि के तहत नौ दिन मां भगवती के नौ रूपों की पूजा अर्चना कर उपवास रखा जाता है। वर्ष में दो बार आने वाले इन नवरात्रों के तहत दुर्गा मंदिरों में विशेष उत्सव और समारोह होते ही हैं अधिकांश भारतीय परिवारों में देवी की विशेष पूजा व हवन भी किये जाते हैं। इन दिनों देवी के निमित्त व्रत रखने का विधान हैं। यदि नौ दिन के व्रत रखना संभव न हो तो पहले और अंतिम नवरात्रि का व्रत रखना चाहिए। इसका समापन कन्याओं को भोजन करवाकर उन्हें वस्त्र, पैसे आदि भेंट करने से होता है।

नवरात्रों में मंदिर जाएं या नहीं घर पर एक निश्चित स्थान पर पूजन करने का शास्त्रों में विधान है। पूजा स्थल का यदि फर्श कच्चा है तो गोबर से लीप कर और यदि फर्श पक्का है तो पानी से धोकर वहां लकड़ी का एक पटरा रखा जाता हैं और घड़े या लोटे में जल भर कर कलश की स्थापना की जाती है। सिंहवाहिनी भगवती दुर्गा का चित्र पटरे पर रखा जाता है। कलश पर नारियल को लाल कपड़े से लपेटकर रखा जाता है। इस प्रकार आठ या नौ दिन पूजा के बाद महालक्ष्मी का रामनवमी की पूजा कर कन्या का पूजन भी किया जाता है। कन्याओं को रोली का टीका लगाकर उनके हाथ में मौली बांधी जाती है। कई लोग घर में रखे गये श्री दुर्गा सप्तशती पाठ का विधान अनुसार पूजा के बाद हवन भी करते हैं। ब्रह्म पुराण के अनुसार आज इसी दिन ब्रह्मा जी की पूजा आराधना का शास्त्रीय विधान भी है।

मां भगवती के नौ रूप इस प्रकार हैं-शैल पुत्री, ब्रह्मचारिणी, चन्द्रघण्टा, कुष्मांडा, स्कन्द माता, कात्यायनी, कालरात्री, महागौरी एवं सिद्ध दात्री। वैसे तो वर्ष में चार बार नवरात्रों का आगमन होता है। लेकिन शुक्ल पक्ष एवं अश्विन पक्ष की प्रतिपदा से नवमी तक आने वाले नवरात्रों का विशेष महत्व है। नवरात्रों में भक्तगण वैष्णव तरीके से व्रत अथवा उपवास रखकर मां भगवती की विधि-विधान पूर्वक पूजा अर्चना करते हैं।

नवरात्रों मे किये गये देवी पूजन, हवन, धूप-दीप आदि से घर का वातावरण व आत्मा तक को एक अलौकिक शक्ति एवं शुद्धि की प्राप्ति होती है। हमारे धार्मिक ग्रन्थों में देवी पूजा की कई विधियां, व्रत एवं आत्म संयम का वर्णन किया गया है किन्तु आधुनिक युग के परिवेश में वेद पुराणों में लिखित पूजा का विधान से पालन कर पाना प्रत्येक मनुष्य के लिए संभव नही है। दिखावे के लिए किया गया पूजा पाठ, समय-शक्ति एवं धन का अपव्यय होता है। इसलिए समय, साधन और श्रद्धा के अनुसार नवरात्रों से सम्बन्धित जप एवं मंत्र के भावार्थ को अपने जीवन में सार्थक करने का प्रयत्न किया जाना चाहिए। आंतरिक व बाहरी स्वच्छता व शक्ति प्राप्ति का सहज मार्ग मां दुर्गा के नवरात्रों के लिए व्रत पालन का संकल्प बिना किसी दबाव दिखावे अथवा नि:स्वार्थ और श्रद्धा अनुसार किया जाना चाहिए।

चेतन आचार्य सुमन सागर

आपके पत्र

तेलंगाना में मतदाताओं को रिझाने लगाया घोषणाओं का अंबार

जनता और सरकार के बीच तादात्म्य स्थापित नहीं होने और मतदाता राजनैतिक दलों से मुंह मोड़ लेती है तब जनता को अनेक प्रकार का प्रलोभन देकर वोटबैंक खड़ी की जाती है। यह सत्तारूढ़ और विपक्षी दल इस माहौल से गुजर रहे हैं। कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश आदि उदाहरण हमारे सामने है। मतदाता पार्टी से विमुख हो जाते हैं तब मुफ्त की रेवड़ी बांटकर वोट देने का आग्रह किया जाता है। दो रुपए किलो गेंहू, पांच सौ रुपए सिलेंडर और सौ यूनिट मुफ्त बिजली का आफर देकर जनता से वोट मांगे जा रहे हैं। लेकिन मतदाता अपने स्वार्थ में उन उम्मीदवारों को वोट देकर जीत दिलाते हैं, जिनके बदौलत पांच साल तक सहन करना पड़ता है। खून के आंसू रोना पड़ता है। मतदाताओं को कम से कम इतने सस्ते में तो नहीं बिकना चाहिए। बिको तो ऐसे बिको कि दुनिया में तुम्हारी कोई कीमत नहीं लगा सके। हमने पुरानी सारी सरकारों को नजदीक से देखा है। देश में न कोई शांति थी और न ही कौमी एकता के दर्शन होते थे। सरहदें जल रही थी। आतंकवाद चरम पर था। देश में अराजकता का माहौल था। कश्मीर जल रहा था। सेना सरकार के इशारों पर काम करती थी। हर दूसरे दिन कर्फ्यू लगाया जाता था। देश में आए दिन हिन्दू-मुसलमान होता था। देश में हर रोज कहीं न कहीं बम ब्लास्ट होते थे। आर्थिक विषमताओं से जनता परेशान थी। देश में अराजकता व्याप्त थी। कश्मीर की समस्या के हल के लिए सयुंक्त राष्ट्र हमेशा भारत पर दबाव बनाते थे। पाकिस्तान भारत पर हावी था। अब भारत की चमक दुनिया में पसर गई है। आज भारत के एक इशारे पर दुनिया हरकत में आ जाती है। इन सभी सुधारवादी अभिगम के बाद देश में मजबूत सरकार की जरूरत है। ईमानदार और नैतिक जिम्मेदारी व्यक्तित्व की आवश्यकता है। मुफ्त की रेवड़ी के लालच में कमजोर सरकार और कमजोर प्रत्याशियों को अपना कीमती मत नहीं देना है। अभी चुनाव की रणभेरी बजी है। कुछ ही समय में लालच और मुफ्त रेवड़ी की भरमार होगी। लेकिन देशहित में काम करने वाले उम्मीदवारों को वोट देकर आगे लाना है। देश बचेगा तो हम सब की सलामती है। हम दुनिया के उपद्रवियों को देख ही रहे हैं। पार्टी राजनीति से ऊपर उठकर महत्वपूर्ण व्यक्ति को आगे लाना है। पांच विधानसभा चुनाव और 2024 के लोकसभा चुनाव में सोच समझ कर मतदान करना है। रेवड़ियों के सहारे कीमती मत बर्बाद नहीं करना है जो आपको एक रुपए की सहूलियत देंगे,वे दूसरे हाथ से हजारों रुपए आपके और हमारे जेब से निकाल देंगे। ईमानदार और मजबूत सरकार को वोट देकर सता के गलियारों तक पहुंचाना है जिससे हमारे और हमारे बच्चों के भविष्य को संवारा जा सके।

कांतिलाल मांडोत, सूरत

सेना को ताकतवर बनाने में ईएमई का अहम योगदान

आर्मी- 506 आर्मी बेस वर्कशॉप में ईएमई का मनाया गया कोर दिवस

जबलपुर, देशबन्धु। 506 आर्मी बेस वर्कशॉप का 80वां ईएमई कोर दिवस मनाया गया। मई 1943 में स्थापना के बाद से ईएमई कोर ने तकनीकी उत्कृष्टता के माध्यम से भारतीय सेना और राष्ट्र को उत्कृष्ट सेवा प्रदान की है। अपने आदर्श वाक्य, कर्म ही धर्म के अनुरुप कोर द्वारा भारतीय सेना में मौजूद सभी प्रकार के हथियारों और उपकरणों को गुणवत्तापूर्ण इंजीनियरिंग सहायता प्रदान करने में सबसे आगे बनी हुई है।

कोर दिवस समारोह के अंतर्गत सप्ताह भर आयोजन हुए। ब्रिगेडियर आलोक सिंह, कमांडेंट और प्रबंध निदेशक ने बेस वर्कशॉप के कर्मचारियों को बेहतर कार्य के लिए सम्मानित किया। सम्मेलन के दौरान, थल सेनाध्यक्ष, सेना कमांडर (मध्य कमान), मास्टर जनरल सस्टेनेंस, ईएमई के महानिदेशक, मध्य भारत एरिया के जनरल ऑफिसर कमांडिंग और कमांडर बेस वर्कशॉप ग्रुप के संदेशों का वाचन किया गया।

मुख्य अतिथि एमबी एरिया के जनरल ऑफिसर कमांडिंग लेफ्टिनेंट जनरल एमके दास थे।

सी-विजिल एप पर कोई भी नागरिक कर सकेगा

जबलपुर, देशबन्धु। चुनावी प्रक्रिया के दौरान आदर्श आचरण संहिता के उल्लंघन के मामलों की ऑनलाइन शिकायत के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा खास तौर पर तैयार किए गए सी-विजिल सिटीजन एप पर कोई भी व्यक्ति यदि उसे कहीं आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन का मामला नजर आता है तो अपने मोबाइल से फोटो या वीडियो केप्चर कर इसकी शिकायत कर सकता है। सी-विजिल एप को गूगल प्ले स्टोर से मोबाइल पर डाउनलोड किया जा सकेगा। इस एप का इस्तेमाल करने के लिए शिकायतकर्ता के मोबाइल पर जीपीएस और इंटरनेट चालू होना आवश्यक है। आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के मामलों की ऑनलाइन शिकायतें इस एप के माध्यम से ही फोटो या वीडियो केप्चर कर की जा सकती है। वीडियो दो मिनट से अधिक का नहीं होना चाहिए। इससे अधिक अवधि का वीडियो एप पर अपलोड नहीं किया जा सकेगा। इसके साथ ही जिस मोबाइल से फोटो या वीडियो केप्चर किये गये हैं शिकायत केवल उसी से की जा सकेगी। किसी दूसरे मोबाइल या कैमरे की फोटो या वीडियो अथवा पहले से स्टोर फोटो या वीडियो इस एप पर अपलोड नहीं होगी। फोटो या वीडियो के साथ शिकायतकर्त्ता संक्षिप्त में प्रकरण के बारे में जानकारी भी दे सकता है। सी-विजिल एप पर शिकायत भेजते ही शिकायतकर्ता को यूनिक आईडी प्राप्त होगी जिसके माध्यम से वह अपने मोबाइल पर शिकायत को ट्रेक कर सकेगा और उसकी अद्यतन स्थिति जान सकेगा।

मुक्तिबोध स्मृति कार्यक्रम का आयोजन 28 अक्टूबर को

जबलपुर, देशबन्धु। पहल व अन्विति के संयुक्त तत्वावधान में 28 अक्टूबर को सायं 6 बजे रानी दुर्गावती संग्रहालय की कलावीथिका में मुक्तिबोध की स्मृति में व्याख्यान और कविता केन्द्रित कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। अन्विति के संपादक व कथाकार राजेन्द्र दानी ने जानकारी दी कि दूरदर्शन व आकाशवाणी नई दिल्ली के पूर्व महानिदेशक व प्रख्यात कवि लीलाधर मंडलोई मुक्तिबोध की गद्य रचनाओं पर व्याख्यान देंगे। दूसरे चरण के कार्यक्रम में मुक्तिबोध की कविता शीर्षक के अंतर्गत मुक्तिबोध की किसी एक कविता पर कवि की टिप्पणी और कविता पाठ में जबलपुर के राजीव कुमार शुक्ल, भारती वत्स, विवेक चतुर्वेदी व भोपाल की श्रद्धा श्रीवास्तव की सहभागिता रहेगी।

दुर्गा उत्सव में वैध कनेक्शन से ही बिजली उपयोग में लाई जाएं

जबलपुर, देशबन्धु। प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने दुर्गा उत्सव के आयोजकों से उत्सव में वैध कनेक्शन के माध्यम से ही बिजली उपयोग की अपील की है। बिजली कंपनी ने कहा कि कनेक्शन वैध लिया जाए। तार पर हुकिंग कर सीधे बिजली उपयोग में न ले, यह बहुत ही खतरनाक होता है। साथ ही उत्सव, के दौरान अतिरिक्त सतर्कता भी बरती जाएं। जमीन पर कोई तार न ऱखा जाए। उत्सव आयोजक कटे, टूटे तारों के पांडाल व कार्यक्रम स्थल पर उपयोग से बचे। सुरक्षा और सावधानियों पर विशेष ध्यान दिया जाए, ताकि अप्रिय स्थिति निर्मित न हो। मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री अनय द्विवेदी ने कहा कि उत्सव खुशी, उमंग के निमित्त होते है, उत्सवों पर आयोजक बिजली के वैध कनेक्शन लेकर कार्य करे एवं सावधानियों, सुरक्षा मापदंडों का पालन करे, ताकि उत्सव में विपरीत स्थिति निर्मित नहीं हो। बिजली संबंधी किसी भी मदद या कोई सूचना के लिए 1912 या जोन, वितरण केंद्र प्रभारी से संपर्क किया जा सकता हैं।

ईव्हीएम और व्हीव्हीपेट मशीनों के प्रथम चरण का रेंडमाइजेशन संपन्न

जबलपुर, देशबन्धु। विधानसभा चुनाव के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जिले को उपलब्ध कराई गई इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीनों और व्हीव्हीपेट मशीनों का प्रथम चरण का रेण्डमाइजेशन आज कलेक्ट्रेट स्थित जिला सूचना केन्द्र के व्हीसी कक्ष में संपन्न हुआ। मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में संपन्न हुये प्रथम चरण के रेण्डमाइजेशन में ईव्हीएम और व्हीव्ही पेट मशीनों को विधानसभावार आवंटित किया गया। ईव्हीएम और व्हीव्हीपेट मशीनों का रेण्डमाइजेशन निर्वाचन आयोग द्वारा तैयार किये गये साफ्टवेयर ईएमएस 2.0 के माध्यम से किया गया। रेण्डमाइजेशन की प्रक्रिया के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर सौरभ कुमार सुमन, उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं अपर कलेक्टर श्रीमती मिशा सिंह तथा जिले की आठों विधानसभा क्षेत्र के रिटर्निंग अधिकारी भी मौजूद थे। ईव्हीएम और व्हीव्हीपेट मशीनों के प्रथम चरण की प्रक्रिया जिला सूचना विज्ञान अधिकारी अशीष शुक्ला ने संपन्न कराई।

पमरे में रेलवे अधिकारियों की बल्ले बल्ले

अधिकारी वाहन भत्ता लेकर शासकीय वाहन का कर रहे दुरुपयोग

जबलपुर,देशबन्धु। पश्चिम मध्य रेलवे के उच्च अधिकारियों की लापरवाही और उदासीनता के कारण रेलवे अधिकारी तो मालामाल हो रहे हैं। वहीं विभाग को लाखों रूपयों का चूना लगाया जा रहा है। अधिकारी प्रतिमाह 7500 रुपये प्रतिमाह वाहन भत्ता भी ले रहे हैं और शासकीय वाहन का भी धड़ल्ले से उपयोग करने में अव्वल हैं। यह किस्सा चरितार्थ हो रही है कि हर्रा लगे न फिटकरी रंग चोखा

पमरे के जबलपुर जोन में यह चर्चा जोरों से है कि संरक्षा विभाग में पदस्थ कुछ अधिकारी रेलवे से प्रतिमाह 7500 रूपये वाहन भत्ता ले रहे हैं यह भत्ता प्रति माह विभाग इसलिए भुगतान करता है कि अधिकारी विभागीय वाहन का उपयोग घर से कार्यालय में आने जाने के लिए नहीं करेगा परंतु यह तो बात नियम की है, इन नियमों का पालन जोन कार्यालय के सरंक्षा विभाग में नहीं हो रहा है। कई अधिकारी वाहन भत्ता भी ले रहे हैं और शासकीय वाहन का दुरुपयोग धड़ल्ले से कर रहे हैं।

जानकारी के अनुसार रेलवे में निजी संचालकों के चार पहिया वाहन किराये पर लिये गए हैं। इन वाहनों का जो भी अधिकारी उपयोग करता है नियमानुसार उसे ही लॉग बुक में विवरण लिखकर अपने हस्ताक्षर करना चाहिये वाहन स्वयं के उपयोग के लिए शासकीय कार्य संपादित करने के लिए किया है या व्यक्तिगत काम के लिए वाहन का उपयोग किया गया है, ऐसा बताया जा रहा है कि लॉग बुक वाहन चालक द्वारा भरी जाती है। जबकि उपयोगकर्ता के द्वारा ही लॉगबुक में एंट्री की जानी चाहिये निजी फायदे के चलते ही नियमों की अनदेखी की जा रही है। यह सिलसिला बीते कई माह से बेधड़क चल रहा है।

उल्लेखनीय है कि पमरे के मुख्य सतर्कता अधिकारी के पास ही संरक्षा कार्यालय है परंतु इन अधिकारियों को सतर्कता विभाग का भी बिलकुल भी डर नहीं लगता है।

पश्चिम मध्य रेलवे के शीर्ष अधिकारी इस संबंध में प्रभावी कार्रवाई करके इस प्रकार की चल रही भर्राशाही पर रोक लगाएंगे इसकी सभी को उम्मीद है।

उल्लेखनीय है कि इस तरह की शिकायतें लंबे समय से आ रही हैं। लेकिन इसमें प्रभावी रूप से रोक नहीं लग पा रही है। इसके कारण इस तरह का कारनामा करने वालों के हौसला बढ़ रहे हैं। इस तरह की लापरवाही विभाग को भी महंगी पड़ रही है। आला अधिकारियों को इस संबंध में उचित पहल करनी चाहिये।

पार्टी कार्यकर्ता के बदौलत देश और राज्य की अगुवाई कर रही हैं भाजपा सरकार: राकेश सिंह

जबलपुर, देशबन्धु। कार्यकर्ताओं की ताकत और क्षेत्र विकास के मुद्दे ही चुनाव जीतने का मुख्य आधार होता है सिर्फ पैसों की ताकत से चुनाव नही जीता जाता और हमे गर्व है कि हमारी केंद्र और प्रदेश की सरकार जनकल्याण के साथ ही विकास को लेकर आगे बढ़ी है और पार्टी प्रत्याशी एवं चार बार के सांसद राकेश सिंह ने भी जबलपुर के पिछड़ेपन को दूर करते हुए विकास के रास्ते पर आगे लाकर खड़ा किया है यह बात भाजपा नगर अध्यक्ष प्रभात साहू ने भाजपा पश्चिम विधानसभा के चुनाव कार्यालय के उद्घाटन अवसर पर नागपाल गार्डन मदनमहल में कही।

पश्चिम प्रत्याश श्री सिंह ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा आज हम पश्चिम विधानसभा के चुनाव कार्यालय के शुभारंभ अवसर पर एकत्र हुए है और मुझे कहते हुए प्रसन्नता है कि इस अवसर पर बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित है और इन्ही भाजपा के कार्यकर्ताओं की मेहनत और दम पर हमने लगातार चुनाव जीते है और कोई चाहे भी तो भी भाजपा के कार्यकर्ताओं की कीमत नही लगा सकता जैसे कोहिनूर अनमोल होता है वैसे ही भाजपा का कार्यकर्ता भी अनमोल होता है और इन्ही देवतुल्य कार्यकर्ताओं के कारण ही पार्टी आज देश और प्रदेश में नेतृत्व कर रही है।

इस अवसर पर नगर अध्यक्ष प्रभात साहू, प्रदेश मंत्री आशीष दुबे, पर्यटन विकास निगम अध्यक्ष विनोद गोंटिया, विधायक अशोक रोहाणी, विधायक सुशील तिवारी इंदु, नंदनी मरावी, डॉ जितेंद्र जामदार, हरेंद्र जीत सिंह बब्बू, पूर्व विधायक शरद जैन, ग्रामीण जिलाध्यक्ष सुभाष तिवारी इंदु, वरिष्ठ नेता आंनद बर्नाड, अभिलाष पांडे, संजय बरांडे, पूर्व महापौर सदानंद गोडबोले, स्वाति गोडबोले, राजकुमार मेहता, शशिकान्त शुक्ला, रिंकू बिज, आलोक तिवारी, राममूर्ति मिश्रा, अरविंद पाठक, वेदप्रकाश शर्मा, रजनीश यादव, अभय सिंह ठाकुर, अंजू भार्गव, राजीव बेंटिया, शरद ताम्रकार, कौशल सूरी, राहुल खत्री, अतुल चौरसिया, शैलेन्द्र विश्वकर्मा, शिवा चौधरी, रूपा राव, संजय नाहटकर, राहुल साहू, जीतू कटारे, सुनील पूरी गोस्वामी, मालती ठाकुर, शारदा कुशवाहा, लक्ष्मी जय चक्रवर्ती, प्रिया संजय तिवारी, पूजा श्रीराम पटेल, निशा संजय राठौर, आदि बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

अमृततुल्य पौष्टिक भोजन को अंतिम व्यक्ति एवं जीव तक पहुंचाना हमारी पहली प्राथमिकता

जबलपुर, देशबन्धु। एसोसिएशन ऑफ फूड साइंटिस्ट एंड टेक्नॉलॉजी जबलपुर चेप्टर एवं खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के संयुक्त तत्वाधान में, जल ही जीवन है, जल ही भोजन है, किसी को पीछे न छोड़ें थीम पर विश्व खाद्य दिवस 2023 का आयोजन जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा के मुख्यआतिथ्य में स्वामी विवेकानंद सभागार, कृषि महाविद्यालय जबलपुर में आयोजित किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ प्रमोद कुमार मिश्रा ने मुख्यअतिथि की आसदी से कहा कि जल ही जीवन है, जल ही भोजन है, किसी को पीछे न छोड़ें पर केन्द्रित इस थीम का उद्येश्य पृथ्वी पर जीवन के लिये पानी की महत्वपूर्ण भूमिका और हमारे भोजन की नींव के रूप में पानी को उजागर करना शामिल है।

प्रयागराज जंक्शन पर कार्य के चलते कई ट्रेनें प्रभावित

जबलपुर, देशबन्धु। उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज मंडल के प्रयागराज जंक्शन स्टेशन पर प्रमुख उन्नयन कार्य किये जाने है। इस कार्य के दौरान प्लेटफॉर्म क्रमांक 9 व 10 को बंद रहेगा। जिसके कारण कुछ रेलगाड़ियां निर्धारित तिथियों में प्रारंभिक स्टेशन से निरस्त/ मार्ग परिवर्तित एवं कुछ आंशिक निरस्त रहेंगी।

निरस्त की जाने वाली गाड़ियां-

गाड़ी संख्या 01025 दादर-बलिया एक्सप्रेस स्पेशल 16 अक्टूबर से 29 दिसंबर तक तथा गाड़ी संख्या 01026 बलिया-दादर एक्सप्रेस स्पेशल 18 अक्टूबर से 31 दिसंबर तक निरस्त रहेगी।

गाड़ी संख्या 01027 दादर-गोरखपुर एक्सप्रेस स्पेशल 17 अक्टूबर से 30 दिसंबर तक तथा गाड़ी संख्या 01028 गोरखपुर-दादर एक्सप्रेस स्पेशल 19 अक्टूबर से 1 जनवरी तक निरस्त रहेगी।

गाड़ी संख्या 07651 जालना-छपरा एक्सप्रेस स्पेशल 18 अक्टूबर से 27 दिसंबर तक तथा गाड़ी संख्या 07652 छपरा-जालना एक्सप्रेस स्पेशल 20 अक्टूबर से 29 दिसंबर तक निरस्त रहेगी।

गाड़ी संख्या 09525 ओखा-नाहरलगुन एक्सप्रेस स्पेशल 17 अक्टूबर से 26 दिसंबर तक तथा गाड़ी संख्या 09526 नाहरलगुन-ओखा एक्सप्रेस स्पेशल 21 अक्टूबर से 30 दिसंबर तक निरस्त रहेगी।

मार्ग परिवर्तित गाड़ियां-

गाड़ी संख्या 15559 दरभंगा-अहमदाबाद एक्सप्रेस 18 अक्टूबर से 27 दिसंबर तक अपने निर्धारित मार्ग के बजाय परिवर्तित मार्ग वाया वाराणसी-जिवनाथपुर-प्रयागराज छिवकी-मानिकपुर होकर गंतव्य को जाएगी।

गाड़ी संख्या 15560 अहमदाबाद-दरभंगा एक्सप्रेस 20 अक्टूबर से 29 दिसंबर तक अपने निर्धारित मार्ग के बजाय परिवर्तित मार्ग वाया मानिकपुर-प्रयागराज छिवकी-जिवनाथपुर-वाराणसी होकर गंतव्य को जाएगी।

गाड़ी संख्या 15018 गोरखपुर-लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस 16 अक्टूबर से 31 दिसंबर तक अपने निर्धारित मार्ग के बजाय परिवर्तित मार्ग वाया वाराणसी-जिवनाथपुर-प्रयागराज छिवकी-मानिकपुर होकर गंतव्य को जाएगी।

गाड़ी संख्या 15017 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-गोरखपुर एक्सप्रेस 15 अक्टूबर से 30 दिसंबर तक अपने निर्धारित मार्ग के बजाय परिवर्तित मार्ग वाया मानिकपुर-प्रयागराज छिवकी-जिवनाथपुर-वाराणसी होकर गंतव्य को जाएगी।

गाड़ी संख्या 11037 पुणे-गोरखपुर एक्सप्रेस 19 अक्टूबर से 28 दिसंबर तक अपने निर्धारित मार्ग के बजाय परिवर्तित मार्ग वाया मानिकपुर-प्रयागराज छिवकी-जिवनाथपुर-वाराणसी होकर गंतव्य को जाएगी।

गाड़ी संख्या 11038 गोरखपुर-पुणे एक्सप्रेस 21 अक्टूबर से 30 दिसंबर तक अपने निर्धारित मार्ग के बजाय परिवर्तित मार्ग वाया वाराणसी-जिवनाथपुर-प्रयागराज छिवकी-मानिकपुर होकर गंतव्य को जाएगी।

गाड़ी संख्या 11033 पुणे-दरभंगा एक्सप्रेस 18 अक्टूबर से 27 दिसंबर तक अपने निर्धारित मार्ग के बजाय परिवर्तित मार्ग वाया मानिकपुर-प्रयागराज छिवकी-जिवनाथपुर-वाराणसी होकर गंतव्य को जाएगी।

गाड़ी संख्या 11034 दरभंगा-पुणे एक्सप्रेस 20 अक्टूबर से 29 दिसंबर तक अपने निर्धारित मार्ग के बजाय परिवर्तित मार्ग वाया वाराणसी-जिवनाथपुर-प्रयागराज छिवकी-मानिकपुर होकर गंतव्य को जाएगी।

गाड़ी संख्या 18609 रांची- लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस 18 अक्टूबर से 27 दिसंबर तक अपने निर्धारित मार्ग के बजाय परिवर्तित मार्ग वाया पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन-मिर्जापुर-प्रयागराज छिवकी-मानिकपुर होकर गंतव्य को जाएगी।

गाड़ी संख्या 18610 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-रांची एक्सप्रेस 20 अक्टूबर से 29 दिसंबर तक अपने निर्धारित मार्ग के बजाय परिवर्तित मार्ग वाया मानिकपुर-प्रयागराज छिवकी-मिर्जापुर-पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन होकर गंतव्य को जाएगी।

गाड़ी संख्या 22131 पुणे-बनारस एक्सप्रेस 16 अक्टूबर से 25 दिसंबर तक अपने निर्धारित मार्ग के बजाय परिवर्तित मार्ग वाया मानिकपुर-प्रयागराज छिवकी-जिवनाथपुर-बनारस होकर गंतव्य को जाएगी।

गाड़ी संख्या 22132 बनारस-पुणे एक्सप्रेस 18 अक्टूबर से 27 दिसंबर तक अपने निर्धारित मार्ग के बजाय परिवर्तित मार्ग वाया बनारस-जिवनाथपुर-प्रयागराज छिवकी-मानिकपुर होकर गंतव्य को जाएगी।

आंशिक निरस्त होने वाली गाड़ियां-

गाड़ी संख्या 22129 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-अयोध्या कैंट एक्सप्रेस 17 अक्टूबर से 26 दिसंबर तक एवं गाड़ी संख्या 22130 अयोध्या कैंट-लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस 18 अक्टूबर से 27 दिसंबर तक लोकमान्य तिलक टर्मिनस-प्रयागराज जंक्शन-लोकमान्य तिलक टर्मिनस के मध्य चलेगी तथा प्रयागराज जंक्शन-अयोध्या केंट जंक्शन-प्रयागराज जंक्शन के मध्य आंशिक निरस्त रहेगी।

विधानसभा चुनाव

मतदाताओं को नुक्कड़ नाटक के माध्यम से किया जागरूक

जबलपुर, देशबन्धु। मतदाता जागरूकता अभियान के तहत आयोजित किये जा रहे नुक्कड़ नाटकों की श्रृंखला में सोमवार को जिला निर्वाचन कार्यालय के स्वीप सेल के तत्वाधान में प्रियदर्शनी अंजुमन इस्लामिया महाविद्यालय की छात्राओं ने गोहलपुर चौराहे पर युवा शक्ति दिखाएंगे, निभाएंगे अपना कर्त्तव्य की थीम पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया । महिलाओं का मतदान प्रतिशत बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित इस नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति के दौरान बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक मौजूद थे । इस दौरान महाविद्यालय की छात्राओं सहित जिला स्वीप समन्वयक प्रमोद श्रीवास्तव डॉ अजय गुप्ता , श्रीमती भारती सोनी एवं डॉ. शुभम जैन भी उपस्थित रहे।

चुनाव के दौरान बड़ी मात्रा में नकदी, बहुमूल्य धातुओं एवं निषिद्ध वस्तुओं के परिवहन पर सख्ती से रोक लगायें : कलेक्टर

जबलपुर, देशबन्धु। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर सौरभ कुमार सुमन ने विधानसभा चुनाव के दौरान निषिद्ध वस्तुनओं, बड़ी मात्रा में नकदी एवं बहुमूल्य् धातुओं के परिवहन पर सख्तौ से रोक लगाने सभी एनफोर्समेंट ऐजेंसियों के अधिकारियों को आपस में बेहतर समन्ववय स्थापित करने के निर्देश दिये है। श्री सुमन सोमवार को कलेक्टकर कार्यालय में संपन्ना हुई। इनकम टेक्सक, सेण्ट्रमल जीएसटी, स्टेकट जीएसटी, एक्साइज, एयरपोर्ट अथारिटी, पुलिस एवं वन विभाग के अधिकारियों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। कलेक्टरर कार्यालय के सभाकक्ष में संपन्नम हुई इस बैठक में पुलिस अधीक्षक आदित्यि प्रताप सिंह तथा संयुक्ती संचालक कोष एवं लेखा रोहित कौशल भी मौजूद थे।

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टरर सौरभ कुमार सुमन ने बैठक में कहा कि विधानसभा चुनाव की प्रक्रिया को शुद्धता बनाये रखने जिले में निषिद्ध वस्तुओं, अस्त्रशस्त्र, नगदी एवं बहुमूल्यच धातुओं के अनाधिकृत रूप से लाये जाने वालों पर सख्ती से कार्यवाही की जायेगी। उन्होंनें इसके लिये सभी कि एनफोर्समेंट ऐजेन्सियों को एक दूसरे के संपर्क में रहने तथा आवश्यकता पड़ने पर संयुक्त कार्यवाही करने के निर्देश दिये।

श्री सुमन ने बैठक में कहा कि एनफोर्समेंट ऐजेन्सियों को पुलिस अथवा निर्वाचन तंत्र द्वारा नियुक्तम उड़न दस्तो दलों की सूचना पर तुरंत हरकत में आना होगा तथा सीजर की कार्यवाही पर नियमानुसार एक्शऐन लेना होगा। उन्होंकने सभी कि एनफोर्समेंट ऐजेन्सियों को अपने कंट्रोलरूम स्था पित करने तथा इसकी सूचना आपस में साझा करने के निर्देश भी दिये, ताकि कार्यवाही में किसी तरह का विलम्बथ न हो। कलेक्टर ने एनफोर्समेंट ऐजेन्सियों को विभागीय स्तकर पर उड़न दस्ताा गठन करने की हिदायत भी दी।

विधानसभा चुनाव : सहायक व्यय प्रेक्षकों एवं निगरानी दलों का प्रशिक्षण सम्पन्न

जबलपुर, देशबन्धु। विधानसभा निर्वाचन के तहत जिला निर्वाचन कार्यालय के एक्सपेंडिचर मॉनिटरिंग सेल द्वारा सोमवार को मानस भवन में सहायक व्यय प्रेक्षकों, लीड बैंक मैनेजर एवं उड़नदस्ता दल, स्थैतिक निगरानी दल, वीडियो निगरानी दल, वीडियो अवलोकन दलों के सदस्यों का प्रशिक्षण सम्पन्न हुआ। प्रशिक्षण में जिला सूचना विज्ञान अधिकारी आशीष शुक्ला ने सी विजिल एप एवं इएसएमस ऐप के प्रयोग के संबंध में जानकारी दी। मास्टर ट्रेनर राजीव नामदेव ने दलों को कार्य निष्पादन हेतु सैद्धांतिक एवं व्यवहारिक पहलुओं की जानकारी दी। प्रशिक्षण में बताया गया कि जिले की प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में उड़न दस्ता दल, स्थैतिक निगरानी दल एवं अन्य दल चौबीस घण्टे क्रियाशील रहेंगे तथा निर्वाचन के संबंध में व्ययों का आकलन एवं आदर्श आचरण संहिता के उल्लंघन की शिकायत के निराकरण का कार्य संपादित करेंगे। फ्लाईंग स्क्वाड एवं वीडियो सर्विलांस दलों के ऐसे सदस्य जो फील्ड पर मौजूद थे, उन्होंने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से यह प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण में संयुक्त संचालक कोषा एवं लेखा रोहित सिंह कौशल एवं संभागीय पेंशन अधिकारी अजय सामदेकर भी मौजूद थे।

देश-प्रदेश

उवाच

नोटबंदी से देश को काफी नुकसान हुआ

नई दिल्ली। राहुल गांधी ने कहा कि जीएसटी छोटे और मध्यम व्यवसायों को खत्म करने के लिए बनाया गया है, यह भारत के किसानों को कमजोर करने के लिए बनाया गया है। आप सभी जानते हैं कि नोटबंदी का क्या हुआ। यह हमारे प्रधानमंत्री का ऐसा आइडिया था जिससे देश को काफी नुकसान हुआ। इससे देश की अर्थव्यवस्था आज तक ठीक नहीं हुई है। राहुल ने आगे कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था को विकसित करने के लिए प्रधानमंत्री की रणनीति को समझना चाहते हैं, तो इसे एक शब्द 'अडानी' में संक्षेपित किया जा सकता है। सब कुछ एक व्यवसायी की मदद के लिए बनाया गया है।

सार-समाचार

झूठे मामलों में फंसाने की कोशिश कर रही केंद्र सरकार: केजरीवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उन्हें झूठे मामलों में फंसाने की कोशिश कर रहे हैं। श्री केजरीवाल ने सोमवार को एक्स कर कहा, यह 2015 की घटना है। मोदी सरकार 2015 से मुझे झूठे केसों में फँसाने की कोशिश कर रही है। लोगों पर तरह तरह के दबाव बना कर उन्हें मेरे खिलाफ बयान देने के लिए कहा जाता है। कई लोगों को तो यातनाएं भी दी गईं। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के लिए काम करने के बजाय 24 घंटे अपने विरोधियों को झूठे मामलों में फंसाने के षड्यंत्र रचते रहते हैं।

उत्तराखंड में महसूस किए गए भूकंप के झटके

नैनीताल, एजेंसी। उत्तराखंड के सीमांत पिथौरागढ़ जिले में सोमवार को भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप से किसी नुकसान की सूचना नहीं है। रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 4 मापी गई है। भूकंप का केन्द्र नेपाल रहा। इसकी गहराई जमीन की सतह से पांच किमी नीचे रही है। इसलिए किसी जानमाल की आशंका नहीं है। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी भूपेश महर ने बताया कि जिले में अभी तक किसी नुकसान की सूचना नहीं मिली है। गौरतलब है कि पिछले कुछ समय से नेपाल से सटे भूभाग में लगातार भूकंप के झटके महसूस किए जा रहे हैं। अभी तक इनका केन्द्र नेपाल ही रहा है।

ईडी के सामने पेश हुए अभिषेक के पीए

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल के तृणमूल कांग्रेस (तृंका) के महासचिव व सांसद अभिषेक बनर्जी के निजी सहायक सुमित रॉय सोमवार को शिक्षक भर्ती में कथित अनियमितताओं के संबंध में प्रवर्तन निदेशालय के जांच अधिकारियों के सामने पेश हुए। रॉय समन के लिए सुबह करीब 11 बजे साल्ट लेक स्थित केंद्र सरकार कार्यालय परिसर में पहुंचे। कलकत्ता उच्च न्यायालय के निर्देश के बाद, ईडी मनी ट्रेल्स की जांच कर रही है। कथित शिक्षक भर्ती घोटाला जिसमें कई शीर्ष राजनेता जांच के दायरे में हैं और तत्कालीन वाणिज्य मंत्री पार्थ चटर्जी, पूर्व शिक्षा मंत्री सहित कई अन्य लोग एक साल से अधिक समय से जेल में हैं।

कांग्रेस नेता डॉ. शर्मा कार्यकर्ताओं सहित भाजपा में शामिल

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान एवं पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा के समक्ष सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर रायसेन जिले के बेगमगंज के कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष, कद्दावर किसान नेता एवं वरिष्ठ समाजसेवी डॉ. रवि शर्मा ने भारतीय जनता पार्टी की रीति-नीति से प्रभावित होकर पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर रायसेन जिले के एक हजार से अधिक कांग्रेस कार्यकर्ताओं को मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान एवं प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने पार्टी का अंगवस्त्र पहनाकर पार्टी में स्वागत किया। इस अवसर पर प्रदेश शासन के पूर्व मंत्री व विधायक रामपाल सिंह एवं रायसेन जिला अध्यक्ष राकेश शर्मा उपस्थित थे।

जयसिंह नगर की सभा में बोले शिवराज

हर परिवार में रोजगार उपलब्ध कराना हमारा लक्ष्य

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि हर परिवार में रोजगार उपलब्ध कराना हमारा लक्ष्य है। हमारी कोशिश होगी कि प्रत्येक परिवार में एक व्यक्ति रोजगार दिया जाए, ताकि परिवार मजबूत रहे। उन्होंने कहा कि यह भाजपा की सरकार है, हमें आपकी जिंदगी बदलनी है और आपकी जिंदगी बदल गई तो मेरा मुख्यमंत्री बनना सार्थक हो जाएगा। श्री चौहान ने आज जयसिंह नगर में पार्टी प्रत्याशी मनीषा सिंह के समर्थन में आयोजित सभा को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी सरकार ने अनेको जनकल्याण के कार्य किए हैं, मध्यप्रदेश के और बेहतर विकास के लिए प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी को विजयी बनाना है और मध्यप्रदेश को देश के सबसे विकसित राज्यों में लाना है।

श्री चौहान ने कहा कि कांग्रेसी आजकल बड़े ही परेशान है, कांग्रेसी कहते हैं कि, हम चुपचाप लाड़ली बहनों के खाते में पैसा डाल देंगे। चुनाव आयोग से शिकायत की जा रही है। हम पैसा डाल रहे हैं इसमें कांग्रेस को क्या दिक्कत है। कांग्रेस ने तो कभी पैसे नहीं डाले। बहनों की जिंदगी बदलने के लिए लाड़ली लक्ष्मी योजना बनाई है। पहले 1 हजार और अब 1 हजार से बढ़ाकर 1250 कर दिए हैं और 1250 रूपए से बढ़ाकर धीरे-धीरे 3000 रूपए तक इस राशि को पहुंचाया जाएगा। तब जाकर बहनों की जिंदगी से दुख और तकलीफ दूर होगी।

कमलनाथ ने योजनाएं बंद कर बहनों का हक मारा

श्री चौहान ने कहा कि, कमलनाथ ने 15 महीने की सरकार में बहनों के हक पर डाका डाला है। बैगा, भारिया और सहरिया बहनों के खाते में 1000 रूपए की राशि डाली जाती थी लेकिन बीच में कमलनाथ आ गए और उन्होंने पैसा डालना ही बंद कर दिया। उन्होंने कहा भाजपा सरकार ने बहनों के लिए संबल योजना बनाई कांग्रेस ने उसे भी बंद कर दिया था। अगर कांग्रेस की सरकार आई तो वह लाड़ली बहना योजना भी बंद कर देंगे।

डेढ़ महीने में शुरू हो गई रेल, शहडोल में जल्द बनेगा एयरपोर्ट

श्री चौहान कहा कि, महज़ डेढ़ महीने में शहडोल से नागपुर के लिए ट्रेन शुरू कर दी गई थी और अब यहां हवाई अड्डा भी जल्द ही बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि, शहडोल में हवाई अड्डा बनने से निवेश बढ़ेगा और निवेश बढ़ने के साथ ही रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। वहीं तीर्थ यात्रियों को अब रेल यात्रा के अलावा हवाई जहाज से भी यात्रा कराई जाएगी।

कांग्रेस प्रत्याशियों की सूची को लेकर भाजपा की टिप्पणियों पर बोले कमलनाथ

भाजपा अपनी चिंता करे

भोपाल, देशबन्धु। पूर्व मुख्यमंत्री एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने कांग्रेस प्रत्याशियों की पहली सूची को लेकर भाजपा नेताओं द्वारा की गई टिप्पणियों पर कहा है कि भाजपा अपनी चिंता करे, हमारी चिंता छोड़ दे। प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनने जा रही है। उन्होंने आज यहां मीडिया से चर्चा करते हुए कांग्रेस प्रत्याशियों की सूची को लोकतांत्रिक बताया और कहा कि कांग्रेस की सूची भाजपा से इस मायने में अलग है कि हमने अंतिम पायदान तक के कार्यकर्ताओं की सलाह के बाद उन्हें सम्मान देते हुए प्रत्याशियों का चयन किया। इसकी दिशा लोकतंत्र की मूल भावना के अनुरूप नीचे से ऊपर की और है। जबकि भाजपा की सूची ऊपर से थोपी गई है।

यह एकाधिकार और अहंकार से चुनाव से लड़ने का आदेश है और भाजपा के नेताओं और कार्यकर्ताओं का अपमान भी है। इसलिए भाजपा की सूची अलोकतांत्रिक है। उल्लेखनीय है कि भाजपा नेताओं ने कांग्रेस प्रत्याशियों की सूची पर सवाल उठाते हुए इसे परिवारवाद और गुटबाजी से प्रेरित बताया था।

बुधनी में मुकाबला कलाकारों के बीच

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के गृह क्षेत्र बुधनी में कांग्रेस की ओर से टीवी कलाकार विक्रम मस्ताल को चुनावी मैदान में उतारने पर कमलनाथ ने कहा कि बुधनी में कलाकार वर्सेज कलाकार का चुनाव है। उन्होंने कहा कि दोनों के बीच मुद्दों पर बहस करानी चाहिए, जिससे पता चलेगा कि कौन बड़ा कलाकार है। कमलनाथ ने तंज कसा कि शिवराज कलाकारी में तो मस्ताल को हरा देंगे।

इंडिया गठबंधन लोकसभा चुनाव के लिए

कमलनाथ ने प्रदेश में चुनावी गठबंधन की संभावना को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में कहा कि इंडिया गठबंधन लोकसभा चुनाव के लिए केन्द्र स्तर पर बना है। फिर भी हम चाहते हैं कि भाजपा को हराने के लिए प्रदेश में सपा हमारा साथ दें। मुझे खुशी है कि सपा भाजपा को हराना चाहती है। उन्होंने बताया कि सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से मेरी बातचीत हुई है। उनका उद्देश्य भाजपा को हराना है। मैं इसके लिए सपा को धन्यवाद देता हूं। उन्होंने बताया कि गठबंधन को लेकर मायावती की उनसे कोई बातचीत नहीं हुई है।

भाजपा और बसपा के कई नेताओं ने ग्रहण की सदस्यता

कांग्रेस में लौटे महेन्द्र बौद्ध, पटेल ने भी थामा हाथ

भोपाल, देशबन्धु। भारतीय जनता पार्टी और बसपा के कई नेताओं ने आज कांग्रेस का दामन थाम लिया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने उन्हें पार्टी की सदस्यता ग्रहण कराई। प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में आयोजित समारोह में प्रदेश के पूर्व गृहमंत्री महेन्द्र बौद्ध ने घर वापसी की वहीं गाडरवारा से भाजपा के विधायक रहे गोविंद पटेल के पुत्र गौतम पटेल अपने सैकड़ों साथियों के साथ कांग्रेस में शामिल हुए। समारोह में कमलनाथ ने कहा कि प्रदेश का हर वर्ग भाजपा सरकार से त्रस्त है। आप सभी सच्चाई का साथ दीजिए, हम मिलकर प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनाएंगे। इस अवसर निवाड़ी के बसपा नेता उमेश यादव, रायसेन के भाजपा नेता भंवरलाल पटेल, बरकतउल्ला विश्वविद्यालय भोपाल के पूर्व कुलसचिव डॉ. बी भारती, सांची जनपद अध्यक्ष अर्चना पोर्ते ने भी कांग्रेस की सदस्यता ली।जन न्याय दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष बृज बिहारी चौरसिया ने कांग्रेस में विलय की घोषणा करते हुए सभी पदाधिकारियों के साथ पार्टी का हाथ थाम लिया। उल्लेखनीय है कि पूर्व गृहमंत्री महेंद्र बौद्ध बसपा में चले गए थे। आज कांग्रेस वापसी पर उनके साथ नगर पंचायत सेवढ़ा की पूर्व अध्यक्ष कमला दिवाकर यादव सहित कई समर्थकों ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की।

राहतगढ़ नगर पंचायत अध्यक्ष 10 पार्षदों समेत कांग्रेस में शामिल

सुरखी विधानसभा क्षेत्र की राहतगढ़ नगर परिषद की अध्यक्ष प्रियंका गोलू राय ने 10 पार्षदों और बड़ी संख्या कार्यकर्ताओं के साथ आज कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। 15 सदस्यीय इस नगर परिषद में अब भाजपा में 5 सदस्य ही बचे हैं। सुरखी से कांग्रेस प्रत्याशी नीरज शर्मा भी इस अवसर पर मौजूद थे।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने ग्वालियर एवं चंबल संभाग की निर्वाचन तैयारियों की समीक्षा

स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव के लिए आपराधिक तत्वों के खिलाफ करें सख्त कार्रवाई

भोपाल, देशबन्धु। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने सोमवार को ग्वालियर-चंबल संभाग में स्वतंत्र, निष्पक्ष, निर्विघ्न एवं शांतिपूर्ण तरीके से विधानसभा निर्वाचन सम्पन्न कराने को लेकर की जा रही तैयारियों की समीक्षा की। कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षकों ने तैयारियों के बारे में जानकारी दी।

श्री राजन ने कहा कि दोनों संभागों के सभी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों के खिलाफ एनएसए एवं जिला बदर सहित अन्य प्रतिबंधात्मक धाराओं में सख्त कार्रवाई की जाए। जिससे आम मतदाताओं में विश्वास कायम हो और वे निर्भीक होकर अपने मताधिकार का उपयोग कर सकें। श्री राजन ने मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिये व्यापक स्तर पर मतदाता जागरूकता गतिविधियां आयोजित करने के निर्देश दिए। श्री राजन ने कहा कि अंतर्राज्यीय एवं अंतर जिला नाकों पर 24 घंटे विशेष निगरानी रखी जाए। धन, मदिरा, अन्य मादक पदार्थ, अवैध हथियारों और आपत्तिजनक सामग्री अभियान चलाकर जब्त करें। सभी जाँच दल पूरी तरह मुस्तैद व सतर्क होकर काम करें।

श्री राजन ने वल्नरेबल क्षेत्र के मतदान केन्द्रों में सुरक्षा के अतिरिक्त इंतजाम करने के निर्देश दिए। वल्नरेबल क्षेत्रों में विशेष मतदाता जागरूता अभियान चलाकर लोगों को भरोसा दिलाएँ कि पुलिस और प्रशासन आपकी सुरक्षा के लिये तत्पर है।

संवेदनशील व अति-संवेदनशील मतदान केन्द्रों के बाहर भी लगाएँ सीसीटीवी कैमरे

श्री राजन ने कहा कि संवेदनशील एवं अति-संवेदनशील मतदान केन्द्रों की वेब कास्टिंग की पुख्ता व्यवस्था की जाये। ऐसे मतदान केन्द्रों में जरूरत के अनुसार भीतर के साथ-साथ बाहर भी सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं।

महिलाओं, दिव्यांगों द्वारा संचालित मतदान केन्द्र भी स्थापित करें

श्री राजन ने प्रत्येक विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में महिलाओं एवं दिव्यांग अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा संचालित मतदान केन्द्र स्थापित करने के निर्देश दिए। महिला मतदान कर्मियों की सुविधा का ध्यान रखा जाए।

मतदाता हेल्प-डेस्क नम्बर 1950 का तत्परता से करें संचालन

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राजन ने जिलों में स्थापित मतदाता हेल्प-डेस्क नम्बर 1950 का संचालन तत्परता से करने के निर्देश दिए। श्री राजन ने कहा कि हेल्पडेस्क पर मतदाताओं की ओर से आने वाला हर कॉल अटेण्ड हो और मतदाता की समस्या का समाधान भी किया जाए। 80 वर्ष से अधिक आयु के ऐसे बुजुर्ग जो घर से ही मतदान करना चाहते हैं उनसे फॉर्म-12 डी भरवाकर सहमति लें। इसी तरह 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांगता वाले दिव्यांग मतदाताओं को यह सुविधा मुहैया कराई जाना है।

जिन मतदान केन्द्रों में 1500 से अधिक मतदाता हैं वहाँ के मतदाताओं को सुविधाजनक तरीके से वोट डालने की सुविधा प्रदान करने के लिये सहायक मतदान केन्द्र बनाए जायेंगे। श्री राजन ने दोनों संभागों के जिला कलेक्टर्स को सहायक मतदान केन्द्र के प्रस्ताव भेजने और मतदाता पहचान पत्रों (इपिक) का वितरण कराने के निर्देश दिए। बैठक में पुलिस महानिरीक्षक, कानून व्यवस्था एवं सुरक्षा मध्यप्रदेश राज्य पुलिस नोडल अधिकारी अनुराग, संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी राकेश सिंह, श्रीमती रूचिका चौहान, संभागीय आयुक्त दीपक सिंह, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक डी. श्रीनिवास वर्मा, पुलिस महानिरीक्षक चंबल सुशांत सक्सेना और पुलिस उप महानिरीक्षक सुश्री कृष्णावेणी देशावतु उपस्थित थीं।

बिहार में सिपाही को गोलियों से किया छलनी

पटना, देशबन्धु। बिहार के वैशाली जिले में एक बार फिर अपराधियों ने बिहार की पुलिस व्यवस्था पर हमला करते हुए बड़ी वारदात को अंजाम दिया है। मिली जानकारी के अनुसार वैशाली के सराय बाजार इलाके में अपराधियों ने एक सिपाही को गोलियों से छलनी कर दिया, जिसके बाद इलाज के दौरान सिपाही की मौत हो गई। घटना सराय थाना क्षेत्र के सराय बाजार स्थित सूरत की है। बताया जा रहा है कि पुलिस टीम सूरत चौक स्थित यूको बैंक के पास खड़ी थी। इसी बीच तीन अपराधी बैंक में प्रवेश कर रहे थे जिन्हें पुलिसकर्मियों ने रोका जिसके बाद सभी अपराधी भागने लगे जिसमें से दो अपराधियों को पुलिस टीम ने पकड़ लिया। जबकि भाग रहे एक अपराधी के पीछे सिपाही अमिताभ कुमार दौड़ने लगे कुछ दूर जाकर अपराधी ने सिपाही अमिताभ को गोली मार दी। आनन-फानन में घायल सिपाही को हाजीपुर सदर अस्पताल लाया गया, जहां से एक निजी नर्सिंग होम ले जाया गया। लेकिन, सिपाही को नहीं बचाया जा सका और इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। सिपाही अमिताभ कुमार मुंगेर जिले के खड़गपुर के रहनेवाले थे। बताया जा रहा है कि सभी अपराधी बैंक में लूट की वारदात को अंजाम देने के लिए पहुंचे थे लेकिन उससे पहले ही यह घटना घट गई, जिस गाड़ी से पुलिस टीम सूरत चौक पर गई थी उसके चालक रमेश कुमार ने बताया कि अमिताभ अकेले ही अपराधी को पकड़ने के लिए दौड़ रहे थे, जिसके कारण ही भाग रहे अपराधी ने सिपाही को चार गोली मार दी।

मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित नहीं करना पार्टी की रणनीति

इंदौर, देशबन्धु। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने कहा है कि विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित नहीं करना पार्टी की रणनीति है। श्री विजयवर्गीय ने आज यहां पत्रकारों के सवाल के जवाब में बात कही। उन्होंने बताया कि हम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में चुनाव लड़ रहे हैं और पाचों राज्यों में हमारी इसी रणनीति के तहत काम किया जा रहा है।

कांग्रेस ने की थी शिकायत : दिग्विजय के फर्जी त्यागपत्र को लेकर एफआईआर

भोपाल, देशबन्धु। प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह की ओर से कांग्रेस की प्राथमिकता सदस्यता देने के फर्जी पत्र के मामले में भोपाल में एफआइआर दर्ज की गई है। एफआइआर क्राइम ब्रांच ने दर्ज की है, जिसमें अज्ञात को आरोपित बनाया गया है। गौरतलब है कि रविवार को कांग्रेस प्रत्याशियों की पहली सूची जारी होने के बाद दोपहर में दिग्विजय सिंह के कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देने का पत्र इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हुआ था। इस पर तुरंत ही खुद दिग्विजय सिंह और कांग्रेस पार्टी ने इसका खंडन किया था।

इस मामले में कांग्रेस के मीडिया विभाग के अध्यक्ष केके मिश्रा, पार्टी नेता जेपी धनोपिया सहित कई नेताओं ने साइबर क्राइम सेल में शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें यह कहा गया कि यह दिग्विजय सिंह की छवि को धूमिल करने का प्रयास है।

प्रदेश कांग्रेस के मीडिया प्रभारी केके मिश्रा ने भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता हितेश वाजपेयी पर दिग्विजय सिंह का यह फर्जी त्यागपत्र तैयार कराने और उसे इंटरनेट मीडिया पर बहुप्रसारित करने का आरोप लगाया था। वहीं, इस आरोप को झूठा बताते हुए वाजपेयी ने कहा कि सवाल पूछने पर कांग्रेस आरोप लगाने लगती है।

इस फर्जी त्यागपत्र के सामने आने के बाद दिग्विजय सिंह ने इंटरनेट मीडिया के जरिए प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि वह अंतिम सांस तक कांग्रेस में रहेंगे।

कार्यालय संभागीय अधिकारी
सम्भाग क्रमांक 05,
नगर निगम, जबलपुर
पत्र क्र./स. अधि./सं.क्रं. 5/2023-24/248 दिनांक 12/10/2023

भवन नामांतरण

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती अनीता सराफ पति श्री विनय कुमार सराफ ने भवन क्रं. 10/1 वार्ड जवाहरगंज भूतल 140 विक्रय पत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा मकान नं. 10/1 पर नामांतरण हेतु पंजीकृत स्वामी श्रीमती सरिता अग्रवाल पिता/पति श्री अमित अग्रवाल भवन क्र. 10/1 पिन नं. 42000022, 1000391603 पर जिस किसी को उक्त में प्रमाण सहित आपत्ति हो तो इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-05 में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-05,
नगर निगम, जबलपुर

Change Of Date Of Birth

I, Army No. 13764573X Rank Hav Name Deepak Kumar Presently Residing At Vill- Rajeev Nagar Cherital Po- Vijay Nagar Tehsil- Jabalpur Distt. Jabalpur (m.p) Pin Code - 482002 do Hereby Solemnly Affirm And Declare On Oath As Under I Am Presently Residing At The Above Mentioned Address. I State That Date Of Birth Of My Mother Parwati Is Recorded As 01/10/1954 In My Army Service Record Which Is Incorrect, The Correct Date Of Birth Of My Mother Is 01/01/1959 As Per Aadhar Card No. 3913 0547 2501 And Other Documents. I State that the Correct Date Of Birth of My Mother Named Parwati is 01/01/1959 And Same Shall Be Considered In Future in all Records.

Correct Date of Birth
PARWATI 01/01/1959

TIMES

त्रिपुरा में लोस चुनाव से पहले हो जाति आधारित जनगणना : कांग्रेस

अगरतला, एजेंसी। त्रिपुरा प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने सोमवार को समाज के वंचित वर्गों के अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले राज्य में जाति आधारित जनगणना की मांग की। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष आशीष कुमार साहा ने कहा कि कांग्रेस ने यहां पार्टी की अनुसूचित जाति (एससी)/अनुसूचित जनजाति (एसटी)/अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी)/अल्पसंख्यक इकाइयों की एक संयुक्त बैठक की और जमीनी स्तर पर गतिविधियों को पुनर्जीवित करने के लिए एक व्यापक योजना बनाई।

साहा ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ओबीसी समुदायों को लाभ प्रदान करने के लिए जाति जनगणना को तत्काल लागू करने की कांग्रेस की मांग को जानबूझ कर नजरअंदाज कर रही है। चुनाव से ठीक पहले मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए भाजपा ने दिखावा करने और देशवासियों को बेवकूफ बनाने के लिए महिला आरक्षण विधेयक संसद में पारित किया। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने चुनाव जीतने के लिए इसे एक उपकरण के रूप में इस्तेमाल करने के इरादे से पिछले कई वर्षों तक इस बिल को दबाए रखा था, लेकिन इस अधिनियम से देश की महिलाओं को कैसे लाभ होगा, इसके बारे में अभी तक कोई घोषणा नहीं की गई है। देश की महिलाएं असुरक्षित हो गई हैं और महिलाओं पर अत्याचार कई गुना बढ़ गए हैं, लेकिन सजा आज भी सबसे न्यूनतम है।

कांग्रेस द्वारा बार-बार समाज के समग्र विकास के लिए देश में जाति जनगणना की मांग करने के बावजूद केंद्र सरकार संविधान के परिसीमन की प्रक्रिया शुरू करने में कोई जल्दबाजी नहीं दिखा रही है।

भाजपा के आरोपों का मुख्यमंत्री ने किया खंडन, कहा-

5 पैसे के लिए भी नहीं कहता कांग्रेस हाईकमान

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने सोमवार को उन आरोपों राजनीति से प्रेरित और आधारहीन बताते हुए खारिज किया है, जिनमें कहा जा रहा था कि आयकर विभाग की ओर से की गई छापेमारी में जब्त नकदी का कांग्रेस पार्टी से संबंध है। एक दिन पहले भाजपा ने आरोप लगाया था कि एक ठेकेदार और उसके बेटे से 42 करोड़ रुपए समेत नकदी जब्त की गई है, जिनका संबंध कांग्रेस से था। पार्टी ने यह भी आरोप लगाया था कि सिद्धारमैया सरकार राज्य को एटीएम की तरह इस्तेमाल कर रही है।

भाजपा के इस आरोप के बारे में पूछे जाने पर कि जब्त की गई नकदी को पांच राज्यों में होने वाले चुनावों में लगाया जाना था, सिद्धारमैया ने कहा, हमारा इससे (जब्त किए गए पैसे से) कोई संबंध नहीं है। जिन राज्यों में चुनाव होने जा रहे हैं, उन्हें खुद की लड़ाई लड़नी चाहिए। जब हम चुनाव लड़ते हैं तो अन्य राज्यों से धन के लिए कहते हैं। जनता ही आशीर्वाद देती है। पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने अब तक पांच पैसे के लिए भी नहीं कहा है। पूर्व मुख्यमंत्री और जद (एस) नेता एचडी कुमार स्वामी की आयकर विभाग की छापेमारी में जांच की मांग पर सिद्धारमैया ने कहा कि हमें क्यों जांच करनी चाहिए।यह आयकर विभाग जांच करे।

पीएसएम कॉलेज में प्रशिक्षण के दौरान एक कर्मचारी की मौत

जबलपुर, देशबन्धु। जबलपर पीएसएम कॉलेज में मतदान दलों की प्रशिक्षण के दौरान एक प्रशिक्षिणार्थी को चक्कर आ गए, जिसे जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां प्रशिक्षिणार्थी सालिगराम नागवंशी को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया गया। बताया जा रहा है कि सालिगराम बरगी नगर से मतदान का प्रशिक्षण लेने के लिए दोपहर 2 बजे पीएसएम कालेज आया था। उसके प्रशिक्षण अवधि का समय दोपहर से 2 से 6 बजे तक था। प्रशिक्षण अवधि में शाम पांच बजे चाय-नास्ता करने के बाद अचानक से कुर्सी पर लेट गया। जिसे एम्बुलेंस की मदद से विक्टोरिया अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन चिकित्सकों ने सालिगराम नागवंशी को मृत घोषित कर दिया।

सहायक नोडल मतदान प्रशिक्षण अधिकारी रवि आम्रवंशी से इस संबंध बात की गई, तो उन्होंने बताया कि वह ट्रेनिंग में उपस्थित सभी प्रशिक्षिणार्थियों ने शाम पांच बजे चाय-नाश्ता किया। जिसके बाद प्रशिक्षण ले रहे सालिगराम को पसीना आया और कुर्सी पर लेट गया, जिसे एम्बुलेंस अस्पताल लाया गया था। जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया है। उन्होंने बताया कि एनआईसी से रिकार्ड मांगा गया है, उसके बाद कर्मचारी विषय में पूरी जानकारी दे पायेंगे।

रवि आम्रवंशी, उप संचालक कृषि

प्रशिक्षण ले रहे राजकुमार झारिया ने बताया कि सालिगराम उसके साथ बरगी नगर में हेल्पर पम्प ऑपरेटर के पद पर कार्य करता था। उसे पहले से कोई बीमारी नहीं थी, वह पूरी तरह ठीक था। लेकिन अचानक उसे पसीना आया और बेहोश हो गया। जिसे अस्पताल में मृत घोषित कर दिया।

राजकुमार झारिया, कुशल हेल्पर पम्प ऑपरेटर, बरगी नगर

हादसे खबर पाकर विक्टोरिया अस्पताल पहुंचे रांझी एसडीएम कुलदीप पाराशर ने बताया कि पीएसएम कालेज में मतदलों का प्रशिक्षण चल रहा था। जहां एक कर्मचारी की तबीयत खराब होने से उसे अस्पताल पहुंचाया गया था, जहां कर्मचारी को मृत बताया है। घटना की विस्तृत जांच की जायेगी।

कुलदीप पाराशर, एसडीएम रांझी

बस-ट्रॉली में आमने सामने से भिड़ंत, 6 घायल

जबलपुर, देशबन्धु। कटंगी रोड पर रात 9 बजे के लगभग बस व ट्रैक्टर-ट्राली में आमने सामने से भिडंत हो गई। भिड़ंत में दोनों वाहनों के सामने का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। वहीं बस में सवार 6 यात्रियों को गंभीर चोटें आई, जिन्हें उपचार के लिए नजदीक के शासकीय अस्पताल पहुंचाया गया है। पुलिस के अनुसार सागर से यात्रियों को लेकर बस जबलपुर के लिए रवाना हुई। बस जब कटंगी से बोरिया की ओर बढ़ रही थी। इस दौरान सामने से आई ट्रैक्टर-ट्रॉली से भिड़ंत हो गई। दोनों वाहनों में आमने सामने से हुई भिड़ंत में सामने का हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। वहीं बस में सवार 6 यात्रियों के शरीर पर गंभीर चोटें आई। दुर्घटना होते देख राह चलते लोग रुक गए, यहां तक की आसपास के लोग भी घरों से निकल आए। जिन्होंने घायलों को बस से उतारकर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए शासकीय अस्पताल पहुंचाया। दुर्घटना के बाद कटंगी रोड पर जाम के हालात निर्मित हो गए। दोनों ओर वाहनों की लम्बी कतारें लगी रही। पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाया, इसके बाद यातायात शुरु हो सका।

सनातन संस्कृति में ही विश्व कल्याण की भावना निहित है: स्वामी जी

एक्स मुस्लिम हिना को मिला नया नाम नर्मदा देवी

जबलपुर, देशबन्धु। सनातन की मूल परंपराओं से सभी को जोड़ना हमारा लक्ष्य है। क्योंकि सनातन धर्म ही एक ऐसा धर्म है जिसमें सर्व कल्याण की भावना निहित है। हम ऐसी संस्कृति का निर्वहन कर रहे हैं जहां पेड़ पत्थर नदियां तालाब सभी की पूजा की जाती है। इस जीवन दर्शन को अपनाने से ही पूरे विश्व में शांति स्थापित की जा सकती है। यह विचार स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती महाराज ने समदड़िया इन होटल में आयोजित प्रेस वार्ता में रखें। उन्होंने कहा कि कोलकाता से आई एक्स मुस्लिम बेटी हिना की घर वापसी कराई गई थी, उसका नाम नर्मदा देवी रखा गया है। उन्होंने कहा कि संपूर्ण विश्व में 20 करोड़ महिलाओं का प्राइवेट पार्ट सिर्फ धर्म के नाम पर काट दिया जाता है। ऐसे में पीड़ित महिलाओं को संरक्षण देना सभी का दायित्व है। प्रेस वार्ता के दौरान एक्स मुस्लिम हिना ने अपने आपबीती बताई। उन्होंने बताया कि मदरसे में मौलाना ने उनके साथ दुष्कर्म करने का प्रयास किया था। शादी हुई तो पति प्रताड़ित करता था। जिसके चलते उन्होंने स्वामी जी से संपर्क साधा तो उन्होंने घर वापसी कराई। हिना ने कहा कि यह कोई धर्म परिवर्तन का मामला नहीं है बल्कि हिंदुस्तान में पैदा हुआ हर व्यक्ति सनातनी है। इस अवसर पर हिंदू धर्मसेना के संस्थापक योगेश अग्रवाल, लता ठाकुर, राजेंद्र श्रीवास, नितेश पटेल, अंकित ग्रोवर, निशांत भसीन, अक्षय गुप्ता, अक्षय रॉय आदि मौजूद रही।

ढ़ाई साल की गुमशुदा बच्ची का शव घर के सोफे के नीचे मिला

जबलपुर, देशबन्धु। गोलहपुर थाना अंतर्गत संजय गांधी वार्ड के राजीव नगर मोहरिया क्षेत्र में एक ढाई साल की बच्ची का शव घर में रखे सोफे के नीचे दबा हुआ मिलने से हड़कंप मच गया। इस मामले में गोहलपुर पुलिस ने बताया कि सोमवार 16 अक्टूबर की दोपहर करीब दो बजे से मोहरिया निवासी शकील नामक व्यक्ति की ढ़ाई साल की बच्ची अचानक गुम हो गई थी। जिसकी गुमशुदगी की शिकायत परिजनों द्वारा गोहलपुर पुलिस को दी गई थी। सूचना पर पुलिस ने पड़ताल शुरू करते हुए घर में खोजबीन की तो शकील के घर में एक कमरे में रखे सोफे के नीचे बच्ची का शव बरामद हुआ। बताया जाता है कि बच्ची का शव कपड़े में लपेटकर सोफे के नीचे दबा गया था। बच्ची की मौत कैसे हुई इसका खुलासा नहीं हो सका है। मामला संदिग्ध नजर आने पर पुलिस ने लाश को पंचनामा कार्यवाही के बाद पीएम के लिए अस्पताल भिजवाते हुए प्रकरण की जांच शुरू कर दी है।

तीन करोड़ के 5 किलो से अधिक सोने के साथ जबलपुर में दबोचा गया इंदौर का सराफा कारोबारी

जबलपुर, देशबन्धु। गढ़ा पुलिस ने इंदौर के सराफा कारोबार सौरभ जैन को अंधमूक बायपास से पकड़ा है। कारोबारी के बैग से पुलिस को तलाशी के दौरान 5 किलो 274 ग्राम सोने के जेवर मिले हैं। इतनी अधिक मात्रा में जेवर मिलने के बाद पुलिस अधिकारियों की सूचना पर आयकर विभाग के अधिकारी भी पहुंच गए। अधिकारियों द्वारा की गई पूछताछ में सौरभ जैन जेवरों से संबंधित कोई भी दस्तावेज पेश नहीं कर पाया है।

इस संबंध में एसपी आदित्य प्रताप सिंह ने बताया कि इंदौर से बस में सवार होकर सौरभ जैन नामक युवक बीती रात 12 बजे के लगभग जबलपुर पहुंचा और अंधमूक बायपास रोड पर उतरा। इसके बाद ऑटो में बैठकर शहर के लिए रवाना हो गया। जब वह त्रिपुरी चौक से नेक्सा शोरुम के सामने से गुजर रहा था, इस दौरान बैरीकेट लगाकर चेकिंग कर रही पुलिस ने ऑटो को रोककर सौरभ पिता नरेन्द्र कुमार जैन उम्र 38 साल निवासी सुदामा नगर थाना अन्नापूर्णा जिला इंदौर से पूछताछ शुरु कर दी। इस बीच पुलिस ने सौरभ के पास रखे दो बैग की तलाशी ली तो हतप्रभ रह गए। दोनों बैग में सोने के जेवर मिले। पुलिस अधिकारी सौरभ जैन को थाना लेकर पहुंच गए, जहां पर सौरभ ने पुलिस को पूछताछ में बताया कि उक्त जेवर वह जबलपुर में बेचने के लिए आया है। लेकिन जेवरों के संबंध में वह कोई दस्तावेज पेश नहीं कर सका। खबर मिलते ही पुलिस के आला अधिकारी भी पहुंच गए, जिनकी सूचना पर आयकर विभाग की अधिकारी आ गए थे। पुलिस ने इलेक्ट्रॉनिक कांटे से तौल कराया तो 8 डिब्बों में 43 पैकेट में रखे जेवरों का वजन 5 किलो 274 ग्राम 403 मिलीग्राम निकला। जिसकी कीमत करीब तीन करोड़ रुपए के लगभग है। जब्त किए गए जेवरों को आगे की कार्यवाही के लिए इनकम टैक्स विभाग के सुपुर्द कर दिया गया है।

दुर्गोत्सव और विजयदशमी के त्यौहार को लेकर शांति समिति की बैठक संपन्न

जबलपुर,देशबन्धु।। दुर्गोत्सव, पंजाबी दशहरा और विजयदशमी के त्यौहारों पर व्यवस्थाओं को लेकर सोमवार को अयोजित की गई शांति समिति की बैठक में शहर के नागरिकों से इन त्यौहारों को परम्परागत उत्साह से मनाने की अपील की गई। कलेक्टर सौरभ कुमार सुमन की अध्यक्षता में कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में संपन्न हुई इस बैठक मे पुलिस अधीक्षक आदित्य प्रताप सिंह भी मौजूद थे।

बैठक में शांति समिति के सदस्यों ने त्यौहारों के दौरान संवदेनशील क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने, पेयजल और प्रकाश के समुचित इंतजाम करने, जुलूस मार्गों के रखरखाव, विसर्जन स्थलों पर सुरक्षा एवं साफ-सफाई तथा यातायात की पुख्ता व्यवस्था के बारे में महत्वपूर्ण सुझाव दिये। कलेक्टर ने बैठक में समिति के सदस्यों से मिले सभी सुझावों को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने गणेश उत्सव एवं ईद मिलाद-उन-नबी के दौरान मिले सहयोग के लिये सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुये अपेक्षा की कि आने वाले त्यौहारों में भी उनसे इसी तरह का सहयोग मिलेगा। कलेक्टर ने इस अवसर पर शांति समिति के सदस्यों को विधानसभा चुनाव की घोषणा के तुरंत बाद से लागू हुई आदर्श आचरण संहिता के बारे में भी जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक आदित्य प्रताप सिंह ने बैठक में शांति समिति के सदस्यों को आश्वस्त किया कि त्यौहारों के दौरान सुरक्षा के पुख्ता बंदोबस्त सुनिश्चित किये जायेंगे। उन्होंने दुर्गा पंडालों की सुरक्षा तथा यातायात व्यवस्था में सहयोग के लिए स्वयं सेवक तैनात करने का आग्रह भी बैठक में मौजूद आयोजन समितियों के पदाधिकारियों से किया। बैठक में पंजाबी दशहरा आयोजन के दौरान की जाने वाली व्यवस्थाओं पर चर्चा की गई। बैठक में अपर कलेक्टर मिशा सिंह, शेर सिंह मीणा एवं नाथूराम गोंड, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रियंका शुक्ला तथा सभी संबंधित विभागों के अधिकारी तथा शांति समिति के सदस्यों में मुकेश राठौर, रवि गुप्ता, प्यारे साहब, ताहिर खान, गोविंद गंज रामलीला समिति के अध्यक्ष अनिल तिवारी, राजा सराफ, प्रहलाद श्रीवास्तव, बड़ी खेरमाई मंदिर के ट्रस्टी तथा पंजाबी दशहरा आयोजन समिति के पदाधिकारी भी मौजूद थे।

शराब तस्करी करते दो गिरफ्तार, 1200 पाव देशी शराब एवं कार जप्त

जबलपुर, देशबन्धु। शहर में शराब तस्करी को खेल बेखौफ किया जा रहा है। इस धंधे को करने वाले इतने शातिर होते हैं, कि पुलिस को भी चकमा दे देते हैं। बीते कुछ दिनों से पुलिस लगातार कार्रवाई कर ऐसे तस्करों को पकड़ रही है। इसी कड़ी में अधारताल थाना अंतर्गत पुलिस ने ग्राम गुर्दा में नेशनल धर्म कांटा के पास एक कार को रोककर उसमें से शराब बरामद की है तथा आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

इस संबंध में अधारताल थाना प्रभारी विजय कुमार विश्वकर्मा ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली कि कार क्रमांक एमपी 19 सी.बी. 4133 में अधिक मात्रा में शराब लोड कर अधारताल की ओर लायी जा रही है, पुलिस ने तत्काल सूचना पर ग्राम गुर्दा में नेशनल धर्म कांटा के सामने दबिश दी, जहां एक कार आती दिखी, पुलिस ने उसे रोका, लेकिन चालक तेज गति से चलाकर भागने लगा। वाहन का चलक तेजी से चलाकर खाली मैदान की और चला गया। जिसे रोका गया। वाहन में दो युवक बैठे मिले। चालक ने अपना नाम अमर मिश्रा उम्र 28 वर्ष निवासी ग्राम गोहरा थाना सिहोरा वर्तमान पता शक्तिनगर थाना गढ़ा एवं ड्रायवर सीट के बाजू में बैठे युवक ने अपना नाम पिन्टु उर्फ ओमकार चौकसे उम्र 28 वर्ष निवासी प्रहलाद चौक ग्राम इन्दाना थाना मझौली वर्तमान पता मटमैली माता थाना मदनमहल बताया। पुलिस ने वाहन की तलाशी ली तो उसमें 6 प्लस्टिक की बोरियों में 1200 पाव देशी शराब रखी मिली। पुलिस ने दोनो आरोपियों के कब्जे से कार क्र. एम.पी. 19 सी.बी. 4133 तथा 1200 पाव देशी शराब जप्त करते हुये अपराध दर्ज कर लिया है।

नशीले इंजैक्शन बेचते आरोपी गिरफ्तार, 42 नग नशीले इंजैक्शन बरामद

जबलपुर, देशबन्धु। बेलबाग थाना अंतर्गत पुलिस भानतलैया पानी टंकी के पास एक युवक नशीले इंजेक्शों के साथ रंगेहाथ पकड़ा है। जिससे बड़ी संख्या में इंजेक्शन बरामद किये गये हैं। इस संबंध में बेलबाग थाना प्रभारी प्रवीण कुमरे ने बताया कि सोमवार को सूचना मिली कि पानी की टंकी के पास एक युवक नशीले इंजेक्शन बेचने के लिये खड़ा है, पुलिस ने तत्काल सूचना पर पानी की टंकी के पास दबिश दी, जहां एक युवक हाथ में पॉलीथीन लिये खड़ा दिखा, जो पुलिस को देखकर भागने लगा। जिसे पुलिस ने दबोच लिया। पूछताछ में युवक ने अपना नाम राजा सोनकर उम्र 34 वर्ष निवासी घमापुर चौक खटीक मोहल्ला पानी की टंकी के पास बताया। जो पॉलीथीन के अंदर 21 नग नशीले इंजेक्शन की शीशी रखे मिला। नशीले इंजेक्शन के संबंध में पूछताछ पर उक्त नशीले इंजेक्शन दंगल मैदान पहाड़ी में रखे पत्थर के पास पड़े हुए मिलना बताते हुये जो एक जोड़ इंजेक्शन 250/- रूपये में बेचना बताया। पुलिस ने आरोपी से कुल 42 नग नशीले इंजैक्शन जप्त करते हुये अपराध दर्ज कर लिया है।

रादुविवि के परिक्षा परिणाम पर गड़बड़ी स्टूडेंट एसोसिशन ने ज्ञापन सौंपा

जबलपुर, देशबन्धु। महाकौशल लॉ स्टूडेंट एसोसिशन के नेतृत्व में बीएससी, बीकॉम, बीए के प्रथम वर्ष के रिजल्ट में गड़बड़ी सामने आने पर रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के कुलसचिव को कटनी जिला से आए सैकड़ों छात्रों ने ज्ञापन सौंपा। जिसमे अध्यक्ष अंकुश चौधरी ने जानकारी देते हुए बताया, कि विगत दिनों रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय ने बीए, बीकॉम, बीएससी प्रथम ईयर का रिजल्ट घोषित किया था। जिसमे अधिकांश छात्र-छात्रों को सप्लीमेंट्री दी गई है। जिसमें तो मुख्य रूप से कटनी गर्ल्स कॉलेज के बीकॉम के प्रथम वर्ष में तो आधी से ज्यादा क्लास के बच्चों को जीएसटी के विषय में फेल किया गया। वो ही हाल कटनी के धीमरखीड़ा महाविद्यालय एवं सिलोड़ी महाविद्यालय एवं जबलपुर शहर के अन्य महाविद्यालयों के बीए एवं बीएससी के छात्रों का किया गया है। जिसको लेकर पूर्व में भी ज्ञापन सौंपा गया था और विश्विद्यालय द्वारा आश्वासन भी दिया गया था, कि जल्द ही इनकी कॉपी री चेक करवाई जायेगी। लेकिन अभी तक नहीं करवाई गई। पूर्व में भी विश्विद्यालय द्वारा इस तरह की लापरवाही सामने आई है जिससे छात्र छात्रों का रिजल्ट विश्विद्यालय की लापरवाही के चलते खराब हुआ है। जिसको लेकर मांग रखी है कि जिन छात्र- छात्रों को बीए, बीकॉम, बीएससी, के प्रथम ईयर में 11 अंक से कम प्राप्त हुआ है उनका बिना कॉपी री चेक का फॉर्म भरवाए एवं बिना किसी शुल्क के उनकी कॉपी पुनः चेक करवाई जाए।

67 वीं शालेय राज्य स्तरीय रोप स्किपिंग प्रतियोगिता में जबलपुर संभाग ने जीता 47 मेडल

जबलपुर, देशबन्धु। मॉर्डन पेंटाथलॉन जबलपुर कार्पोरेशन सेकेट्री रॉबर्ट मार्टिन ने बताया कि अभी हाल ही में 67 वीं राज्य शालेय रोप स्किपिंग एवं मॉर्डन पेंटाथलॉन प्रतियोगिता 10 अक्टूबर से 13 अक्टूबर 2023 तक भोपाल में सम्पन्न हुई। जहां रोप स्किपिंग में जबलपुर संभाग द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्षन करते हुए 15 गोल्ड, 27 सिल्वर और 5 ब्रांज के साथ कुल 47 मेडल प्राप्त करते हुए रोप स्किपिंग में द्वितीय स्थान हासिल किया। रोप स्किपिंग में जबलपुर संभाग की उपलब्धि स्पीड स्प्रिंट बालिका अंडर-19 में खुषी अहिरवार प्रथम, 17 में अलीशा प्रथम, 14 में अल्फिया द्वितीय स्थान प्राप्त किया। वहीं अंडर 17बालक वर्ग में प्रियांष कौरव द्वितीय, अंडर 14 में संस्कार गुप्ता द्वितीय, डबल अंडर बालिका अंडर 19 में परी प्रथम, 17 में रष्मि वर्मा प्रथम, 14 में अग्रति यादव द्वितीय, बालक वर्ग वर्ग 19 में विवेक साहू द्वितीय एंडयूरेंस अंडर 19 में नित्य सिंह लोधी द्वितीय अंडर 17 परी वेन प्रथम स्थान प्राप्त कर संस्कारधानी का नाम रोषन किया। जबलपुर संभाग की इस सफलता पर सहायक संचालक डॉ. डी. के खरे, सहायक संचालक खेल आशा सिसोदिया, सारिका सिंह खान, चंदा सोनी, गुंजन श्रीवास, हेमलता तिवारी, चंद्रशेखर स्वामी, राकेश श्रीवास, अजय मिश्रा आदि ने सभी खिलाड़ियों कोचों एवं ऑफिशियल को बधाई दी है।

माईनिंग विभाग 30 दिनों में करें भुगतान हाईकोर्ट ने दिये निर्देश

जबलपुर, देशबन्धु। अनुबंध के बावजूद भी माइनिंग विभाग द्वारा फोटो कॉपी के बिल का भुगतान नही किये जाने को हाईकोर्ट में चुनौती दी गई थी। जस्टिस संजय द्विवेदी की एकलपीठ ने याचिका का निराकरण करते हुए अपने आदेश में कहा है कि डिप्टी डायरेक्टर माइनिंग विभाग याचिकाकर्ता के अभ्यावेदन का निराकरण करें। उसके वैधानिक बिलों का भुगतान 30 दिनों में किया जाये।

कटनी स्थित गर्ग कम्प्यूटर एव फोटो कॉपी की दुकान संचालिका विमला गर्ग की ओर से यह मामला दायर किया गया था। जिसमें कहा गया था कि वर्ष 2015 में फोटी कॉपी करने का अनुबंध माइनिंग विभाग से हुआ था। अनुबंध साल 2023 तक के लिए हुआ था। इस दौरान माइनिंग विभाग की ओर से करायी गई फोटो कापी का बिल दो लाख 61 हजार रुपये हो गया। जिसके भुगतान के लिए उन्होंने अभ्यावेदन दिया। इसके बावजूद भी बिल का भुगतान नहीं किया गया, जिस पर हाईकोर्ट की शरण ली गई। सुनवाई पश्चात् न्यायालय ने कटनी जिले माईनिंग विभाग के डिप्टी डायरेक्टर को उक्त निर्देश दिये। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता सौरभ कुमार शर्मा ने पक्ष रखा।

मोबाइल चोरी का आरोप लगाकर जेठ-जेठानी को डंडे से पीटा

जबलपुर, देशबन्धु। तिलवारा थाना में सोमवार को रेखा नामदेव उम्र 37 वर्ष निवासी ग्राम खुलरी ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह मजदूरी करती है। सोमवार सुबह लगभग 10 बजे सहदेव लोधी के घर से पाईप से पानी भर रही थी। उसी समय देवरानी सरोज आयी और आरोप लगाने लगी कि हमारा मोबाईल तुम लोगों ने लिया है।

जिसपर उसने मना किया कि परिवार में किसी ने मोबाईल नहीं लिया है। इसी बात से देवरानी सरोज गालीगलौज करने लगी। सरोज ने वहीं पड़ा ईंट उठाकर मारा जो उसे बायें कान के पास लगा, वह चिल्लाई तो बीच बचाव करने आये पति कलई नामदेव को देवर संतोष ने डण्डे से हमला कर माथे में एवं पैर तथा बेटे कमलेश बर्मन पर सरोज ने लोहे की फुकनी से हमला कर बाये हाथ में चोट पहुंचा दी। पीड़ितों की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज मामले को जांच में लिया है।

बम्हौरी गांव में विराजी अष्टभुजी मां दुर्गा

गांधीग्राम, देशबन्धु। गांधीग्राम से सटे गांव बम्होरी में स्थित हनुमान मंदिर में अष्टभुजी माता रानी दुर्गा की प्रतिमा को विरचित किया गया है, लोगों की भक्ति का पूजा अर्चना का सैलाब नवरात्र प्रारंभ से ही दिखने लगा है।सुबह से श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया। ऐसे में मंदिर के बाहर भक्तों की लंबी लाइन लग रही है। भक्त अपनी बारी का इंतजार करते हैं। नंबर आने पर भक्तों ने मातारानी के दर्शन किए। साथ ही उनसे मनौतियां मांगी, हालांकि मंदिर कमेटी की ओर से सुबह पांच बजे ही मंदिर के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोले जा रहे हैं इसके साथ ही मंदिर पर भक्तों की पूजन आदि व्यवस्था के व्यापक इंतजाम किए गए।

भक्तों की आस्था है कि हनुमान मंदिर में राज आई माता रानी के दर्शन व पूजन करने से मनवांछित इच्छा पूरी हो जाती है इसलिए लोग मातारानी से मनौतियां मांगने आते हैं। इस अवसर पर आरती में मंदिर वा दुर्गोत्सव समिति के सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समिति हनुमान मन्दिर बमहौरी के सुरपंच शुभम वदला दिवेदी, सुशील तिवारी, कमलेश पटेल, राजेन्द्र पटेल, विजय तिवारी, मुन्ना पटेल, अंकुश पटेल, अंकित पटेल, गुलजारी लाल, किसन तिवारी, विनोद तिवारी का गणेश तिवारी एवं समस्त दुर्गा उत्सव समिति बम्होरी के भक्तजन उपस्थित रहे।

ग्राम बमहनी में हुई 51 देवियों की स्थापना

बरेला, देशबन्धु। नवरात्रि के पावन अवसर पर समीपस्थ ग्राम बमहनी में 51 देवियों की स्थापना की गईहै। यह स्थापना वीगत दो वर्षों से की जा रही है।यह आयोजन का तीसरा वर्ष है। आयोजन समिति के जनपद पंचायत उपाध्यक्ष रामेश्वर साहू बंटू ने बताया कि ग्राम बमहनी में 51 देवियों की स्थापना की गई है। इन51 देवियों को देखने के लिए दूर दूर से तथा ग्रामीण क्षेत्र से भी लोगों का आना-जाना लगा रहता है। इन देवियों का विसर्जन चल समारोह 26 अक्टूबर को निकाल जावेगा। यह चल समारोह ग्राम बमहनी से प्रारंभ होकर गोमुख घाट बिलगड़ा में संपन्न होगा। आयोजन समिति के रामेश्वर साहू,श्रीमती रानू साहू, श्रीमती वर्षा झरिया,नीलकमल झरिया ने सभी श्रद्धालु भक्तों से. धर्म लाभ लेने की अपील की है।

श्रीराम ने किया अहिल्या का उद्धार

सीता स्वयंवर में भाग लेने पहुंचे श्रीराम

गांधीग्राम, देशबन्धु। रामलीला मैदान गांधीग्राम में आदर्श रामलीला मण्डल चित्रकूट द्वारा अहिल्या उद्धार प्रसंग का मंचन किया गया।माता अहिल्या जिन्हें महर्षि गौतम ब्रह्म काल में गंगा स्नान करने गए।इंद्र और चंद्र ने अपनी मायावी विद्या का प्रयोग कर अहिल्या का पतिव्रत भंग किया।महर्षि गौतम ने इंद्रा और चन्द्र को शाप दिया साथ ही अहिल्या को शीला स्वरूप में हो जाने का भी श्राप दिया।

अपने इस शाप से महर्षि गौतम भी बहुत दुखी थे तब उन्होंने अहिल्या की शिला से कहा ङ्क जिस दिन तुम्हारी शिला पर किसी दिव्य आत्मा के चरणों की धूल स्पर्श होगी, उस दिन तुम्हारी मुक्ति हो जायेगी और तुम अपने पूर्वस्वरूप में पुन: लौट आओगी 7 इतना कह कर दुखी गौतम ऋषि हिमालय चले गये और जनकपुरी की कुटिया में अहिल्या की शिला युगों- युगों तक अपनी मुक्ति की प्रतीक्षा में कष्ट भोग रही थी 7श्रीराम के चरण रज पड़ते ही अहिल्या अपने वास्तविक रूप में आ गयी।इसके बाद मुनि विश्वामित्र के राम-लक्ष्मण सीता स्वयंवर में भाग लेने के लिए जनकपुर प्रस्थान करते हैं।उधर जनकपुर में सीता स्वयंवर में देश-देशांतर के राजाओं का जमावड़ा हुआ। राजा जनक ने भरे दरबार में घोषणा किया कि जो भी शिव धनुष भंग करेगा, उसी के साथ सीता का विवाह करेंगे। इस अवसर पर रामलीला आयोजन समिति के संरक्षक दुर्गोत्सव समिति प्रताप सिंह बघेल, दुर्गोत्सव समिति के अध्यक्ष महेश सेन, रेवाशंकर असाटी, गजराज सिंह बघेल, सुरेश असाटी, चमन असाटी, बबलू दुबे, विजय चौरसिया, लक्ष्मण काछी ,भागचंद साहू, उमेश असाटी, हरिशंकर तिवारी, गोरीशंकर, मंहगू, चौरसिया,अजय गौतम, बंटू मिश्रा,मनोहर तिवारी आदि सभी पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सार-समाचार

तीन तस्करों को 10 साल की कैद

सतना, देशबन्धु। गांजा की तस्करी करते मैहर से पकड़े गए तीन आरोपियों को अदालर्त ने 10-10 साल की सजा से दंडित किया है। जज योगीराज पांडेय की कोर्ट ने आरोपी शाहरुख खान पिता मुन्ना खान, अखिलेश शिवहरे पिता रामेश्वर शिवहरे और सुनील झा पिता उमाचरण झा निवासी बड़ौनी दतिया पर एक- एक लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। एजीपी रावेंद्र सिंह ने बताया कि नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो जोन को सूचना मिली कि आरोपी उड़ीसा सोनपुर से गांजा तस्करी कर ला रहे हैं। सूचना पर कार्रवाई करते हुए 26 जून 2020 को सोनवारी के टोलप्लाजा में आरोपियों को चार पहिया वाहन एमपी 33 जी 1843 समेत रोका। तलाशी के दौरान 138 पैकेट के अंदर गांजा पाए जाने पर मौके से जब्त कर आरोपियों को गिरफ्तार किया और विवेचना के बाद आरोप पत्र अदालत में प्रस्तुत किया। अदालत ने एनडीपीएस एक्ट की धारा 8 और 20ख एवं 29 का अपराध प्रमाणित पाए जाने पर आरोपियों को जेल और जुर्माने की सजा से दंडित किया है।

नगर के ऐतिहासिक बड़ी खेरमाई में हजारों महिला जल अर्पित कर करती है पुण्यंजन

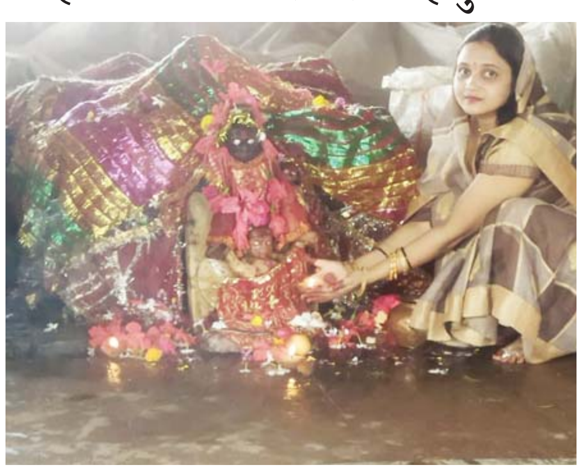

पनागर, देशबन्धु। नगर में हजारों वर्ष प्राचीन भारतीय पुरातत्व विभाग के अंतर्गत आने वाली खेरमाई मंदिर में प्रतिदिन प्रात 4-00 बजे से संपूर्ण दिन में हजारों महिलाएं पुरुष छोटी-छोटी बच्चियों जल जलकर इस शारदे नवरात्रि पर्व पर पुण्याजन करती हैं प्रतिदिन नगर की भक्ति मंडलों द्वारा अन्य पूजा अर्चना के साथ भक्ति आरती के आयोजन भी प्रारंभ हो गए हैं।

बाल विवाह मुक्त भारत की विद्यार्थियों को दिलाई शपथ

गोसलपुर, देशबन्धु। सिहोरा विकासखंड के अंतर्गत संचालित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गोसलपुर में सोमवार के दिन विद्यालय में अध्यनरत छात्र-छात्राओं को बाल विवाह मुक्त भारत सुरक्षित बचपन सुरक्षित भारत के तहत शपथ दिलाई गई छात्र-छात्राओं को शपथ दिलाते हुए विद्यालय के प्राचार्य राजबहादुर सिंह सोनकर ने कहा की बाल विवाह समाज के लिए अभिशाप है बाल विवाह मुक्त भारत के लिए हम सभी छात्र-छात्राओं को आगे आकर अपने समुदाय में बाल विवाह के खिलाफ सभी कदम उठाने पडेगे और किसी भी बच्चे का बाल विवाह न हो इस पर ध्यान देना होगा साथ ही बच्चों की शिक्षा बाल श्रम एवं बाल यौन शोषण सहित किसी भी प्रकार के शोषण और दुर्व्यवहार से भी हमें मिलकर सुरक्षा के लिए भी अपनी आवाज उठानी पड़ेगी इस मौके पर जिला समन्वय राजकुमार नामदेव,शिक्षक पी.एल रैदास, जनसेवा समिति के अध्यक्ष हेमचंद असाटी, श्रीमती शिखा वर्मा ,अरविंद कुमार श्रीवास ,उमेश पटेल ,श्रीमती अर्पणा शुक्ला, विजय कोटवार ,टीना सिंह, आनंद तिवारी सहित समस्त समस्त शिक्षक उपस्थित थे।

चल समारोह में प्रतिबंधित रहेगा डीजे, आचार संहिता के साए में निकलेगा चल समारोह

बरेला, देशबन्धु। विजयादशमी के चल समारोह में. डीजे पूर्णत: प्रतिबंधित रहेगा तथा रात्रि 10-00 बजे तकआचार संहिता लागू होने के कारण चल समारोह समाप्त हो जाएगा। उक्त आशय की जानकारी थाना परिसर में आयोजित शांति समिति की बैठक में थाना प्रभारी जितेन्द्र पाटकर ने नगर के जनप्रतिनिधियों और दुर्गा उत्सव समितियो के पदाधिकारी को दी।शांति समिति की बैठक में यह निर्णय लिया गया कि. 24 अक्टूबर दिन मंगलवार को विजयदशमी का चल समारोह निकाला जावेगा।यह चल समारोह भैरव बाबा मंदिर से प्रारंभ होकर बी टी आई तक जाएगा। आचार संहिता होने लगे होने के कारण. चल समारोह रात्रि 10 बजे तक समाप्त हो जाएगा। शांति समिति की बैठक में सीएमओसंजय पांडे, जे ई पी पी सिंह सहित नगर के राजनीतिक दलों के पदाधिकारी एवं नगर के गणमान्य नागरिक सम्मिलित हुए।

धमकी में बड़ी मात्रा में शराब जब्त

गांधीग्राम, देशबन्धु। मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव 2023 के चलते आदर्श आचार संहिता प्रभावशील है। नशे के कारोबारियों पर प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश एवं अवैध मदिरा के संग्रहण, विनिर्माण, परिवहन के अपराधों पर नियंत्रण के उद्देश्य से चलाये जा रहे अभियान के तहत कलेक्टर जबलपुर के निर्देशन में एवं सहायक आबकारी आयुक्त जबलपुर के मार्गदर्शन में वृत्त सिहोरा में पदस्थ आबकारी उप निरीक्षक जिनेन्द्र कुमार जैन के नेतृत्व में दबिश दी गयी।

इसी क्रम में सोमवार 16 अक्टूबर को प्रात: सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम धमकी थाना गोसलपुर मे कुंदन कुचबधिया अपने रिहायसी मकान मे बड़ी मात्रा मे शराब का संग्रह किये हुए है, यदि समय रहते कार्यवाही की जाय तो मदिरा बरामद की जा सकती है। तत्काल विशेष टीम बनाकर मौके हेतु रवाना हुए।

गवाहों के समक्ष कुंदन कुचबंधिया के रिहायसी मकान की तलासी ली गयी तलासी के दौरान 05 प्लास्टिक की जरिकेनो एवं एक प्लास्टिक के गुम्मे मे रखी 65.0 लीटर हाथ भट्टी महुआ मदिरा बरामद की गयी। मदिरा बरामद होने के पश्चात आरोपी मे पीछे के दरवाजे से भागने का प्रयास किया परन्तु तुरन्त दबोच लिया गया। आरोपी कुंदन कुचबंधिया पिता गटारे कुचबंधिया उम्र 21 वर्ष निवासी ग्राम धमकी थाना गोसलपुर जिला जबलपुर द्वारा उक्त मदिरा का धारण मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915, संशोधन 2000 की धारा 34(1) क, 34 (2) का दंडनीय गैर जमानती अपराध होने से गिरफ्तार कर प्रकरण को विवेचना में लिया गया। आरोपी को न्यायालय न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी सिहोरा के समक्ष पेश किया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। आरोपी के कब्जे से बरामद मदिरा की अनुमानित कीमत लगभग 10000 रुपये है। कार्रवाई के दौरान वृत्त सिहोरा के प्रभारी अधिकारी जिनेन्द्र कुमार जैन, आबकारी उपनिरीक्षक,नेकलाल बागरी, आबकारी मुख्य आरक्षक, फूल सिंह एटिया, संतलाल मरावी, अशोक सिंह बघेल, अमिता केशरवानी एवं ज्ञानेंन्द्र प्रताप सिंह आबकारी आरक्षक उपस्थित रहे।

आबकारी सिहोरा की कार्रवाई

कांग्रेस पार्टी के प्रत्याशियों को लोधी समाज की ताकत का एहसास कराएं : देवी पटेल

पाटन, देशबन्धु। अखिल भारतीय लोधी क्षत्रिय समाज मध्यप्रदेश जबलपुर के ग्रामीण अध्यक्ष देवी सिंह पटेल ने मीडिया से बातचीत के दौरान बताया कि जिले की तीन विधान सभा सीटों पर लोधी समाज निर्णायक भूमिका में हैं।

उन्होंने आगे बताया कि यदि हम जिले की तीन ग्रामीण विधान सभा सीटों की बात करे तो बरगी विधान सभा में लोधी समाज के मतदाता की संख्या लगभग 45000 हजार होगी वही पनागर विधान सभा में 35000 हजार के आस पास मतदाता है इसके अलावा पाटन विधान में लगभग 32000 लोधी मतदाता निर्णायक भूमिका में हैं वही सिहोरा एवं शहर की चारों विधान सभा में भी लोधी समाज निवासरत है। वास्तविक स्थिति को देखते हुए भारतीय जनता पार्टी ने बरगी विधान सभा से पूर्व विधायक प्रतिभा सिंह के पुत्र नीरज सिंह लोधी को प्रत्याशी घोषित करके लोधी समाज को सम्मानित किया है। परन्तु कांग्रेस पार्टी के द्वारा लोधी समाज को अनदेखा करते हुए तीनों विधान सभा सीटों से किसी भी लोधी समाज के नेता को टिकिट नहीं दिया जबकि कांग्रेस के पास लोधी समाज एवं अन्य समाज में मजबूत पकड़ रखने वाले लोधी नेताओं की कमी नहीं थी उसके बाबजूद लोधी समाज को अनदेखा करके जिले की किसी भी सीट से लोधी समाज को टिकिट न देकर कांग्रेस पार्टी ने अपनी मानसिकता उजागर कर दी है जिसकी वजह से लोधी समाज में कांग्रेस के प्रति भारी आक्रोश व्याप्त है। इसलिए लोधी समाज के ग्रामीण अध्यक्ष देवी सिंह पटेल, जिला महामंत्री रवि सिंह लोधी, नरहर पटेल, सूर्य प्रताप सिंह लोधी ने सामाजिक बंधुओ से अपील की है कि जिले की बरगी, पाटन, पनागर विधान सभा के भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में मतदान करके भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार को जिताकर कांग्रेस पार्टी को लोधी समाज की ताकत का एहसास कराने का समय आ चुका है। जिससे आने वाले समय में कोई भी दल लोधी समाज को अनदेखा न कर सके।

रेल सुरक्षा बल ने पकड़ी 23 लाख की चांदी

सतना, देशबन्धु। रेल सुरक्षा बल ने आदर्श आचार संहित का पालन करते हुए 46 लाख रुपए की नकदी जब्त करने के बाद अब 23 लाख रुपए कीमत की चांदी पकड़ी है। ट्रेन 12190 महाकौशल एक्सप्रेस में सवार एक युवक के पास 35.701 किग्रा वजन की चांदी की पायल मिली हैं। यह चांदी सतना के सराफा बाजार में बिकने जा रही थी। आरपीएफ के अनुसार, निरीक्षक सतना बब्बन लाल व निरीक्षक मैहर आदित्य निगम ने संयुक्त टीम का गठन किया है। जिसमें आरक्षक चेतराम प्रजापति सतना पोस्ट एवं आरक्षक आशीष उरमलिया मैहर पोस्ट ने सोमवार को ट्रेन 12190 महाकौशल एक्सप्रेस में निगरानी के दौरान कोच बी-1 में यात्रा कर रहे संदिग्ध व्यक्ति को जांचा। इसके पास एक ट्राली बैग, एक पिट्ठू बैग था। सतना रेलवे स्टेशन पर संदिग्ध यात्री को एएसआई एमपी मिश्रा, लोकेश पटेल, आरक्षक केशबली ने यात्री को बैग चेक कराने के लिए कहा तो उसने मना कर दिया। हंगामा करने लगा और रौब बताने लगा। ऐसे में उसे बैग के साथ आरपीएफ थाना सतना लाया गया। जांच तलाशी शुरू की गई और जांच का जिम्मा उपनिरीक्षक प्रदीप कुमार तिवारी को दिया गया। जांच में उसके बैग गवाहों के समक्ष चैक किए तो उसमें 35.701 किग्रा वजन की चांदी की पायल मिलीं। जिसकी अनुमानित कीमत 23 लाख 20 हजार 525 रुपए आंकी गई। जब्त चांदी के संबंध में संयुक्त आयुक्त, राज्य कर, एंटी इवेजन ब्यूरो सतना एवं इनकम टैक्स विभाग सतना से पत्राचार किया गया है। पकड़े गए व्यक्ति का नाम सुशील सोनी नागौद जिला सतना है जो राजा की मंडी आगरा से सतना आया था।

बाहर से आते हैं चांदी के गहने

सतना के सराफा बाजार में बाहर से ही चांदी के गहने आते हैं। इसके पहले भी चांदी के जेवर लाने वाले पकड़े जा चुके हैं। रेलवे में इनकी गहरी साठ गांइ रहती है इसलिए यह दो नंबर का कारोबार चलता रहता है। अब आरपीएफ की नजर तिरछी होने पर इन कारोबारियों को बड़ा नुकसान उठाना पड़ रहा है।

ग्रामीणों क्षेत्रों के दुर्गा पंडालों पर लग रहा भक्तों का ताता

पाटन देशबन्धु। तहसील के ग्राम बजरंग गढ़ में शारदेय नवरात्रि में ग्रामीणों के द्वारा पूरे विधि विधान से माता को विराजमान करके मैया के दरबार में पंडा द्वारा जवारे बोए गए है।

ग्रामीण इलाकों में सुबह 4 बजे से मैया जी के दर्शन करने एवं जवारों में जल चढ़ाने भक्त दूर दूर से आते है वही दुर्गा पंडालों में सुबह शाम मैया जी की आरती में सैकड़ों भक्त सम्मिलित होते है। इसके अलावा मैया जी के दरबार में महिलाओ के द्वारा भजन कीर्तन किए जा रहे है। मां के भक्तो ने बताया कि ऊपर टोला में विगत 2002 से मैया विराजमान होती चली आ रही है और ग्राम बजरंग गढ़ में मैया जी को प्रतिमा 3 जगह विराजमान होती है।

आवारा मवेशियों की चहलकदमी से राहगीर और वाहन चालक परेशान

नगर की मुख्य सड़कों पर बढ़ रही दुर्घटनाएं

पाटन, देशबन्धु। नगर के मुख्य सिविल कोर्ट चौराहे पर आवारा मवेशियों के झुंड से राहगीर एवं यातायात प्रभावित होता है इन आवारा मवेशियों के कारण राहगीरों का निकालना मुश्किल हो रहा है। नगर के प्रत्येक वार्डो में मवेशियों की टोली हर जगह नजर आती है।

कन्या शाला स्कूल के पास बाजार वार्ड एवं नगर के मुख्य द्वार पर मवेशियों के झुंड के झुंड सड़क पर खड़े हो जाते है जिसके कारण मोटर साइकिल, फोर व्हीलर आदि वाहनों का निकलना मुश्किल हो रहा है। ग्रामीण राघवेन्द्र सिंह ने बताया कि दुकान के सामने समान खरीदकर थैला मोटर साइकिल में टांगने के बाद अगर जरासी नजर हटाई तो आवारा पशुओं के द्वारा उक्त थैले को मुंह से फाड़ कर गिरा दिया जाता है। नागरिकों ने बताया कि कभी कभी आवारा पशु के सड़क पर बैठने या खड़े होने से भारी वाहनों की टक्कर लग जाती है जिससे बेजुबान मवेशी घायल होकर इनकी मौत हो रही है। परंतु जिम्मेदार इस ओर कोई ध्यान नही देते है। बताया जाता है की पाटन में कोई भी गौशाला नही होने से आवारा पशुओं को तेदुखेड़ा स्थित गौ शाला भेजा जाता है। जिसकी वजह से नगर परिषद पाटन भी आवारा पशुओं को पकड़ने का कोई अभियान नहीं चलाती है। क्योंकि आवारा पशुओं को पकड़ना तो आसान है लेकिन उनको तेदुखेड़ा जिला दमोह में स्थित गौशाला में शिफ्ट करना बेहद मुश्किल काम है। यही कारण से सड़क, चौराहों पर आवारा पशुओं का जमावड़ा रात दिन लगा रहता है।

जबलपुर, मंगलवार 17 अक्टूबर 2023
संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

जलवायु परिवर्तन: बच्चों के छूटते स्कूल

लगभग तीन दशकों से अंतरराष्ट्रीय मंचों से इस बात पर गहन चिंता प्रकट हो रही है कि जलवायु परिवर्तन का तमाम देशों के लोगों पर बहुत ही विपरीत असर पड़ रहा है। शायद ही ऐसा कोई वर्ग हो जो इससे प्रभावित न हो रहा हो। लोगों के सामने यह साफ है कि जिस तेजी से दुनिया की जलवायु में बदलाव हो रहा है उसके चलते कुछ समय के बाद कई शहरों और इलाकों के सामने उनके अस्तित्व का ही संकट खड़ा हो जायेगा। लोगों के पलायन, विस्थापन और पुनर्वास का मसला बहुत बड़ा रहेगा। पहाड़ी क्षेत्र हों या मैदानी, समुद्र तट के इलाके हों या फिर रेगिस्तानी, जलवायु परिवर्तन के असर से शायद ही कोई अछूता रह सकेगा। स्वाभाविक है कि ऐसे क्षेत्रों में रहने वालों के सामने कोई अन्य विकल्प नहीं रह जायेगा कि वे प्रभावित क्षेत्रों को छोड़कर अन्यत्र आसरा लें। अपने मूल स्थानों को छोड़ने से किस तरह से अन्य संकट मानव जीवन में आते हैं, यह अब दुनिया भर में देखा जा रहा है। कटते जंगलों या डूबते तटीय इलाकों को छोड़कर जाने वालों के सामने रोजी-रोटी के संकट से लेकर अपने जीवन को फिर से व्यवस्थित करने की बड़ी चुनौती होती है। नयी जगह पर खुद को ढालना मुश्किल होता है, यह भी सब जानते हैं।

जलवायु परिवर्तन का जो असर मानव जीवन पर होगा, उसके विभिन्न पहलुओं पर गहन अध्ययन दुनिया भर के वैज्ञानिक, समाजशास्त्री एवं अन्य विधाओं के लोग कर रहे हैं। विभिन्न शोध एवं विश्वविद्यालयीन अध्ययन अनेक तरह के निष्कर्ष लेकर सामने आए हैं। ऐसे सभी शोध मनुष्य के भविष्य को लेकर भयावह तस्वीरें बयां करते हैं। प्रभावित लोगों के समक्ष आजीविका से लेकर सांस्कृतिक नुकसानों तक की चर्चा होती है। लगभग हर वर्ष अनेक शासकीय व अशासकीय स्तर पर कार्यरत संस्थाएं और संगठन इस विषय पर सभा-सम्मेलन आयोजित करते हुए इस दिशा में अनेक प्रकार के उपाय सुझाते हैं। राष्ट्र संघ की भी चिंताओं में यह विषय शामिल है। फिर भी इसमें बहुत कामयाबी मिलती नहीं दिखाई दे रही है। विभिन्न कारणों से होने वाले कार्बन उत्सर्जन में कमी लाना जलवायु परिवर्तन को रोकने में बहुत सहायक हो सकता है परन्तु ज्यादातर देश इस लक्ष्य को पाने में नाकाम रहे हैं।

इसी क्रम में आई एक नयी रिपोर्ट बतलाती है कि ग्लोबल वार्मिंग का एक बहुत बड़ा असर दुनिया भर के बच्चों पर हो रहा है। यूनिसेफ की ताज़ा रिपोर्ट बतलाती है कि जलवायु परिवर्तन के कारण आने वाली बाढ़, तूफान, सूखा व जंगलों की आग के कारण हर रोज 20 हजार बच्चे स्कूल छोड़ने के लिये मजबूर हो रहे हैं। 44 देशों में हुए इस अध्ययन के आधार पर तैयार रिपोर्ट के अनुसार 2016 से 2021 के बीच 4.31 करोड़ बच्चों को शालाएं छोड़नी पड़ीं। अकेले हो या सपरिवार, विस्थापन के चलते भारत, चीन और फिलीपींस में ही 2.23 करोड़ विद्यार्थियों ने पढ़ाई छोड़ दी। बाढ़ व तूफान प्रमुख कारण रहे हैं। अनुमान व्यक्त किया गया है कि जिस तरह से मौसम का बदलाव जारी है, 30 वर्षों में 10 करोड़ से ज्यादा बच्चे केवल इन्हीं कारणों से शालाएं छोड़ देंगे। डोमिनिका, वानुआतु जैसे छोटे द्वीपीय देशों में रहने वाले बच्चे तूफान से सर्वाधिक प्रभावित हुए हैं। दूसरी तरफ, जहां बाढ़ ने बच्चों का जीवन तहस-नहस किया. उनमें सोमालिया व सूडान सबसे ऊपर हैं। सूखे के कारण 13 लाख और जंगलों में लगने वाली आग से 8 लाख से अधिक बच्चे विस्थापित हुए जिसके कारण उनके स्कूल छूटे हैं। कनाडा, इज़रायल तथा अमेरिका में सबसे ज्यादा ऐसी आगजनी हुई है। रिपोर्ट यह भी कहती है कि दुनिया भर के बच्चों को अच्छी तरह से पढ़ाने के लिये और भी 4.5 करोड़ शिक्षकों की आवश्यकता है।

बच्चों को लेकर प्रकाशित हुई यह रिपोर्ट केवल जलवायु परिवर्तन के सन्दर्भ में है। गरीबी, बेरोजगारी, अकाल, भूकम्प, युद्ध, दंगे, सरकारी उत्पीड़न, पलायन, अलगाववादी या आतंकी संगठनों चलाये जाने वाले अभियानों के तहत होने वाली कार्रवाइयों जैसे और भी अनेक कारण होते हैं जिनसे बच्चों की पढ़ाई छूटती है। इज़रायल-फिलीस्तीन युद्ध को ले लें या फिर भारत के मणिपुर को देखें, तो बच्चों की पढ़ाई पर इसका असर हो रहा है। कुछ राज्यों में माओवादियों द्वारा स्कूल या तो बर्बाद किये जाते रहे हैं या उनकी दहशत के कारण लोग अपने बच्चों को स्कूल भेजना बन्द कर देते हैं।

ऐसे स्थलों से होने वाले पलायन के कारण बच्चों की शालाएं पीछे रह जाती हैं। ग्रामीण इलाकों में अकाल पड़ने पर परिवारों के सामने आजीविका सम्बन्धी संकट आ खड़ा होता है फलत: वे पलायन कर जाते हैं। शहरी क्षेत्रों में उन्हें रोजगार तो मिल जाता है लेकिन वे बच्चों की शिक्षा जारी नहीं रख पाते या छूट चुकी पढ़ाई को पुन: प्रारम्भ नहीं कर पाते। वे जगह-जगह काम के लिये घूमते रहते हैं। इसके चलते उनके लिये सम्भव नहीं रह जाता कि बच्चों को कोई स्थायी स्कूल प्रदान करा सकें। ऐसे एक नहीं बहुतेरे कारण होते हैं जिनके चलते बच्चों को उनके स्कूल व अध्ययन को छोड़ना पड़ता है। कारण जो भी हो, जलवायु परिवर्तन का बच्चों की शिक्षा पर होने वाले असर के बहाने से ही सही, सभी देशों की सरकारों के लिये यह इस निश्चय को दोहराने का अवसर है कि बच्चों की पढ़ाई-लिखाई के व्यवधान दूर हों। एक आधुनिक व सभ्य समाज के निर्माण में शिक्षा की भूमिका व योगदान को बतलाये जाने की ज़रूरत नहीं है। इसलिये सारी सरकारें और विश्व मंच इस मुद्दे पर गम्भीरतापूर्वक विचार कर हल निकाले ताकि किसी भी बच्चे को शाला न छोड़नी पड़े।

...अम्मा चलीं मदर ऑफ डैमोक्रेसी कहलाने

नरेंद्र मोदी राज के गरीबों का कल्याण करने के अति-प्रचार पर पानी फेरते हुए, एक बार फिर वैश्विक भूख सूचकांक तैयार करने वाले प्रतिष्ठित संगठनों ने दिखाया है कि मौजूदा निजाम में गरीबों की हालत, वास्तव में बद से बदतर होना जारी है। कहने की जरूरत नहीं है कि भूख का पैमाना, आम जनता की दशा का न्यूनतम से न्यूनतम पैमाना है, जो दिखाता है कि पेट भर जरूरी आहार हासिल करने की न्यूनतम जरूरत पूरी कर पाने से भी गरीब कितनी दूर हैं। और इस न्यूनतम पैमाने पर भारत, जो जीडीपी के लिहाज से दुनिया की पांचवीं बल्कि चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने का दम भरता है और जल्द ही तीसरे स्थान पर पहुंच जाने की शेखी मारता है, 2023 के लिए की गई गणना में, दुनिया के उल्लेखनीय रूप से भूख से प्रभावित 125 देशों में, 111वें नंबर पर निकला है। पड़ौसी देशों में लंबे पश्चिमी कब्जे तथा उसके खिलाफ युद्ध से तबाह अफगानिस्तान और अफ्रीकी गरीब देशों में सोमालिया समेत, कुछ चौदह देश ही हैं, जहां की जनता भारत से भी ज्यादा भूख की मारी हुई है। याद रखने की बात है कि बांग्लादेश की तो बात छोड़ ही दें, पड़ौसी देशों में उस पाकिस्तान में भी हालात भारत से बेहतर हैं, जहां आटे के ऊंचे दाम और भूख के चलते दंगों की खबरें भारत का गोदी मीडिया बड़े चटखारे लेकर प्रसारित करता है। और उस श्रीलंका से भी, जहां पिछले साल भूख की मारी जनता बगावत पर उतर आई थी और राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री समेत सरकार को एक मौके पर तो देश छोड़कर ही भागना पड़ा था!

जहां तक भूख सूचकांक का ही सवाल है, पिछले एक साल में भारत चार अंक नीचे ही खिसका है। 2022 के सूचकांक में भारत, 107वें नंबर पर था। वास्तव में यह कहना भी गलत नहीं होगा कि मोदी राज में भूख सूचकांक पर भारत लगातार और वास्तव में तेजी से नीचे ही खिसकता रहा है। फिर भी, 2006 से शुरू हुए इस सूचकांक में शामिल भूख के मारे देशों की संख्या चूंकि लगातार बढ़ती रही है, देशों की भूख की स्थिति की शुद्ध गणना का पैमाना मानने के बजाय, इसे भूख के पहलू से देशों की तुलनात्मक स्थिति का पैमाना मानना ही ज्यादा सटीक होगा। मिसाल के तौर पर पिछले साल भारत, 121 देशों में से 107वें नंबर पर था, जबकि इस बार इस सूचकांक में शामिल देशों की संख्या, चार देशों के और जुड़ने के साथ, 125 हो गई है और भारत 111वें अंक पर खिसक गया है। ऐसे में मुश्किल होते हुए भी सैद्धांतिक रूप से यह असंभव नहीं है कि सभी चार देश, भारत से कम भूख वाले जुड़े हों और इसलिए, भारत का पिछले साल से चार अंक नीचे खिसक जाना, अपने पीछे उसके जहां के तहां बने रहने की ही सच्चाई छुपाए हो। बहरहाल, भारत किसी भी तरह से पिछले साल की अपनी स्थिति के मुकाबले, दूसरे देशों की तुलना में भी रत्तीभर सुधार का भी दावा नहीं कर सकता है।

इस सिलसिले में यह भी गौरतलब है कि आयरलैंड तथा जर्मनी की दो गैर-सरकारी संस्थाओं—कंसर्न वर्ल्डवाइड और वेल्ट हंगरहिल्फ—द्वारा हर साल तैयार की जाने वाली विश्व में भूख की स्थिति पर यह प्रतिष्ठित रिपोर्ट, महज आहार और पोषण की उपलब्धता पर ही आधारित नहीं होती है। इस रिपोर्ट में कुल चार पैमानों को लिया जाता है यानी आहार गत स्थिति के अलावा, पांच वर्ष तक की आयु के बच्चों की अल्पविकास या वेस्टिंग यानी लंबाई के अनुपात में वजन के कम रहने का दर्जा। तीसरा पैमाना है, बच्चों का ठिग्गापन या स्टंटिंग यानी उम्र के अनुपात में, लंबाई कम रहने का दर्जा। और आखिरी पैमाना है, पांच वर्ष तक के बच्चों के लिए मृत्यु दर। भूख की दशा के इस माप में, आहार या पोषण की आम स्थिति के अलावा, बच्चों से संबंधित तीन पैमाने जोड़े जाना, विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। यह इस माप को बच्चों के विकास पर पड़ रहे प्रभाव का माप करने के जरिए, सिर्फ तात्कालिक भूख से बढ़कर, भूख के टिकाऊ रुझान का माप बना देता है। और यह माप, किसी भी देश के भविष्य के लिए परिप्रेक्ष्य के रूप में भूख को सामने लाता है, यह तो खैर स्वत:स्पष्ट ही है।

राजेंद्र शर्मा

> जहां तक भूख सूचकांक का ही सवाल है, पिछले एक साल में भारत चार अंक नीचे ही खिसका है। 2022 के सूचकांक में भारत, 107वें नंबर पर था। वास्तव में यह कहना भी गलत नहीं होगा कि मोदी राज में भूख सूचकांक पर भारत लगातार और वास्तव में तेजी से नीचे ही खिसकता रहा है। फिर भी, 2006 से शुरू हुए इस सूचकांक में शामिल भूख के मारे देशों की संख्या चूंकि लगातार बढ़ती रही है।

यह रिपोर्ट बताती है कि भारत में 18.7 फीसद बच्चे वेस्टिंग के शिकार हैं। यह अनुपात, दुनिया भर में सबसे ज्यादा है। इस अनुपात का 15 फीसद से ज्यादा होना ही 'अत्याधिक' चिंताजनक की श्रेणी में आता है और भारत में यह अनुपात इस श्रेणी में भी कहीं ज्यादा है। भारत, भूख के मारे इन 125 देशों भी इकलौता है, जहां चाइल्ड वेस्टिंग को 'अत्याधिक' चिंता की श्रेणी में रखा गया है। यह समझना मुश्किल नहीं है कि इसे ही कुपोषण का सबसे बुरा रूप तथा खराब संकेतक माना जाता है। जहां तक बच्चों की ही स्थिति से जुड़े दूसरे पैमाने, ठिग्गेपन या स्टंटिंग का सवाल है, भारत में 35 फीसद बच्चे अपनी उम्र के अनुपात में कम लंबे हैं। इस मामले में भी भारत की स्थिति को 'अत्यधिक' जोखिम की स्थिति की श्रेणी में रखा गया है, हालांकि इस मामले में भारत की ही स्थिति सबसे बुरी नहीं है। कई अफ्रीकी तथा पूर्वी एशिया के भी कुछ देशों की स्थिति, इस मामले में भारत से भी बदतर है। तीसरे पैमाने पर, जो कि पांच वर्ष तक आयु के बच्चों की मौत का पैमाना है, भारत में करीब 3.1 फीसद बच्चे पांच वर्ष तक नहीं जीते हैं और इस मामले में भारत को 'कम जोखिम' की श्रेणी में रखा गया है। रही बात आबादी के कुपोषण या अल्पपोषण की तो, 16.6 फीसद अल्पपोषित आबादी के साथ, भारत की स्थिति को 'मध्यम' जोखिम की स्थिति की श्रेणी में रखा गया है। और कुल मिलाकर, भारत का ग्लोबल हंगर इंडैक्स स्कोर 28.7 है, जो भूख की 'गंभीर' स्थिति को दिखाता है। इस सूचकांक में शामिल किए गए 125 देशों में से भी सिर्फ 40 देश ही 'गंभीर' भूख की श्रेणी में आते हैं और दुनिया का सबसे तेजी से विकास कर रहा देश होने का दावा करने वाला भारत, इसी श्रेणी में शामिल है।

हैरानी की बात नहीं है कि मोदी राज ने पिछले कई वर्षों की तरह, एक बार फिर विश्व भूख सूचकांक को सिरे से खारिज कर दिया है। वास्तव में मोदी राज का यह तरीका ही बन गया है कि जो भी सूचकांक, उसके शानदार प्रदर्शन की गवाही नहीं देता है, उसे गैर-तथ्यपूर्ण से लेकर, दुर्भावनापूर्ण तक कहकर खारिज ही कर दिया जाता है। मिसाल के तौर पर, प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक पर भारत, 2023 में दुनिया के 180 देशों में खिसक कर 161वें स्थान पर पहुंच गया है, जबकि पिछले साल वह 151वें स्थान पर था। कहने की जरूरत नहीं है कि भूख सूचकांक की ही तरह, प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक पर भी भारत तेजी से रसातल की ही ओर ही बढ़ता जा रहा है और मोदी राज इस सूचकांक को भी उतनी ही हिकारत के साथ खारिज करता आया है। ऐसा ही किस्सा, धार्मिक स्वतंत्रता आदि से संबंधित रिपोर्टों का भी है। अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों को ही नहीं, देश के स्तर पर भी मोदी राज ने अप्रिय वास्तविकताओं को छुपाने के लिए, आंकड़ों और सूचकांकों को दबाने को ही नियम बना लिया है। लेकिन, इस मामले में तो मोदी सरकार, भूख की सच्चाइयों को झुठलाने के लिए यह दलील देने की हद तक चली गई है कि भारत में बच्चों की स्टंटिंग तथा वेस्टिंग को, भूख के साथ जोड़ना ही गलत है और पांच साल से कम की आयु में मौतों का भी भूख से संबंध नहीं जोड़ा जा सकता है, आदि। यानी मोदी सरकार सच को छुपाने के लिए यह दलील देने तक के लिए तैयार है कि बच्चों के स्वास्थ्य पर, जिसमें उनका जीवन भी शामिल है, भूख के प्रभाव को, भूख का संकेतक नहीं माना जा सकता है! लेकिन, यह सिर्फ भूख का नहीं, ऐसी भूख का मामला है, जो देश के भविष्य को, अगली पीढ़ी को ही कमजोर कर रही है।

लेकिन, जैसा कि मोदी राज ने नियम ही बना लिया है, वह सौ बार झूठ बोलकर, सच को ही नकारने में लगा है। भूख सूचकांक पर देश के दयनीय प्रदर्शन को झुठलाने की कोशिश में, प्रधानमंत्री मोदी ने हाल ही में उत्तराखंड के अपने सरकारी दौरे पर जोर-शोर से इसकी डींग हांकी कि उनके राज में पिछले पांच साल में साढ़े तेरह करोड़ लोगों को गरीबी से ऊपर उठाया गया है! यह दावा, गरीबी के ऐसे झूठे मापों की तुलना के आधार पर किया जा रहा है, जिनके आधार ही अलग-अलग होने की वजह से, जिनकी तुलना की ही नहीं जा सकती है। सच्चाई यह है कि भारत में स्वतंत्रता के बाद से, गरीबी को ग्रामीण क्षेत्र में प्रतिव्यक्ति प्रतिदिन 2200 कैलोरी और शहरी क्षेत्र में 2100 कैलोरी आहार तक पहुंच के जिस मानक से परिभाषित किया जाता था, उसे ही पिछले ही अनेक वर्षों में धीरे-धीरे त्याग दिया गया। नतीजा यह हुआ कि वास्तव में आहार की स्थिति दरिद्र से दरिद्रतर होती गई, फिर भी सरकारी आंकड़ों में गरीबी घटती गई। और अब तो मोदी राज ने गरीबी के माप के उस दिखावे को भी त्याग दिया है और मनमाने संकेतकों के बल पर, मनचाहे दावे किए जा रहे हैं। नतीजा यह कि सरकारी दावों में गरीबी जितनी तेजी से घट रही है, जनता के बीच भूख उतनी ही तेजी से फैल रही है। और वह शासन जो अस्सी करोड़ लोगों को पांच किलो मुफ्त राशन बांटने का इतना ढोल पीटने के बावजूद, देश को 'गंभीर' भूख के चंगुल तक से निकाल नहीं पा रहा है, खुद ही अपने मुंह से मदर ऑफ डैमोक्रेसी के दावे कर रहा है।

(लेखक साप्ताहिक पत्रिका लोक लहर के संपादक हैं।)

हमास के अमानवीय हमले से नेपथ्य में जाती फ़िलिस्तीन के अधिकारों की लड़ाई

हमास के आतंकी हमले के नृशंस और अमानवीय रूप ने फ़िलिस्तीन का ही सबसे ज़्यादा नुक़सान किया है। हमास के अत्याचार के फ़ोटो-वीडियो आदि देखकर लोग बदले के उन्माद में फ़िलिस्तीन के नागरिकों के मानवाधिकारों की बात ही भूल गए हैं तो फ़िलिस्तीन की आज़ादी की मांग बहुत नेपथ्य में चली गई है। हमास ने इज़राइल पर अप्रत्याशित हमला कर सैकड़ों इज़राइलियों को मौत के घाट उतारकर फ़िलिस्तीन के लिए तो आत्मघाती क़दम उठाया ही, पूरे विश्व की शांति को भी ख़तरे में डाला है।

ज़ाहिर तौर पर हमास के आतंकियों को इस हमले के लिए आवश्यक साधन और ट्रेनिंग उसे समर्थन दे रहे मुट्ठी भर देशों से मिली। इसके बिना हमास की ताक़त नहीं थी कि विश्व की सबसे बेहतरीन इंटेलीजेंस एजेंसी माने जाने वाली मोसाद, इज़राइल के मित्र देशों के इंटेलीजेंस नेटवर्क, इज़राइल के अभेद माने जाने वाले सुरक्षा चक्र और यहां तक कि हवाई हमलों से बचने की इज़राइल की तकनीक को विफल कर दे। यह हमला इतना अनपेक्षित था कि इज़राइल की सेना को स्थिति समझने और सम्भालने में कई घंटे लगे। लेकिन जब इज़राइल की सेना जागी तब दूसरी ओर का नरसंहार तय था। हमास की ग़लती की सज़ा पूरा फ़िलिस्तीन ख़ासकर ग़ाज़ा पट्टी का क्षेत्र भुगत रहा है। यहां हमास के आतंकवादियों के साथ आम नागरिक- बच्चे, बूढ़े, महिलाएं सभी बड़ी तादाद में मारे जा रहे हैं, लेकिन दुर्भाग्य से फ़िलिस्तीनियों के मानव अधिकारों की बात करने वालों का अकाल सा पड़ गया लगता है। दुनिया के बहुत सारे देशों के नागरिक ग़ाज़ा पट्टी के नेस्तनाबूद होने के इंतज़ार में लग रहे हैं। इस समय इज़राइल की सेना के हर हमले को शांतिप्रिय समझे जाने वाले देशों के नागरिक भी बड़े उत्साह से देख रहे हैं और उसे समर्थन दे रहे हैं। ऐसे माहौल में शांति और आम फ़िलिस्तीनी नागरिक के अधिकार की बात बहुत पीछे छूट गई लगती है, जो कि एक दुखद मंज़र है।

यूं देखा जाए तो फ़िलिस्तीन उन दुर्भाग्यशाली देशों में है जिसकी क़िस्मत में शांति अमूमन कम ही रही है। यास्सेर अराफ़ात के करिश्माई व्यक्तित्व और ख़ूबियों के कारण फ़िलिस्तीन के मुक्ति संघर्ष को न सिर्फ दुनिया के कई मुल्कों का समर्थन मिला बल्कि भारत में इंदिराजी, अटलजी सहित अनेक नेताओं से अराफ़ात के बहुत ही प्रेमपूर्ण सम्बंध रहे। हिंसक संघर्ष से शुरुआत कर यास्सेर अराफ़ात ने जब शांति का मार्ग अपनाया और अमेरिका की मध्यस्थता में इज़राइल के साथ 1993 में ऐतिहासिक ओस्लो शांति समझौता किया तब फ़िलिस्तीन को शांति के कुछ वर्ष बमुश्किल नसीब हुए। इन वर्षों में फ़िलिस्तीन में लोकतंत्र की बयार भी आई और फिलिस्तीनी लेजिस्लेटिव काउंसिल का गठन भी हुआ। पहला चुनाव अराफ़ात की फ़तह पार्टी जीती भी। वर्ष 2004 में अराफ़ात की रहस्यमय कारणों से मृत्यु के एक-दो वर्ष पूर्व से उनकी राजनैतिक मुश्किलें बढ़ीं, सत्ता अपनी ही पार्टी के दूसरे व्यक्ति को सौंपनी पड़ी और हत्या की साज़िशों का सामना करना पड़ा। लेकिन 2006 अपने दूसरे और आखिरी चुनाव में पूरी दुनिया को चौंकाते हुए फ़िलिस्तीनियों ने आतंक का मूल स्वर रखने वाले संगठन हमास को सत्ता में बैठा दिया। तब से ही फ़िलिस्तीन में न सिर्फ नस्लीय कट्टरता बढ़ी, हिंसा लौटी बल्कि विकास के सारे रास्ते भी अवरुद्ध होते गए। आज स्थिति यह है कि फ़िलिस्तीन में हज़ारों घायलों के इलाज में भी मुश्किल आ रही है क्योंकि इज़राइल ने बिजली समेत अनेक ज़रूरी चीज़ों की आपूर्ति अवरुद्ध कर दी है। ग़ाज़ा पट्टी पर एक लाख सैनिकों, हथियारों आदि के साथ इज़राइली सेना की तैनाती के बाद भी हमास की ओर से रॉकेट के हमले जारी रहे जिनका ख़ामियाज़ा ज़ाहिर तौर पर फ़िलिस्तीन के निरपराध नागरिक भी भुगतेंगे। आतंकवादी संगठन के हाथ में सत्ता सौंपना ही फ़िलिस्तीनी नागरिकों का वो अपराध है जिसकी सज़ा वे लगातार भुगत रहे हैं और आगे भी भुगतने को अभिशप्त हैं।

हमास को ईरान के अलावा लेबनान के हिज़बुल्ला, चीन, रूस आदि चंद देशों का समर्थन सदैव हासिल तरह रहा है। सऊदी अरब जैसे देशों ने हमले के बाद फ़िलिस्तीनी अधिकारों की भी बात की है। उधर इज़राइल को अमेरिका और ज़्यादातर यूरोपियन देशों, सहित लगभग 84 देशों का समर्थन प्राप्त हो चुका है। अमेरिका ने अपने सैनिक विमानों से लैस युद्धपोत इज़राइल की मदद के लिए भेज दिए हैं। मोटे तौर पर दुनिया के देशों की प्रतिक्रिया जहां हमले की निंदा के मुद्दे पर एकमत है वहीं फ़िलिस्तीन और शांति की बात पर विभक्त। दु:ख की बात यह है कि ज़्यादातर देशों के नेताओं ने शांति की कोई मांग की ही नहीं है। अन्तरराष्ट्रीय मीडिया में भी इज़राइल के शौर्य को ललकारा जा रहा है और उसके बदले की कार्रवाई को बहुत बढ़ा-चढ़ाकर गौरवान्वित किया जा रहा है। फ़िलिस्तीन में मारे जा रहे बच्चों - महिलाओं, बुज़ुर्गों की आवाज़ उठाने वाला कोई नहीं। ऐसा लग रहा है कि पूरे फ़िलिस्तीन को ही आतंकवादी संगठन हमास के रूप में देखा जा रहा है। इस भ्रांति को तोड़े जाने की ज़रूरत है। हमास की ग़लतियों की सज़ा पूरे फ़िलिस्तीन के नागरिकों को देना ठीक नहीं। विश्व के बड़े नेताओं को अब शांति की पहल भी करना चाहिए। मुख्य रूप से इस्लामिक देशों का फ़िलिस्तीनियों से जुड़ाव इस सारे मामले को अलग स्वरूप दे रहा है। यद्यपि अभी तक इज़राइल ने किसी दूसरे देश से सैन्य सहायता नहीं मांगी है, लेकिन निकट भविष्य में यदि अंतरराष्ट्रीय ध्रुवीकरण हुआ तो विश्व शांति पर आंच आने की सम्भावना एकदम निर्मूल भी नहीं।

आलोक बाजपेयी

> यह समय विश्व के नेताओं के लिए परीक्षा की घड़ी है, जब वे अपने शांति प्रयासों से मानवता की रक्षा के लिए प्रयास कर सकते हैं। नफ़रत बढ़ाना और उन्मादी होकर क़त्लेआम देखना कम से कम हमारी संस्कृति नहीं। याद रखिए कि गांधीजी ने कहा था कि आंख के बदले आंख का रास्ता एक दिन पूरी दुनिया को अंधों के रहने की जगह बना देगा।

यदि किसी भी विवाद में एक पक्ष मुस्लिम और दूसरा ग़ैर मुस्लिम हो तो उस विषय में भारतीयों के कुछ बड़े तबकों की रुचि बढ़ जाती है। ऐसे मामलों को अक्सर साम्प्रदायिक चश्मे से देखा जाता है। इसीलिए भारत में जहां मुस्लिम संगठन से युद्ध के कारण इज़राइल को हीरो मानने वाला तबक़ा भी है तो बिना हमास के कुकर्मों की निंदा किए फ़िलिस्तीन का समर्थन करने वाला तबक़ा भी। शासन के दबाव में प्रशासन फ़िलिस्तीन के समर्थन में रैली आदि निकालने वालों पर एफ़आईआर जैसे मामले भी सामने आने लगे हैं। कुल मिलाकर भारत में इस विवाद को अपने पसंदीदा चश्मे से देखा जा रहा है। किसी को याद नहीं कि फ़िलिस्तीन किसी समय भारत का मित्र होता था और स्व. श्रीमती इंदिरा गांधी को यास्सेर अराफ़ात अपनी बहन मानते थे और वे अटलजी के भी बेहद क़रीब रहे। सोशल मीडिया पर भी अपनी पसंद - नापसंद के इज़हार के साथ असली -नक़ली वीडियो भी ख़ूब वायरल हो रहे हैं। जिस तरह से घटनाक्रम चल रहा है उससे यह भी स्पष्ट है कि अभी कुछ दिन और यह मुद्दा भारत में भी अपने अपने नैरेटिव के हिसाब से सोशल मीडिया पर सुर्खियां बनाता रहेगा और बहसों का केंद्र रहेगा। यह समय विश्व के नेताओं के लिए परीक्षा की घड़ी है, जब वे अपने शांति प्रयासों से मानवता की रक्षा के लिए प्रयास कर सकते हैं। नफ़रत बढ़ाना और उन्मादी होकर क़त्लेआम देखना कम से कम हमारी संस्कृति नहीं। याद रखिए कि गांधीजी ने कहा था कि आंख के बदले आंख का रास्ता एक दिन पूरी दुनिया को अंधों के रहने की जगह बना देगा। तो आइये अब लौट चलें शांति और मानवाधिकारों की ओर। हिंसा हमेशा बुरी है और शांति सदैव श्रेष्ठ। आइये शांति की उम्मीद और प्रार्थना करें।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं संस्कृतिकर्मी हैं।)

पावन प्रसंग

शक्ति व साधना का पर्व : नवरात्रि

वर्षभर में नवरात्रि दो बार आती है। नवरात्रि में नौ देवियों की पूजा का विशेष महत्व है। यह पर्व शक्ति साधना का पर्व कहलाता है। वैज्ञानिक दृष्टि से जिस समय नवरात्रि आती है वह काल संक्रमण काल कहलाता है। शारदीय नवरात्रि के अवसर पर जहां शीत ऋतु शुरू होती है। दोनों ही समय वातावरण में विशेष परिवर्तन होता है। जिसमें अनेक प्रकार की बीमारियां होने की संभावना रहती है। उपवास के माध्यम से शरीर के बढ़े हुए या कम हुए तापमान को नियंत्रित कर शुद्ध आचार-विचार, आहार के द्वारा नई ऊर्जा प्राप्त करते हैं। ऐसा करने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ जाती है।

वासंतिक नवरात्रि से भारतीय नवरात्रि से भारतीय नववर्ष शुरू होता हैं। विक्रमी संवत् का प्रारम्भ गुप्त वंश के महान सम्राट विक्रमादित्य के विदेशी आक्रमणकारी जो लगभग अजेय थे उन शंकों को परास्त कर विजय स्मृति के रूप में प्रारम्भ किया था। भारत में प्रचलित सभी कला गणनाओं के अनुसार सभी संवतों का प्रथम दिन भी चैत्र शुक्ल प्रथम ही हैं। नवरात्रि के तहत नौ दिन मां भगवती के नौ रूपों की पूजा अर्चना कर उपवास रखा जाता है। वर्ष में दो बार आने वाले इन नवरात्रों के तहत दुर्गा मंदिरों में विशेष उत्सव और समारोह होते ही हैं अधिकांश भारतीय परिवारों में देवी की विशेष पूजा व हवन भी किये जाते हैं। इन दिनों देवी के निमित्त व्रत रखने का विधान हैं। यदि नौ दिन के व्रत रखना संभव न हो तो पहले और अंतिम नवरात्रि का व्रत रखना चाहिए। इसका समापन कन्याओं को भोजन करवाकर उन्हें वस्त्र, पैसे आदि भेंट करने से होता है।

नवरात्रों में मंदिर जाएं या नहीं घर पर एक निश्चित स्थान पर पूजन करने का शास्त्रों में विधान है। पूजा स्थल का यदि फर्श कच्चा है तो गोबर से लीप कर और यदि फर्श पक्का है तो पानी से धोकर वहां लकड़ी का एक पटरा रखा जाता हैं और घड़े या लोटे में जल भर कर कलश की स्थापना की जाती है। सिंहवाहिनी भगवती दुर्गा का चित्र पटरे पर रखा जाता है। कलश पर नारियल को लाल कपड़े से लपेटकर रखा जाता है। इस प्रकार आठ या नौ दिन पूजा के बाद महालक्ष्मी का रामनवमी की पूजा कर कन्या का पूजन भी किया जाता है। कन्याओं को रोली का टीका लगाकर उनके हाथ में मौली बांधी जाती है। कई लोग घर में रखे गये श्री दुर्गा सप्तशती पाठ का विधान अनुसार पूजा के बाद हवन भी करते हैं। ब्रह्म पुराण के अनुसार आज इसी दिन ब्रह्मा जी की पूजा आराधना का शास्त्रीय विधान भी है।

मां भगवती के नौ रूप इस प्रकार हैं-शैल पुत्री, ब्रह्मचारिणी, चन्द्रघण्टा, कुष्मांडा, स्कन्द माता, कात्यायनी, कालरात्री, महागौरी एवं सिद्ध दात्री। वैसे तो वर्ष में चार बार नवरात्रों का आगमन होता है। लेकिन शुक्ल पक्ष एवं अश्विन पक्ष की प्रतिपदा से नवमी तक आने वाले नवरात्रों का विशेष महत्व है। नवरात्रों में भक्तगण वैष्णव तरीके से व्रत अथवा उपवास रखकर मां भगवती की विधि-विधान पूर्वक पूजा अर्चना करते हैं।

नवरात्रों मे किये गये देवी पूजन, हवन, धूप-दीप आदि से घर का वातावरण व आत्मा तक को एक अलौकिक शक्ति एवं शुद्धि की प्राप्ति होती है। हमारे धार्मिक ग्रन्थों में देवी पूजा की कई विधियां, व्रत एवं आत्म संयम का वर्णन किया गया है किन्तु आधुनिक युग के परिवेश में वेद पुराणों में लिखित पूजा का विधान से पालन कर पाना प्रत्येक मनुष्य के लिए संभव नही है। दिखावे के लिए किया गया पूजा पाठ, समय-शक्ति एवं धन का अपव्यय होता है। इसलिए समय, साधन और श्रद्धा के अनुसार नवरात्रों से सम्बन्धित जप एवं मंत्र के भावार्थ को अपने जीवन में सार्थक करने का प्रयत्न किया जाना चाहिए। आंतरिक व बाहरी स्वच्छता व शक्ति प्राप्ति का सहज मार्ग मां दुर्गा के नवरात्रों के लिए व्रत पालन का संकल्प बिना किसी दबाव दिखावे अथवा नि:स्वार्थ और श्रद्धा अनुसार किया जाना चाहिए।

चेतन आचार्य सुमन सागर

आपके पत्र

तेलंगाना में मतदाताओं को रिझाने लगाया घोषणाओं का अंबार

जनता और सरकार के बीच तादात्म्य स्थापित नहीं होने और मतदाता राजनैतिक दलों से मुंह मोड़ लेती है तब जनता को अनेक प्रकार का प्रलोभन देकर वोटबैंक खड़ी की जाती है। यह सत्तारूढ़ और विपक्षी दल इस माहौल से गुजर रहे हैं। कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश आदि उदाहरण हमारे सामने है। मतदाता पार्टी से विमुख हो जाते हैं तब मुफ्त की रेवड़ी बांटकर वोट देने का आग्रह किया जाता है। दो रुपए किलो गेंहू, पांच सौ रुपए सिलेंडर और सौ यूनिट मुफ्त बिजली का आफर देकर जनता से वोट मांगे जा रहे हैं। लेकिन मतदाता अपने स्वार्थ में उन उम्मीदवारों को वोट देकर जीत दिलाते हैं, जिनके बदौलत पांच साल तक सहन करना पड़ता है। खून के आंसू रोना पड़ता है। मतदाताओं को कम से कम इतने सस्ते में तो नहीं बिकना चाहिए। बिको तो ऐसे बिको कि दुनिया में तुम्हारी कोई कीमत नहीं लगा सके। हमने पुरानी सारी सरकारों को नजदीक से देखा है। देश में न कोई शांति थी और न ही कौमी एकता के दर्शन होते थे। सरहदें जल रही थी। आतंकवाद चरम पर था। देश में अराजकता का माहौल था। कश्मीर जल रहा था। सेना सरकार के इशारों पर काम करती थी। हर दूसरे दिन कर्फ्यू लगाया जाता था। देश में आए दिन हिन्दू-मुसलमान होता था। देश में हर रोज कहीं न कहीं बम ब्लास्ट होते थे। आर्थिक विषमताओं से जनता परेशान थी। देश में अराजकता व्याप्त थी। कश्मीर की समस्या के हल के लिए सयुंक्त राष्ट्र हमेशा भारत पर दबाव बनाते थे। पाकिस्तान भारत पर हावी था। अब भारत की चमक दुनिया में पसर गई है। आज भारत के एक इशारे पर दुनिया हरकत में आ जाती है। इन सभी सुधारवादी अभिगम के बाद देश में मजबूत सरकार की जरूरत है। ईमानदार और नैतिक जिम्मेदारी व्यक्तित्व की आवश्यकता है। मुफ्त की रेवड़ी के लालच में कमजोर सरकार और कमजोर प्रत्याशियों को अपना कीमती मत नहीं देना है। अभी चुनाव की रणभेरी बजी है। कुछ ही समय में लालच और मुफ्त रेवड़ी की भरमार होगी। लेकिन देशहित में काम करने वाले उम्मीदवारों को वोट देकर आगे लाना है। देश बचेगा तो हम सब की सलामती है। हम दुनिया के उपद्रवियों को देख ही रहे हैं। पार्टी राजनीति से ऊपर उठकर महत्वपूर्ण व्यक्ति को आगे लाना है। पांच विधानसभा चुनाव और 2024 के लोकसभा चुनाव में सोच समझ कर मतदान करना है। रेवड़ियों के सहारे कीमती मत बर्बाद नहीं करना है जो आपको एक रुपए की सहूलियत देंगे,वे दूसरे हाथ से हजारों रुपए आपके और हमारे जेब से निकाल देंगे। ईमानदार और मजबूत सरकार को वोट देकर सता के गलियारों तक पहुंचाना है जिससे हमारे और हमारे बच्चों के भविष्य को संवारा जा सके।

कांतिलाल मांडोत, सूरत

खेल जगत

इंग्लैंड के खिलाफ मैच जीतना हमारे लिए बहुत बड़ी बात : राशिद खान

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। अफगानिस्तान के स्टार लेग स्पिनर राशिद खान का मानना है कि इंग्लैंड के खिलाफ विश्व कप मैच जीतना टीम के लिए बहुत बड़ी बात है और उम्मीद है कि इस परिणाम से उनके समर्थक भी खुश होंगे। रविवार के मैच की बात करें तो, अफगानिस्तान ने अपने वनडे विश्व कप इतिहास में सिर्फ एक बार 2015 में जीत हासिल की थी। राशिद ने मैच के बाद स्टार स्पोर्ट्स से कहा, यह जीत हमारे लिए एक बड़ा जश्न है। अफगानिस्तान में उस तरह की स्थिति नहीं है, जहां लोग जश्न मना सकें। मुझे लगता है कि क्रिकेट ही एकमात्र स्रोत है जो उन्हें बहुत सारी खुशियां देता है। हमने बहुत सारे गेम हारे हैं लेकिन फिर भी हमें उनसे जिस तरह का समर्थन मिला वो शानदार है। इंग्लैंड के खिलाफ मैच जीतना हमारे लिए बहुत बड़ी बात थी, घर पर हमारे फैंस को हम पर गर्व होगा।

जम्पा के जाल में फंसी श्रीलंका 209 रन पर सिमटी

लखनऊ 16 अक्टूबर (वार्ता) पथुम निसंका (61) और कुसल परेरा (78) के बीच 125 रन की ठोस शुरुआत के बावजूद श्रीलंका की पारी आईसीसी विश्व कप के मौसम बाधित मुकाबले में सोमवार को आस्ट्रेलिया के खिलाफ 43.3 ओवर में 209 रन पर सिमट गयी।

अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम पर टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंका ने सतर्क शुरुआत करते हुये दो विकेट पर 157 रन बना लिये थे और ऐसा लग रहा था कि आसान खेल रही पिच पर श्रीलंका 300 के आसपास स्कोर खड़ा कर लेगी मगर निसंका और परेरा के आउट होने के बाद एडम जम्पा (47 रन पर चार विकेट) की फिरकी में फंस कर मध्यक्रम के बल्लेबाज अपने विकेट देने की जल्दी में दिखे और पूरी टीम 209 रन बना कर पवेलियन लौट गयी।

श्रीलंका के सात खिलाड़ी दहाई के स्कोर तक भी पहुंचने में नाकाम रहे। पैट कमिंस ने 32 रन देकर दो विकेट झटके जबकि एक दुनिथ वेल्ललागे को रन आउट किया वहीं मिचेल स्टार्क ने 43 रन पर दो विकेट और ग्लेन मैक्सवेल ने एक खिलाड़ी को आउट किया।

निसंका और परेरा ने पहले विकेट की साझीदारी में करीब छह रन प्रति ओवर की गति से 125 रन जोड़े। कंगारू टीम की पहले विकेट की तलाश 22वें ओवर में पूरी हुयी जब पैट कमिंस की शार्ट पिच गेंद को उड़ाने के प्रयास में निसंका डीप स्कावयर लेग पर खड़े डेविड वार्नर को कैच थमा बैठे। परेरा भी कमिंस की गेंद पर क्लीन बोल्ड आउट होकर चलते बने।सेट बल्लेबाजों के आउट होने के बाद आस्ट्रेलिया की गेंदबाजी में और पैनापन आ गया। एडम जम्पा ने लगातार दो ओवरो में कप्तान कुसल मेंडिस (9) और सदीरा समराविक्रमा (8) का विकेट झटक कर मैच का रूख अपनी टीम की ओर मोड दिया।

इस बीच हल्की बारिश के कारण खेल को रोक दिया गया। करीब 29 मिनट बाद खेल शुरू होते ही मिचेल स्टार्क ने पहली ही गेंद पर धनंजय डिसिल्वा (7) को शिकार बनाया जबकि वेल्ललागे को कमिंस ने शानदार थ्रो के जरिये रन आउट कराया। चमिका करुणारत्ने और महीस थीक्षणा जम्पा की गेंद पर चकमा खाते हुये पगबाधा करार दिये गये। आखिरी बल्लेबाज के तौर पर लाहिरू कुमारा (4) को स्टार्क ने क्लीन बोल्ड आउट किया।

क्रिकेट सहित पांच खेल लॉस एंजिल्स 2028 में शामिल

मुंबई। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक खेलों में क्रिकेट (टी20) सहित बेसबॉल-सॉफ्टबॉल, फ्लैग फुटबॉल, लैक्रोस और स्क्वैश को शामिल किये जाने की सोमवार को औपचारिक घोषणा की।

आईओसी के 141वें सत्र की बैठक में समिति ने आज महिला पुरुष क्रिकेट (टी20) बेसबॉल-सॉफ्टबॉल, फ्लैग फुटबॉल, लैक्रोस और स्क्वैश को लॉस एंजिल्स में 2028 ओलंपिक खेल में शामिल किये जाने को लेकर आईओसी सदस्यों मतदान किया। आईओसी के अध्यक्ष थॉमस बाख ने कहा कि समिति के 99 सदस्यों में से केवल दो सदस्यों ने पांच खेलों को लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 में शामिल किये जाने के प्रस्ताव का विरोध किया और एक ने मतदान में भाग नहीं लिया। पांचों खेलों को शामिल किये जाने की घोषणा के साथ ही ये खेल लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 खेल के कार्यक्रम का हिस्सा होंगे। इसके पहले 1900 के ओलंपिक में केवल एक बार क्रिकेट खेला गया था। आईओसी ने सीमित ओवरों के क्रिकेट के महिला और पुरुष ट्वेंटी-20 फॉर्मेट को शामिल किये जाने की मंजूरी दी गई है। फ्लैग फुटबॉल अमेरिका और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेजी से बढ़ रहा है, पांच टीमों के लिए अमेरिकी फुटबॉल का एक गैर-संपर्क संस्करण है। बेसबॉल-सॉफ्टबॉल को हाल ही में टोक्यो 2020 के ओलंपिक कार्यक्रम में शामिल किया गया था, जहां मेज़बान जापान ने दोनों स्वर्ण पदक जीते थे। लैक्रोस स्टिक और लैक्रोस बॉल के साथ खेला जाता है । यह कनाडा और उत्तरी अमेरिका में खेला जाता है। यह उत्तरी अमेरिका का सबसे पुराना संगठित खेल है, जिसकी उत्पत्ति उत्तरी अमेरिका के स्वदेशी लोगों के साथ 12वीं शताब्दी में हुई थी। स्क्वैश एक रैकेट खेल है जिसे दो खिलाड़ी (युगल के लिए चार खिलाड़ी) एक छोटी गेंद से चार दीवारों वाले कोर्ट में खेला जाता है।

क्रिकेट को ओलंपिक में शामिल करने से बढ़ेगा खेल का कद : शाह

मुंबई। आगामी लॉस एंजिल्स ओलंपिक में क्रिकेट को शामिल करने के आईओसी के फैसले का स्वागत करते हुये बीसीसीआई सचिव जय शाह ने कहा कि प्रतिष्ठित चतुष्कोणीय आयोजन में क्रिकेट की भागीदारी निस्संदेह खेल के वैश्विक कद को बढ़ाएगी। शाह ने सोमवार को जारी बयान में कहा, बीसीसीआई क्रिकेट को ओलंपिक खेल के रूप में शामिल करने के आईसीसी के प्रयासों का कट्टर समर्थक रहा है। हम इस महत्वपूर्ण अवसर को देखकर रोमांचित हैं, जो खेल के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। क्रिकेट को बढ़ावा देने में हमारी सक्रिय भागीदारी महत्वपूर्ण रही है। ओलंपिक में क्रिकेट को शामिल करने की पहल भारत के 2036 ओलंपिक की मेजबानी के विचार के अनुरूप है। उन्होने कहा, भारतीय क्रिकेट टीम के पास अद्वितीय वैश्विक प्रशंसक आधार है और इस प्रतिष्ठित चतुष्कोणीय आयोजन में उनकी भागीदारी निस्संदेह खेल के वैश्विक कद को बढ़ाएगी। बर्मिंघम में राष्ट्रमंडल खेल 2022 और चीन के हांगझाउ में एशियाई खेल 2022 में क्रिकेट की उपस्थिति सुनिश्चित करने में हमारा योगदान महत्वपूर्ण था। ओलंपिक में क्रिकेट को शामिल करने से इस खेल के लिए नए मोर्चे खुलेंगे। बीसीसीआई सचिव ने कहा, हमारा अनुमान है कि इस निर्णय से महत्वपूर्ण वित्तीय लाभ मिलेगा और हमारे खेल के इको-सिस्टम पर गहरा सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। यह ढांचागत विकास को बढ़ावा देगा, प्रतिस्पर्धा को तेज़ करेगा, युवा विकास को बढ़ावा देगा और अधिकारियों एवं पेशेवरों के लिए अवसर पैदा करेगा।

भारत ने नीदरलैंड को 4-2 से हराया

नीदरलैंड। अपने पहले अंतरराष्ट्रीय दौरे पर गयी भारतीय सब जूनियर पुरुष टीम ने रविवार शाम नीदरलैंड अंडर-16 टीम को 4-2 से हराया हालांकि महिलाओं को नीदरलैंड अंडर-16 महिला टीम से 2-6 से हार का सामना करना पड़ा। पुरुष वर्ग में उप-कप्तान आशु मौर्य ने पहले क्वार्टर की शुरुआत में ही भारत को बढ़त दिला दी थी। नीदरलैंड्स ने हाफटाइम से पहले स्कोर बराबर करने के लिए वापसी की और कड़ी मेहनत की बदौलत बढ़त भी ले ली। हालाँकि, दीपक प्रधान ने भारत के लिए स्कोर बराबर कर दिया और मुकाबले के अंतिम मिनटों में आशु मौर्य और राहुल राजभर ने एक के बाद एक गोल करके भारत को जीत दिला दी।

भारतीय सब जूनियर पुरुष टीम के कोच सरदार ने कहा, यह टीम के लिए एक बड़ी जीत है। हमे इस जीत पर बहुत गर्व है। महिलाओं के खेल में, भारत हाफ टाइम तक नीदरलैंड्स से 0-1 से पीछे था।

काजल आर ने तीसरे क्वार्टर में भारत के लिए बराबरी का स्कोर बनाने के लिए अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखा, नीदरलैंड ने लगातार चार गोल करके जवाब दिया, इससे पहले कप्तान भाव्या ने अंतिम क्वार्टर में भारत के लिए मैच का दूसरा गोल किया। इसके तुरंत बाद नीदरलैंड ने एक और गोल कर यह सुनिश्चित कर दिया कि भारत मैच 2-6 से हार जाए।

भारत की पूर्व कप्तान और भारतीय सब जूनियर महिला टीम की कोच रानी ने कहा, यह हमारे लिए एक और हार हो सकती है, लेकिन हम लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं। विदेशी परिस्थितियों में खेलना एक चुनौतीपूर्ण उपलब्धि है, खासकर हमारी सब जूनियर लड़कियों के लिए।

सोंग काई चीन फुटबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष चुने गये

बीजिंग। वरिष्ठ खेल अधिकारी सोंग काई को सोमवार को चीन फुटबॉल एसोसिएशन (सीएफए) के 12वें सदस्यता सम्मेलन में अध्यक्ष चुना गया। पूर्वोत्तर चीन के लियाओनिंग प्रांत में खेल प्रशासन के प्रमुख सोंग(58) जून से सीएफए चुनाव के लिए तैयारी समूह के उप प्रमुख के रूप में काम कर रहे हैं। सोंग ने कहा, हम भविष्य में अधिक एकजुट, अधिक मेहनती, अधिक खुला, अधिक पारदर्शी और अधिक साहसी सीएफए विकसित करने का पूरा प्रयास करेंगे। सन वेन, युआन योंगकिंग, यांग जू और जू जिरेन को सीएफए के उपाध्यक्ष के रूप में चुना गया, चीनी महिला फुटबॉल की दिग्गज सन एकमात्र उपाध्यक्ष हैं जो 11वें सदस्यता सम्मेलन से अपने पद पर बनी हुई हैं। 50 वर्षीय युआन, जिन्हें सीएफए महासचिव भी नामित किया गया है, को चीनी बास्केटबॉल एसोसिएशन में सेवा करने का पिछला अनुभव है। यांग, चीनी सॉफ्टबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष भी हैं, उन्हें भविष्य में चीन की पेशेवर फुटबॉल लीग की देखरेख का काम सौंपा गया है। जू शिन्हुआ समाचार एजेंसी के वरिष्ठ खेल पत्रकार हैं। अध्यक्ष और उपाध्यक्षों के अलावा, सम्मेलन में चुनी गई नई 20 सदस्यीय कार्यकारी समिति में महिला स्टार

फुटबॉलर वांग शुआंग, पूर्व पुरुष फुटबॉल टीम के कप्तान झेंग झी और चीनी सुपर लीग (सीएसएल) क्लबों, स्कूलों, संघ और फुटबॉल से संबंधित अन्य क्षेत्र, स्थानीय फुटबॉल के प्रतिनिधि शामिल हैं। इस वर्ष की शुरुआत में, चीन के सामान्य खेल प्रशासन के पूर्व उप प्रमुख डु झाओकाई, पूर्व सीएफए अध्यक्ष चेन जुयुआन, साथ ही कई अन्य वरिष्ठ चीनी फुटबॉल अधिकारी रिश्वत लेने के आरोप में जांच के दायरे में थे।

सार संक्षेप

दर्शक दीर्घा में गिरा बैनर,खेल में पड़ी खलल

लखनऊ। श्रीलंका और आस्ट्रेलिया के बीच आईसीसी विश्व कप मुकाबले में सोमवार को कुछ समय के लिये व्यवधान पड़ा जब तेज आंधी के बीच एक फ्लैक्सी बैनर उड़कर दर्शक दीर्घा में जा गिरा। दरअसल,श्रीलंका की पारी का 43वां ओवर चल रहा था कि करीब छह बजे स्टेडियम के ऊपरी सिरे पर लगे फ्रेम से उखड़ कर एक हल्का फ्लेक्सी बैनर उड़ कर दर्शक दीर्घा में गिर गया। इससे दीर्घा में अफरातफरी का माहौल व्याप्त हो गया और दर्शक गैलरी से बाहर जाते दिखे। यह नजारा देख कर दोनो टीमों के खिलाड़ी भी हतप्रभ रह गये और इस कारण करीब तीन मिनट तक खेल रूका रहा।स्टेडियम प्रशासन का कहना है कि तेज हवा के कारण एक बैनर फ्रेम से उखड कर दर्शक दीर्घा में गिरा था। इससे किसी को कोई नुकसान नहीं हुआ है।

विजय वॉरियर्स टीम ने श्री अग्रसेन क्रिकेट लीग जीती

पुणे। श्री महाराजा अग्रसेन की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित जिला स्तरीय क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल मैच में सोमवार को विजय वॉरियर्स ने रॉकी इलेवन को छह रनों से हराकर श्री अग्रसेन क्रिकेट लीग ट्रॉफी अपने नाम कर ली। विजय वॉरियर्स टीम ने सात ओवर में 7 विकेट पर 71 रन बनाए। जवाब में रॉकी इलेवन 65 रन पर आउट हो गई। महिला वर्ग में टीम फिटनेस मंत्रा ने ओएसआर स्मैशर्स को हराकर जीत हासिल की। पुरुष वर्ग में तेजस बंसल मैच ऑफ द प्लेयर्स रहे जबकि महिला वर्ग में सोनिया अग्रवाल मैच ऑफ द प्लेयर्स रहीं। यह टूर्नामेंट 18 समूहों में खेला गया जिसमें 12 पुरुष समूह, 04 महिला समूह और 02 लड़कों के समूह शामिल थे। फाइनल गंगाधाम मार्केट यार्ड के डाउनटाउन मैदान में आयोजित किया गया। फाइनल गंगाधाम मार्केट यार्ड के डाउनटाउन मैदान में आयोजित किया गया।

अफगानिस्तान से मिली शर्मनाक हार का ठीकरा जोस बटलर ने पिच पर फोड़ा!

नई दिल्ली। अफगानिस्तान के हाथों विश्व कप मैच में उलटफेर का शिकार हुए मौजूदा चैम्पियन इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर ने स्वीकार किया कि उनकी टीम उस स्तर पर नहीं खेल पा रही, जैसे खेलना चाहिए। रविवार को मैच में बटलर ने लक्ष्य का पीछा करने का विकल्प चुना और बांग्लादेश पर जीत से अपनी प्लेइंग-11 को बरकरार रखा।

अफगानिस्तान को 284 रन पर आउट करने के बाद इंग्लैंड की बल्लेबाजी बेहद खराब रही और 215 रन पर उनकी पूरी टीम पवेलियन लौट गई। राशिद खान और मुजीब उर रहमान ने तीन-तीन विकेट लिए। अफगानिस्तान के खिलाफ इस हार के बाद इंग्लैंड को मौजूदा प्रतियोगिता के तीन मैचों में दूसरी हार का सामना करना पड़ा, जिससे उनके खिताब की रक्षा मुश्किल स्थिति में आ गई। मैच के बाद बटलर ने कहा, यहां पहले कुछ मैच देखने के बाद जाहिर तौर पर भारत अपने लाइनअप में अतिरिक्त सीमर के साथ गया था, हमने सोचा कि विकेट इसी तरह होगा और शायद दूसरे हाफ में ओस आएगी, लेकिन नहीं मुझे लगता है कि हमारे पास जो भी लाइन-अप था, हम उतने अच्छे नहीं थे और हमने अच्छा नहीं खेला और इसका पूरा श्रेय अफगानिस्तान को जाता है, वे जीत के हकदार हैं। उन्होंने अफगानिस्तान से हार को एक बड़ा झटका बताया और अपनी टीम से अपना आत्मविश्वास न खोने की अपील की, क्योंकि इंग्लैंड को अब सेमीफाइनल में पहुंचने का मौका पाने के लिए अपने शेष छह लीग चरण मैचों में से कम से कम पांच जीत की जरूरत है।

नीदरलैंड के साथ मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका के पास अपने रनरेट में सुधार करने का मौका

धर्मशाला। आईसीसी एकदिवसीय विश्व कप 2023 में मंगलवार को हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला में दक्षिण अफ्रीका और नीदरलैंड के बीच खेले जाने वाले मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका अपने रनरेट में सुधार कर तालिका में शीर्ष पर पहुंचना चाहेगा।

विश्वकप में नीदरलैंड की टीम ने अब तक दो मुकाबले खेले हैं और दोनों मैच में उन्हें हार का सामना करना पड़ा है। वहीं दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीका ने अपने दोनों मैच में जीत दर्ज की है। विश्वकप तालिका में दक्षिण अफ्रीका प्लस 2.360 रनरेट के साथ चार अंक है।

दक्षिण अफ्रीका ने अपना आखिरी मुकाबला ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जीता था। अफ्रीकी टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक दो मुकाबलों में दो शतक लगा चुके हैं। गेंदबाजी में कगिसो रबाडा और केशव महाराज अच्छी लय में हैं। ऐसे में नीदरलैंड के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका कोई बदलाव करना नहीं करना चाहेगा। दक्षिण अफ्रीका और नीदरलैंड के बीच एकदिवसीय क्रिकेट में अब तक सात मुकाबले खेले गए हैं। जिसमें छह मुकाबलों में दक्षिण अफ्रीका को जीत मिली है और एक मुकाबला बेनतीजा रहा है। दोनों टीमों के बीच आखिरी एकदिवसीय मुकाबला इस वर्ष दो अप्रैल को खेला गया था। यह मुकाबला दक्षिण अफ्रीका ने 146 रन से जीता था। नीदरलैंड को सुपर चार में पहुंचने के लिए यह मुकाबला हर हाल में जीतना होगा। नीदरलैंड की टीम में बास डी लीडे और विक्रमजीत सिंह अच्छे खिलाड़ी हैं जो कि दक्षिण अफ्रीका को परेशानी में डाल सकते हैं। वहीं दक्षिण अफ्रीका अपने रनरेट में सुधार करना चाहेगा। नीदरलैंड के सलामी बल्लेबाज विक्रमजीत सिंह ने 10 मुकाबलों में 390 रन बनाए हैं। बास डी लीडे ने नौ मैच में 46.25 की औसत से 370 रन और एडेन मार्करम ने 10 मुकाबलों में 638 रन बनाए हैं। मार्को येन्सन ने 10 मुकाबलों में 16 विकेट झटके हैं। केशव महाराज के नाम छह मुकाबलों में 12 विकेट है। डी लीडे ने नौ मुकाबलों में 20 विकेट लिये हैं।

अफगानिस्तान ने चैंपियन इंग्लैंड को हरा किया सबसे बड़ा उलटफेर

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

नई दिल्ली। सलाामी बल्लेबाज रहमतुल्लाह गुरबाज और इकराम अलीखिल के तूफानी अर्द्धशतकों तथा मैन ऑफ द' मैच ऑफ स्पिनर मुजीब उर रहमान (28 रन, 3/51) के हरफनमौला खेल से अफगानिस्तान ने मौजूदा चैंपियन इंग्लैंड को यहां रविवार को अरुण जेटली स्टेडियम में आईसीसी वन डे क्रिकेट विश्व कप 2023 में 69 रन से हरा बड़ा उलटफेर किया। न्यूजीलैंड के हाथों हार से आगाज करने वाली इंग्लैंड की यह तीन मैचों में दूसरी हार थी । वहीं अफगानिस्तान ने अपने शुरू के दो मैच हारने के बाद पहली जीत दर्ज की । अनुभवी लेग स्पिनर आदिल रशीद (3/42) और नौजवान बल्लेबाज हैरी ब्रुक्स (66) का अर्द्धशतक भी इंग्लैंड को चार मैचों में दूसरी हार से नहीं बचा पाया। सच तो यह है कि अपने जज्बे और जीवट से अफगानिस्तान की टीम वाकई जीत की हकदार थी। ऑफ स्पिनर मुजीब रहमान ने पहले तो निचले क्रम में मात्र 16 गेंदों में 28 रन की तूफानी पारी खेली और फिर नई गेंद से गेंदबाजी का आगाज करते हुए अपने चौथे ओवर की पांचवीं गेद पर इंग्लैंड के स्पिन को खेलने में सबसे माहिर बल्लेबाज जो रूट(11), नौवें ओवर में क्रिस वॉक्स (9) और दसवें और आखिरी ओवर में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले हैरी ब्रुक्स (66) के विकेट निकाल अफगानिस्तान की इस ऐतिहासिक जीत की पटकथा लिखी। अफगानिस्तान के धमाकेदार आगाज के बाद बीच के ओवरो मे लेग स्पिनर आदिल राशिद के तीन विकेट चटकाने को छोड़ कर पूरे मैच मे रविवार को पूरे मैच में इंग्लैंड की टीम जूझती नजर आई। अकेले संघर्ष करने वाल हैरी ब्रुक्स ने अपना अर्द्धशतक 45 गेंद सात चौको की मदद पूरा किया।

रहमतुल्ला गुरबाज (80 रन, 57 गेंद, चरी छक्के, आठ चौके) के तूफानी अर्द्धशतक और अपने सलामी जोड़ीदार इब्राहिम जादरान(28 रन, 48 गेंद, तीन चौके) के साथ पहले विकेट के लिए मात्र 16.4 ओवर में 114 रन की भागीदारी के बाद मात्र आठ रन और जोड़ इंग्लैंड के सबसे कामयाब लेग स्पिनर आदिल रशीद (3/42) द्वारा बुने स्पिन के जाल के सामने बीच के ओवर में तीन विकेट गंवाने के बावजूद विकेटकीपर बल्लेबाज इकराम अलीखिल (58 रन,66 गेंद, दो छक्के, तीन चौके) के निचले क्रम में तेज अर्द्धशतक की बदौलत अफगानिस्तान ने खासे हिचकौले लेते हुए पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 49.5 ओवर में पहले बल्लेबाजी की दावत पाकर 284 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया। ऑफ स्पिनर मुजीब उर रहमान (3/51), मोहम्मद नबी (2/16)और अनुभवी लेग स्पिन स्पिनर राशिद खान (3/37) की त्रिमूर्ति ने त्रिमूर्ति ने इंग्लैंड को 40.3 ओवर में मात्र 215 रन पर पर ढेर कर यह बड़ी जीत दर्ज की। इंग्लैंड को सस्ते में समेटने में उसकी स्पिन त्रिमूर्ति के साथ उसके तेज गेंदबाज फजल फारुकी (1/50) और नवीन उल हक (1/44) ने उनका खूब साथ निभाया। इंग्लैड के सलामी बल्लेबाज डेविड मलान (32) नौजवान हैरी ब्रुक्स (66) और निचले क्रम में आदिल राशिद(20) ने अफगानिस्तान के खिलाफ कुछ टिकने का जज्बा दिया। एक समय गुरबाज तूफानी शतक और अफगानिस्तान को बड़े स्कोर की ओर ले जाते लगे। लेग स्पिनर आदिल रशीद के स्पिन के जाल से निकलने की कोशिश में इब्राहिम जादरान उनकी गेंद को उड़ाने के फेर में मिडविकेट पर जो रूट को कैच थमा बैठे और इसी के साथ उनकी गुरबाज की खतरनाक होती पहली विकेट की भागीदारी 17 वें ओवर में टूट गई।

सुडोकू 6349 का हल

3	9	8	7	6	5	2	1	4
1	2	7	3	8	4	5	6	9
5	4	6	2	9	1	3	8	7
8	1	2	6	3	7	9	4	5
6	3	4	5	2	9	8	7	1
9	7	5	4	1	8	6	2	3
4	8	3	1	5	2	7	9	6
2	6	1	9	7	3	4	5	8
7	5	9	8	4	6	1	3	2

[अर्थ जगत]

रुपया दो पैसे बढ़कर 83.28 पर बंद

मुंबई। रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले दो पैसे बढ़कर 83.28 (अस्थायी) के स्तर पर बंद हुआ। भू-राजनीतिक तनाव के बीच रुपये ने सीमित दायरे में कारोबार किया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि सकारात्मक व्यापक आर्थिक आंकड़ों से रुपये को समर्थन मिला। दूसरी ओर भू-राजनीतिक तनाव ने रुपये की बढ़त को सीमित किया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.25 पर खुला और दिन के कारोबार में इसने 83.24 के ऊपरी और 83.28 के निचले स्तर को छुआ।

त्यौहारी सीजन में सोना 350 टूटा, चांदी में 300 की गिरावट

नई दिल्ली। सोना-चांदी के खरीदारों के लिए खुशखबरी है. सोने और चांदी की कीमतों में आज गिरावट देखने को मिली है. कमजोर ग्लोबल ट्रेंड के बीच भारतीय सर्राफा बाजार में आज (सोमवार) 16 अक्टूबर, 2023 को सोने और चांदी के दाम में गिरावट दर्ज की गई है.दस ग्राम सोना सस्ता होकर 60,150 रुपये का हो गया है. एक किलो चांदी की दरों में भी कमी आई है और अब यह 74,000 रुपये में बिक रही है. दिल्ली सर्राफा बाजार में सोमवार को सोने का भाव 350 रुपये घटकर 60,150 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया. पिछले कारोबारी सत्र में सोना 60,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था.

टीसीएस 40000 कर्मचारियों को करेगी हायर

नई दिल्ली। देश की दिग्गज आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विस 40,000 फ्रेशर्स की नियुक्ति करेगी। यह हायरिंग कैंपस बेस्ड होंगी। मतलब ये कि कंपनी कैंपस सेलेक्शन करेगी। यह बात टीसीएस के सीओओ एन गणपति सुब्रमण्यम ने कही है। उन्होंने कहा कि कंपनी चालू वित्त वर्ष में 40,000 फ्रेशर्स की भर्ती करने की योजना पर काम कर रही है। उन्होंने कहा, हम आम तौर पर 35,000 से 40,000 लोगों को काम पर रखते हैं और ये योजना अब भी बरकरार हैं। हम इस दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। टीसीएस के 6.14 लाख कर्मचारी हैं। टीसीएस में ये हायरिंग ऐसे समय में हो रही हैं जब आईटी सेक्टर की दूसरी कंपनियों में यह प्रक्रिया होल्ड है।

थोक महंगाई लगातार छठे महीने गिरी, सितम्बर में शून्य से 0.26 प्रतिशत नीचे

नई दिल्ली। आधिकारिक आंकड़ों से पता चलता है कि थोक मूल्य सूचकांक पर आधारित भारत में थोक महंगाई लगातार सितम्बर में छठे महीने नकारात्मक बनी रही. सितम्बर में यह शून्य से 0.26 प्रतिशत नीचे रही है.इस साल अप्रैल में यह नकारात्मक हुई. इसी तरह, कोविड के शुरुआती दिनों में, जुलाई 2020 में, डब्ल्यूपीआई को नकारात्मक बताया गया था.

थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति अप्रैल से लगातार शून्य से नीचे बनी है. अगस्त में यह शून्य से 0.52 प्रतिशत नीचे थी.सितम्बर 2022 में थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति 10.55 प्रतिशत थी. खाद्य वस्तुओं की मुद्रास्फीति पिछले दो महीनों में दोहरे अंक में रहने के बाद, सितंबर में घटकर 3.35 प्रतिशत हो गई. अगस्त में यह 10.60 प्रतिशत थी.वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, सितम्बर में थोक मुद्रास्फीति अगस्त में (-) 0.52 प्रतिशत के मुकाबले (-) 0.26 प्रतिशत और जुलाई के पिछले महीने (-) 1.23 प्रतिशत पर आ गई.सितम्बर में अपस्फीति मुख्य रूप से पिछले वर्ष के इसी महीने की तुलना में रासायनिक और रासायनिक उत्पादों, खनिज तेल, कपड़ा, बुनियादी धातुओं और खाद्य उत्पादों की कीमतों में गिरावट के कारण रही है.सांख्यिकी मंत्रालय द्वारा 12 अक्टूबर को कहा गया था कि सितम्बर में मुख्य खुदरा मुद्रास्फीति गिरकर 3 महीने के निचले स्तर 5.02 प्रतिशत पर आ गई है, जिसके बाद डब्ल्यूपीआई डेटा सामने आया है.सरकार मासिक आधार पर हर महीने की 14 तारीख (या अगले कार्य दिवस) पर थोक मूल्यों के सूचकांक जारी करती है. सूचकांक संख्या संस्थागत स्रोतों और देशभर में चयनित विनिर्माण इकाइयों से प्राप्त आंकड़ों से संकलित की जाती है.अक्टूबर 2022 में कुल मिलाकर थोक मुद्रास्फीति 8.39 प्रतिशत थी और तब से इसमें गिरावट आई है. विशेष रूप से, थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति पिछले साल सितम्बर तक लगातार 18 महीनों तक दोहरे अंक में रही थी.इस बीच, भारत में खुदरा मुद्रास्फीति सितम्बर में फिर से आरबीआई के 2-6 प्रतिशत के आसान स्तर पर वापस आ गई है, लेकिन आदर्श 4 प्रतिशत के परिदृश्य से ऊपर है. सितम्बर में खुदरा महंगाई दर 5.02 फीसदी थी.

हालिया रुकावटों को छोड़कर, आरबीआई ने महंगाई रोकने के लिए मई 2022 से रेपो दर में 250 आधार अंक की बढ़ोत्तरी की है. ब्याज दरें बढ़ाना मौद्रिक नीति का हिस्सा है जो आमतौर पर अर्थव्यवस्था में मांग को दबाने में मदद करती है, जिससे मुद्रास्फीति दर में गिरावट में मदद मिलती है.ईंधन व बिजली खंड की मुद्रास्फीति सितंबर में शून्य से 3.35 प्रतिशत नीचे रही, जो अगस्त में शून्य से 6.03 प्रतिशत नीचे थी.विनिर्मित उत्पादों की मुद्रास्फीति सितंबर में शून्य से 1.34 प्रतिशत नीचे रही. अगस्त में यह शून्य से 2.37 प्रतिशत नीचे थी.राष्ट्रीय सांख्यिकीय कार्यालय (एनएसओ) की ओर से पिछले सप्ताह जारी आंकड़ों के अनुसार, सितंबर में खुदरा मुद्रास्फीति सालाना आधार पर घटकर तीन महीनों के निचले स्तर 5.02 प्रतिशत पर आ गई. सब्जियों एवं ईंधन की कीमतें कम होना इसकी मुख्य वजह रही.

स्विगी ने ग्राहकों को दिया झटका, खाना मंगाना हुआ महंगा, प्लेटफॉर्म फीस बढ़ाई

नई दिल्ली। फेस्टिव सीजन में फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म स्विगी ने ग्राहकों को जोरदार झटका दिया है. कंपनी ने अपनी प्लेटफॉर्म फीस को बढ़ा दिया है. कंपनी ने फूड डिलीवरी ऑर्डर पर लगने वाली प्लेटफॉर्म फीस को 2 रुपये से बढ़ाकर 3 रुपये कर दिया है.

खास बात है कि पिछले हफ्ते स्विगी ने 99 रुपये का सस्ता मेंबरशिप प्लान वन लाइट मेंबरशिप लॉन्च किया था, जिसको सब्सक्राइब करने के बाद फ्री डिलीवरी समेत अनेक की सुविधा देने की बात कही गई है. फिलहाल प्लेटफॉर्म फीस केवल स्विगी की फूड डिलीवरी सर्विस पर लागू होता है, इंस्टामार्ट ऑर्डर पर नहीं. अप्रैल में कंपनी ने कार्ट वैल्यू की परवाह किए बिना प्रति ऑर्डर 2 रुपये का प्लेटफॉर्म फीस पेश किया था.स्विगी के एक प्रवक्ता ने न्यूज एजेंसी आईएएनएस को बताया, प्लेटफॉर्म फीस पर कोई महत्वपूर्ण बदलाव नहीं हुआ है. यह इंडस्ट्री में एक आम बात है. जिन शहरों में हम काम करते हैं उनमें से अधिकांश में प्लेटफॉर्म फीस अभी 3 रुपये है.

अगस्त में जोमैटो ने भी बढ़ाई थी प्लेटफॉर्म फीस- अगस्त में स्विगी प्रतिद्वंद्वी जोमैटो ने भी अपना प्लेटफॉर्म फीस शुरुआती 2 रुपये से बढ़ाकर 3 रुपये प्रति ऑर्डर कर दिया. जोमैटो ने जोमैटो गोल्ड यूजर्स से प्लेटफॉर्म फीस लेना शुरू कर दिया, जिन्हें पहले छूट दी गई थी.

वन लाइट मेंबरशिप में 3 महीने तक फ्री डिलीवरी- हाल में स्विगी ने कंपनी ने अपने ग्राहकों के लिए 3 महीने के लिए 99 रुपये की कीमत पर वन लाइट मेंबरशिप की शुरुआत की है. वन लाइट मेंबरशिप के साथ यूजर्स को 149 रुपये से ज्यादा के फूड ऑर्डर पर 10 फ्री डिलीवरी मिलेगी, साथ ही 199 रुपये से ज्यादा के इंस्टामार्ट ऑर्डर पर 10 फ्री डिलीवरी मिलेगी. फ्री डिलीवरी के अलावा मेंबर्स को 20 हजार से ज्यादा रेस्टोरेंट में रेगुलर ऑफर के साथ-साथ 30 फीसदी तक अतिरिक्त छूट मिलेगी. कंपनी ने कहा कि वन लाइट मेंबर्स को 60 रुपये से ज्यादा की स्विगी जिनी डिलीवरी पर 10 प्रतिशत की छूट भी मिलेगी.

सरकार ने चीनी क्षेत्र को दी 17 अक्टूबर तक स्टॉक का खुलासा करने की चेतावनी

दाम नियंत्रित करने एक लाख टन का अतिरिक्त कोटा जारी

नई दिल्ली। सरकार ने चीनी कारोबार में शामिल सभी हितधारकों को 17 अक्टूबर तक खाद्य मंत्रालय की वेबसाइट पर अपने स्टॉक का खुलासा करने की अंतिम चेतावनी दी है। सरकार ने कहा है कि ऐसा नहीं करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा सरकार ने दाम नियंत्रित करने के लिये एक लाख टन का अतिरिक्त कोटा जारी किया है।

खाद्य मंत्रालय ने 23 सितंबर को एक आदेश जारी कर सभी चीनी हितधारकों को आदेश दिया था कि वे उसकी वेबसाइट पर साप्ताहिक रूप से अपने स्टॉक की स्थिति बताएं। चीनी हितधारकों में थोक विक्रेता, खुदरा विक्रेता, बड़े खुदरा विक्रेता और प्रसंस्करण करने वाले शामिल हैं। मंत्रालय ने हालांकि पाया कि चीनी व्यापार और भंडारण से जुड़े कई हितधारकों ने अब भी चीनी स्टॉक प्रबंधन प्रणाली पर खुद को पंजीकृत नहीं किया है। मंत्रालय ने सभी हितधारकों को लिखे पत्र में कहा, ''चीनी और वनस्पति तेल निदेशालय को विभिन्न माध्यमों से सूचना मिली है कि कई इकाइयों के पास पर्याप्त मात्रा में अज्ञात चीनी स्टॉक हैं।'' पत्र में कहा गया है कि ऐसे मामले हैं, जहां ये इकाइयां नियमित आधार पर अपने चीनी स्टॉक का खुलासा नहीं कर रही हैं। इससे न केवल नियामकीय ढांचे का उल्लंघन हो रहा है, बल्कि चीनी बाजार का संतुलन भी प्रभावित हो रहा है। मंत्रालय ने कहा कि इसलिए यह निर्देश दिया जाता है कि चीनी उद्योग में शामिल सभी इकाइयों को तुरंत चीनी बाजार सूचना प्रणाली पर खुद को पंजीकृत करना होगा। मंत्रालय ने कहा कि 17 अक्टूबर तक ऐसा नहीं करने पर जुर्माना और प्रतिबंध लग सकता है।

शेयर बाजार में लगातार तीसरे दिन गिरावट, सेंसेक्स 116 अंक और टूटा

मुंबई। घरेलू शेयर बाजारों में गिरावट का सिलसिला सोमवार को लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में भी जारी रहा और बीएसई सेंसेक्स 116 अंक और टूट गया।

वैश्विक बाजारों के कमजोर रुख और पश्चिम एशिया में तनाव के बीच ब्रेंट क्रूड में तेजी से बाजार में गिरावट आई। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 115.81 अंक यानी 0.17 प्रतिशत की गिरावट के साथ 66,166.93 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 243.36 अंक तक लुढ़क गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 19.30 अंक यानी 0.10 प्रतिशत फिसलकर 19,731.75 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में नेस्ले, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, इंडसइंड बैंक, एशियन पेंट्स, भारती एयरटेल, टेक महिंद्रा, अल्ट्राटेक सीमेंट, कोटक महिंद्रा बैंक और हिंदुस्तान यूनिलीवर में प्रमुख रूप से गिरावट रही।

दूसरी तरफ लाभ में रहने वाले शेयरों में टाटा स्टील, जेएसडब्ल्यू स्टील, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, एक्सिस बैंक, पावर ग्रिड और महिंद्रा एंड महिंद्रा शामिल हैं। एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग नुकसान में रहे। यूरोप के प्रमुख बाजारों में शुरुआती कारोबार में गिरावट का रुख रहा। अमेरिकी बाजारों में शुक्रवार को मिला-जुला रुख रहा। शेयर बाजार की शुरुआत आज सुस्त रही। सेंसेक्स 44 अंकों की गिरावट के साथ 66238 और निफ्टी-50 13 अंक नीचे 19737 पर खुला। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स में एचसीएल टेक, इन्फोसिस, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एनटीपीसी, अल्ट्राटेक, भारती एयरटेल जैसे स्टॉक्स हरे निशान पर थे, जबकि एशियन पेंट्स, नेस्ले, इंडसइंड बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, हिन्दुस्तान यूनीलीवर लाल निशान पर थे। सेंसेक्स 125 अंक फिसल कर 66157 के स्तर पर था।

दूसरी ओर निफ्टी 26 अंक नीचे 19724 के स्तर पर ट्रेड कर था। आज शुरुआती कारोबार में निफ्टी 50 के 26 स्टॉक्स लाल निशान पर थे। बीपीसीएल, नेस्ले, एशियन पेंट्स, इंडसइंड बैंक निफ्टी टॉप लूजर की लिस्ट में था। अडानी ग्रुप के शेयरों में मिलाजुला रुख देखने को मिल रहा है। कारोबार की शुरुआत में अडानी एंटरप्राइजेज, अडानी पावर और अडानी विल्मर हरे निशान पर थे। अडानी पोर्ट और अडानी टोटल गैस पर दबाव था। अडानी एनर्जी सॉल्यूशन भी लाल निशान पर ट्रेड कर रहा था।

बासमती चावल के न्यूनतम निर्यात मूल्य की समीक्षा पर विचार कर रही है सरकार

नई दिल्ली। सरकार ने आज कहा कि अगस्त में बासमती चावल के निर्यात पर लगाए गए 1,200 डॉलर प्रति टन के न्यूनतम निर्यात मूल्य (एमईपी) की समीक्षा फिलहाल विचाराधीन है। हालांकि शनिवार को इसे अगले आदेश तक बढ़ा दिया गया था। एमईपी की समीक्षा की पहल 15 अक्टूबर को की गई थी।

यह बयान ऐसे समय में आया है जब बासमती चावल पर एमईपी बढ़ाए जाने से नाराज कुछ निर्यातकों ने किसानों से नई बासमती किस्म की खरीदारी बंद कर दी है। इससे पिछले कुछ समय में खुले बाजार में इसकी कीमतों में करीब 300 से 400 रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट आई है। कुछ निर्यातकों की मांग है कि विदेशी बिक्री में सुधार के लिए एमईपी को घटाकर 900 से 1,000 डॉलर प्रति टन किया जाए। हालांकि कुछ निर्यातकों और अधिकारियों ने एमईपी में वृद्धि को इस आधार पर उचित ठहराया है कि करीब 3,835 रुपये प्रति क्विंटल की खरीद मूल्य मानने के बाद भारतीय बासमती चावल का मौजूदा एफओबी (फ्री ऑन बोर्ड) निर्यात मूल्य मुंद्रा और जेएनपीटी बंदरगाहों पर लगभग 1,170 डॉलर प्रति टन होता है। मौजूदा एमईपी बासमती चावल के एफओबी मूल्य से करीब 30 डॉलर प्रति टन अधिक है। इससे अंतरराष्ट्रीय ग्राहकों के लिए खरीद मूल्य में मामूली वृद्धि होती है। एक व्यापारी ने कहा, 'यह मामूली प्रीमियम है जिसे अंतरराष्ट्रीय खरीदार भारतीय बासमती चावल के लिए आसानी से भुगतान कर सकते हैं क्योंकि वह एक खास उत्पाद है।' करीब 3,835 रुपये प्रति क्विंटल की खरीद मूल्य के आधार पर भारतीय बासमती चावल का कुल अंतिम मूल्य मुंद्रा बंदरगाह पर 9,692 रुपये प्रति क्विंटल और जेएनपीटी पर करीब 9,688 रुपये प्रति क्विंटल है। हालांकि एमईपी में कटौती किए जाने का समर्थन करने वाले व्यापारियों का कहना है कि बासमती चावल की पुरानी किस्मों के लिए एफओबी मूल्य पहले से ही एमईपी के करीब है। ऐसे में नई पूसा 1121 किस्म के बाजार में आने पर कीमतों में गिरावट होगी जिससे किसानों को नुकसान होगा।

खबरों में कहा गया है कि अब तक कुल उपज का महज 30 फीसदी हिस्सा ही बाजार में आया है जबकि शेष 70 फीसदी हिस्सा आगामी सप्ताह में बाजार तक पहुंचेगा। आज जारी आधिकारिक बयान में कहा गया है कि बासमती की नई फसल बाजार तक पहुंचने लगी है और आमतौर पर ऐसे समय में दाम घट जाते हैं

यात्री वाहनों की तिमाही बिक्री जुलाई-सितंबर में सर्वकालिक उच्चस्तर पर

नयी दिल्ली। देश में यूटिलिटी वाहनों की मजबूत मांग के दम पर जुलाई-सितंबर तिमाही में यात्री वाहनों की थोक बिक्री किसी भी तिमाही में अबतक की सर्वाधिक रही है। वाहन विनिर्माताओं के संगठन सियाम ने सोमवार को यह जानकारी दी।

सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के अनुसार, चालू वित्त वर्ष 2023-24 दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में कंपनियों से डीलरों तक 10,74,189 यात्री वाहनों (पीवी) की आपूर्ति की गई, जो वित्त वर्ष 2022-23 की समान अवधि के 10,26,309 इकाई के आंकड़े से 4.7 प्रतिशत अधिक है।

पहली बार है कि जब किसी वित्त वर्ष की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) की अवधि में घरेलू बाजार में यात्री वाहनों की थोक बिक्री 20 लाख के आंकड़े के पार गई है। सियाम के अध्यक्ष विनोद अग्रवाल ने कहा, यूटिलिटी तथा स्पोर्ट्स यूटिलिटी वाहनों (एसयूवी) की मजबूत मांग से पीवी खंड में बिक्री की वृद्धि को बढ़ावा मिल रहा है। यह कुल वाहन बिक्री का करीब 60 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि हालांकि कम कीमत यानी सस्ती कारों की बिक्री में गिरावट जारी है। अग्रवाल ने कहा कि जुलाई-सितंबर, 2018-19 में 1.38 लाख कारों की तुलना में इस वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में सस्ती कारों की थोक बिक्री घटकर 35,000 इकाई रह गई। उन्होंने कहा कि कम दाम के दोपहिया वाहन खंड में भी इसी तरह का प्रदर्शन रहा। ग्रामीण मांग अब भी पूरी तरह से नहीं सुधरी है। वित्त वर्ष की पहली छमाही में कुल पीवी थोक बिक्री 19,36,804 इकाइयों से बढ़कर 20,70,163 इकाई हो गई। अग्रवाल ने कहा कि यात्री, तिपहिया और वाणिज्यिक वाहन खंड में 2023-24 की दूसरी तिमाही में वृद्धि देखी गई। हालांकि, दोपहिया वाहनों की थोक बिक्री में पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में मामूली गिरावट दर्ज की गई। जुलाई-सितंबर, 2023 में कुल दोपहिया वाहनों की बिक्री घटकर 45,98,442 इकाई रह गई, जो एक साल पहले समान अवधि में 46,73,931 इकाई थी। वाणिज्यिक वाहनों की डीलरों तक आपूर्ति 2,47,929 इकाई रही, जो एक साल पहले समान अवधि में 2,31,991 इकाई थी। दूसरी तिमाही में तिपहिया वाहनों की कुल बिक्री बढ़कर रिकॉर्ड 1,95,215 इकाई हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 1,20,319 इकाई थी। जुलाई-सितंबर तिमाही में कुल वाहन बिक्री 61,16,091 इकाई रही, जो पिछले वर्ष की दूसरी तिमाही में 60,52,739 इकाई थी। अग्रवाल ने कहा, त्योहारी सीजन के मद्देनजर उद्योग के सभी वर्ग आशान्वित हैं और तीसरी तिमाही में भी अच्छी बिक्री की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि वाहन क्षेत्रों में इस वृद्धि का श्रेय देश की सर्वांगीण आर्थिक वृद्धि को दिया जा सकता है, जो अनुकूल सरकारी नीतियों के जरिये संभव हो पाई है।

घरेलू बाजार में यात्री वाहनों की थोक बिक्री सितंबर में सालाना आधार पर 1.87 प्रतिशत बढ़कर 3,61,717 इकाई हो गई। सितंबर, 2022 में विनिर्माताओं द्वारा डीलरों को 3,55,043 यात्री वाहनों की आपूर्ति की गई थी। सियाम के अनुसार, इसी तरह दोपहिया वाहनों की बिक्री पिछले महीने बढ़कर 17,49,794 इकाई हो गई, जो एक साल पहले समान अवधि में 17,35,199 इकाई थी। सितंबर, 2023 में तिपहिया वाहनों की कुल थोक बिक्री सितंबर, 2022 के 50,626 इकाई से बढ़कर 74,418 इकाई रही। सितंबर, 2023 में कुल बिक्री 21,41,208 इकाई रही, जो सितंबर, 2022 में 20,93,286 इकाई थी।

रुपया के मुकाबले अन्य मुद्राएं

मुद्रा	रुपया
एक अमेरिकी डॉलर	83.27
एक यूरो	87.77
एक ब्रिटिश पाउंड	101.39
एक आस्ट्रेलियन डॉलर	52.65
एक जापानी येन	00.55

महावर ट्रेडिंग कंपनी, गांधीगंज

फोन- 4067270, 9826035338

प्रति क्विंटल- राहर दाल एवरेज 13000-14000, मीडियम बोल्ड 15000-16000, फाइन 16000-17000, एक्स्ट्रा बोल्ड 17500-18000, चना दाल एवरेज 7500-7800 चना दाल मार्का 7800-8000, मसूर दाल एवरेज 7600-7800, मसूर दाल फाइन 8000-8200, उड़द छिलका 8000-9000, फाइन 9000-10000, उड़द धुली 11000-11500, फाइन 11500-12000, मूंग दाल छिलका 9000-9500, मूंग दाल फाइन 9500-10000, मूंगदाल धुली 10500-11000,फाइन 11000-11500।

चावल - पुराना चावल सरना चालू 3000-3100, बेस्ट 3200-3300, बीपीटी चालू 3400-3500, फाइन 4000-4200,एचएमटी-5000-5200 फाइन-5200-5500 दुबराज भाटापारा 5000-5100, जेजेएल चालू 5200-5300, फाइन 5800-6000, बासमती कनकी चालू 2800-3000, बासमती कनकी मीडियम 3500-3700, बेस्ट 4000-4500, मोगरा-5000-5200, दुबार- 5500-6000, तिबार- 7000-8000, बासमती 9000-10000, बेस्ट 11000-11500 पोहा-4100-4300, फाइन 4300-4400, मुरमुरा-5500-6000, फाइन- 7000-7500, रु.।

सोहन लाल एण्ड संस

रसल चौक फोन- 9425156095 सोना बुलियन (प्रति 10 ग्राम) फाइन भाव-60300 चांदी टंच-71300 चांदी रिफाइन -72300

दुल्हन श्री आभूषण

कमानिया गेट, सराफा बाजार- मो. 9425860998,9826307100 सोना बुलियन (प्रति 10 ग्राम) फाइन भाव-60300 चांदी टंच-71300 चांदी रिफाइन -72300

परफेक्ट हैचरीज एंड पोल्ट्री प्रोडेक्ट इंडिया प्रा. लि.

864 मारुति शोरूम के सामने फोन- 2412223,9329428085

जिंदा बायलर्स बड़ा- फार्म रेट 106 प्रति कि.
जिंदा बायलर्स मीडियम- फार्म रेट 116 प्रति कि.
जिंदा बायलर्स छोटा- फार्म रेट-126 प्रति कि.
जिंदा मुर्गी लेयर कल्स- 75 नेट प्रति किलो
जिंदा काकरेल-मुर्गा- 150 रु. कि लो
(जिंदा थोक फार्म रेट)

अग्रवाल आयरन ट्रेडर्स

शास्त्री-ब्रिज 4004070, 2402070 भाव प्रति क्विं.- 5.5 एम एम 6900, 6 एम एम 6900, 8 एम एम 6400, 10 एम एम 6250,12 एम एम, 6200 एवं 16 एम 6200 रु.। तार- 78 रु. किलो।

देशबन्धु ग्राहक सेवा

रेमण्ड से ट्रेनिंग प्राप्त फ्यूजिंग सूट, ट्राउजर शर्ट स्पेशलिस्ट

टेलर्स वारिस

शॉप नं. 3 आनंद टॉकीज शॉपिंग काम्पलेक्स, जबलपुर फोन: 2405596 मो.-9424392281, 9425152707

देग्रासे सी 30/7/2022

100 प्रतिशत गारन्टेड इलाज

क्या आपको गुप्त रोग है। अंडकोष, बवासीर, सेक्स से संबंधित रोगों के स्थायी इलाज के लिए मिलें

बिना ऑपरेशन

डॉ. विश्वास

राइट टाउन, प्रेम मंदिर, होटल पंकज पेलेश के पीछे मो: 9827042596

देग्रासे-सी-31/7/22

नोट- पाठकों को सूचना दी जाती है कि किसी भी विज्ञापन पर कार्यवाही जैसे पैसा भेजना, कोई खर्च करना या प्रकाशित विज्ञापन के विश्वास पर किसी प्रकार संबंध बनाना आदि करने से पूर्व आवश्यक/संपूर्ण जानकारी कर लेवें। देशबन्धु यह भी घोषित करता है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले किसी भी राजनैतिक, सामाजिक अथवा अन्य प्रकार के विज्ञापनों से देशबन्धु का कोई सरोकार नहीं है। अत: विज्ञापनदाता द्वारा जारी किये गये किसी भी प्रकार के दावे/ प्रस्तुतिकरण के लिये जिम्मेदार नहीं हैं।

प्रकाशक-गिरिराज चाचा, मुद्रक-मोहन सुरजन द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा. लिमि. के लिये देशबन्धु काम्पलेक्स नौदराब्रिज जबलपुर से प्रकाशित एवं श्रीजी प्रिंटर्स से मुद्रित, सम्पादक-अशोक मिश्रा, * (* पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार)
फोन संपादकीय-4006577 व्यवस्था - 4085031, 4085679, 2626244 आर.एन.आई. पंजी. क्रमांक 38276/71 डाक पंजीयन क्रमांक-एसएसपी जबलपुर /04/2020-2022 E mail- Jabdesh1@yahoo.com

पूजा के लिए फूल तोड़ने गई सास-बहू पर मधुमक्खियों का हमला

इलाज के दौरान दोनों की मौत...

जबलपुर/कटनी। कटनी से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है, जहां बेलपत्र और फूल तोड़ने गई सास-बहू पर मधुमक्खियों ने हमला कर दिया। इस हादसे में सास-बहू दोनों गंभीर रूप से घायल हो गईं, जिसके बाद इलाज के दौरान दोनों की मौत हो गई।

यह घटना एनकेजे थाना क्षेत्र के रोशन नगर की है। पुलिस ने बताया कि सीता पति नीलेश साहू (32) और उसकी सास यशोधरा पति कंछेदी साहू (62) रविवार को पूजा करने के लिए बेलपत्री और फूल तोड़ने गईं थी। इसी दौरान वहां पर मधुमक्खी ने उन पर हमला कर दिया। सास और बहू को काफी

संख्या में मधुमक्खियों ने काटा, जिसके कारण दोनों गंभीर रूप से घायल हो गईं। इस हादसे की सूचना मिलते ही परिजन आनन-फानन में दोनों को लेकर जिला अस्पताल पहुंचे, जहां पर बहू सीता साहू की हालत ज्यादा खराब होने के कारण उसने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

वहीं, सास यशोधरा साहू की हालत खराब होती देख परिजनों ने उसे बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल से रेफर कराकर चांडक चौक स्थित एक निजी हॉस्पिटल में भर्ती कराया, जहां पर देर शाम सास की भी इलाज के दौरान मौत हो गई। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। इस घटना के बाद पूरे क्षेत्र में मातम पसरा है। कि नवरात्र में दोनों सास-बहु बाकायदा मंदिर जाकर पूजा अर्चना करती थीं। लेकिन इस घटना के बाद सभी दुखी हो गये हैं।

जबलपुर, देशबन्धु। शारदेय नवरात्र पर्व को लेकर संस्कारधानी में जगह-जगह आदिशक्ति की प्रतिमाओं को विराजित करने का सिलसिला शुरू हो गया है। इसी कड़ी में नगर की प्रतिष्ठित सुनरहाई की सेठानी और नुनहाई जेठानी के नाम से जानी जाने वाली मां दुर्गा की प्रतिमाओं को विराजित कर दिया गया है। माता के दर्शन के लिये बड़ी संख्या में देवी भक्त पहुंचने लगे हैं। यहां पर पुलिस प्रशासन सुरक्षा के चाक चौबंद इंतजाम किये हैं।

कटनी में दो चेक पोस्ट से छह लाख के नोट बरामद

कटनी, देशबन्धु। कटनी के दो थानों ने जांच दौरान लाखों की रकम बरामद की है। उसके दस्तावेज दिखाने में असफल रहे शख्स को पुलिस ने 24 घंटे का वक्त दिया है। विधानसभा चुनाव देखते हुए कटनी पुलिस जिले की सीमा पर जांच नाका बना संदिग्ध वाहनों की जांच कर रही है। इसी सिलसिले में कुठला और स्लीमानाबाद पुलिस को वाहनों की जांच दौरान दो गाड़ियों से छह लाख दो हजार चार सौ रुपये नकदी मिली। पुलिस ने जब पैसों से जुड़े दस्तावेज पेश करने की बात कही तो कार चालक अलग-अलग बातें बताने लगे। इस पर पुलिस ने पैसों की जब्ती बनाते हुए 24 घंटे की मोहलत दी है। ताकि वे समय रहते कागजात लाकर पेश कर दें।

पुलिस अधीक्षक अभिजीत कुमार रंजन ने बताया कि स्लीमानाबाद थानांतर्गत छपरा चेक पोस्ट में जांच के दौरान जबलपुर के यादव कॉलोनी निवासी संजय कुमार सलरेजा के पास से चार लाख 52 हजार चार सौ रुपये नकदी पकड़ी गई है। वहीं, दूसरी कार्रवाई कुठला थाना क्षेत्र के पन्ना मोड़ पर जांच के दौरान एक कार की तलाशी लेते समय पुलिस को एक लाख 50 हजार से अधिक की रकम मिली है। दोनों लोगों के पास पैसों से जुड़े कोई कागजात मौके पर नहीं मिले। दरअसल, आदर्श आचार संहिता लगते ही जिला प्रशासन ने जानकारी देते हुए कहा था कि 50 हजार से ज्यादा की रकम ले जाते समय आपके पास पैसों से जुड़ा दस्तावेज होना अनिवार्य है। ताकि किसी व्यापारी को परेशान न होना पड़े। वहीं दस लाख से ज्यादा की रकम मिलने पर आयकर विभाग मामले की जांच करेगा।

प्रदेश के 29 जिलों में दो दिन में बारिश के आसार, जबलपुर में छायेगी बदली

जबलपुर/भोपाल। प्रदेश में पश्चिमी विक्षोभ के चलते एक बार फिर मौसम में बदलाव हो रहा है। अशोक नगर में सोमवार को तेज बारिश हुई, तो वहीं उज्जैन, ग्वालियर, भोपाल सहित 29 जिलों में दो दिन तक बारिश होने के आसार हैं। एक दिन पहले ही छिंदवाड़ा में हल्की बारिश हुई है, जिससे मौसम में दिन के समय भी ठंडक घुल गई। जबलपुर में बारिश तो नहीं होगी, लेकिन बदली छाई रहेगी।

मौसम विभाग के विशेषज्ञों ने बताया कि दो दिन में मध्यप्रदेश के उत्तरी व मध्य हिस्से में हल्की बारिश होने के आसार हैं। बारिश से भोपाल, ग्वालियर, भिंड, दतिया, मुरैना, श्योपुर, शिवपुरी, गुना, राजगढ़, आगर-मालवा, शाजापुर, उज्जैन, रतलाम, मंदसौर, नीमच, झाबुआ, विदिशा, रायसेन, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, दमोह, सागर, पन्ना, छतरपुर, निवाड़ी, टीकमगढ़, रीवा प्रभावित होगा। दूसरे दिन दतिया, श्योपुर, गुना, अशोक नगर, निवाड़ी, मुरैना, ग्वालियर, टीकमगढ़, छतरपुर, दमोह, पन्ना, सतना में 17 अक्टूबर को बारिश होगी बारिश थमने के बाद ही ठंड भी बढ़ने लगेगी, अक्टूबर के आखिरी। सप्ताह में रात के तापमान में भी तेजी से गिरावट आएगी। विशेषज्ञों का कहना है कि अक्टूबर में तीनों मौसम का असर है, जैसे दिन में गर्मी पड़ती है, इस बार ऐसा ही हो रहा है। कई जिलों में पारा 37 डिग्री से ऊपर ही है। अक्टूबर के शुरुआती सप्ताह में गुलाबी ठंड का असर दिखाई दे रहा है।

म.प्र. के 12 हजार से अधिक शक्ति केन्द्रों में आयोजित होंग शक्ति सम्मेलन : प्रहलाद पटेल

जबलपुर, देशबन्धु। प्रदेश में फिर इस बार भाजपा सरकार के जयघोष को उद्घोषित करने के लिए नवरात्रि के अवसर पर तीन दिवसीय शक्ति सम्मेलन का आयोजन करने जा रही है यह शक्ति सम्मलेन मप्र के 12 हजार शक्ति केंद्रों में 17 अक्टूबर से 19 अक्टूबर के बीच आयोजित होंगे, यह बात केंद्रीय राज्य मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने जबलपुर के संभागीय भाजपा कार्यालय रानीताल में आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कही।

केंद्रीय मंत्री श्री पटेल ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गरीब कल्याण के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने और हर बूथ मजबूत कर बूथ विजय के संकल्प की प्रतिज्ञा लेने के लिए इस महाउत्सव में भाजपा के शीर्ष नेतृत्व से लेकर जमीनी स्तर का कार्यकर्ता शामिल होगा और मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव में मजबूत स्थिति में खड़ी भाजपा चुनावी तैयारियों और रणनीति के अंतिम चरण में बूथ और पन्ना स्तर विजय की हुंकार भरने के लिए इस शक्ति सम्मेलन का आयोजन कर रही है। उन्होंने बताया 17 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे प्रदेश के सभी मंडलों में शक्ति सम्मेलन की शुरूआत होगी। इन शक्ति सम्मेलन में कार्यकर्ताओं द्वारा प्रधानमंत्री के नेतृत्व में जनता के अटूट विश्वास की प्रतिज्ञा लेंगे। 20 साल में हुए प्रदेश के विकास को निरंतर जारी रखने के लिए प्रतिज्ञा लेंगे।

उन्होंने बताया हमारे कार्यकर्ता मध्यप्रदेश को करप्शननाथ, बंटाधार, सनातन और देश विरोधियों से बचाने के लिए और हर बूथ पर विजय की और फिर इस बार भाजपा सरकार के लिए प्रतिज्ञा लेंगे। पत्रकारवार्ता में जिला अध्यक्ष प्रभात साहू, प्रदेश प्रवक्ता शशिकान्त शुक्ला, व्यापारी प्रकोष्ठ प्रदेश संयोजक शरद अग्रवाल, प्रदेश सह मीडिया प्रभारी प्रशान्त तिवारी गोलू, तेलघानी बोर्ड अध्यक्ष रविकिरण साहू, धीरज पटेरिया, आचार्य जोगेंद्र सिंह उपस्थित थे।

24 घंटे में जवाब दो वरना हाजिर हो, एसडीओ को हाईकोर्ट के सख्त निर्देश

जबलपुर, देशबन्धु। मप्र हाईकोर्ट ने एक शासकीय कर्मी की विधवा के मुआवजा न दिये जाने संबंधी मामले को सख्ती से लिया। जस्टिस विवेक अग्रवाल की एकलपीठ ने मामले में छिंदवाड़ा के अमरवाड़ा एसडीओ को निर्देशित किया है वे 24 घंटे के अंदर शपथपत्र पर अपना जवाब पेश करे। ऐसा न होने की स्थिति में उन्हें व्यक्तिगत रूप से हाजिर होना होगा। एकलपीठ ने मामले की अगली सुनवाई 18 अक्टूबर को निर्धारित की है। यह मामला छिंदवाड़ा अमरवाड़ा निवासी सविता डेहरिया की ओर से दायर किया गया है।

जिसमें कहा गया कि उनके पति केशवराम डेहरिया शासकीय कर्मी थे। 20 फरवरी 2023 को तालाब में डूबने से उनकी मृत्यु हो गई थी। मध्य प्रदेश राजस्व पुस्तक परिपत्र में विहित संशोधित प्रविधान के तहत डूबने या जानवर के काटने से शासकीय कर्मी की मृत्यु के एवज में उसके परिजनों को चार लाख रुपये तक की मुआवजा राशि दी जाती है।

मामले में कहा गया कि उनकी शिकायत पर पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले को जांच में ले लिया था। चिकित्सक ने मृत्यु का कारण सिर पर लगी चोट बताया था। तहसीलदार अमरवाड़ा ने मृत्यु को कारण डूबने से दर्शाया था। इसके बावजूद मामला पुनरीक्षण के लिए एसडीओ अमरवाड़ा के समक्ष भेजा गया। एसडीओ ने यह कहते हुए मुआवजा आवेदन निरस्त कर दिया कि मृतक केशवराम डेहरिया शराब पीने का आदी था।

नशे की हालत में उसकी मृत्यु हुई थी। एसडीओं के उक्त जवाब पर न्यायालय ने उन्हें 24 घंटे के अंदर शपथपत्र पर जवाब पेश करने के निर्देश दिये है। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता मोहनलाल शर्मा ने पक्ष रखा।

नवरात्र पर्व के चलते जासौन फूल के दाम आसमान पर

20-30 रूपये वाला पैकेट अब 150 रूपये में बिक रहा

जबलपुर, देशबन्धु। नवरात्र पर्व के चलते फूल बाजार में जासौन फूल की मांग बढ़ गई है, मांग बढ़ने के बीच इसके दामों में भारी तेजी देखने को मिल रही है। इसके अलावा रजनीगंधा और गुलाब की कीमतों में भी बढ़ोतरी हुई है। जबकि गेंदा की कीमतों में गिरावट बताई जा रही है। फूल कारोबारी मोहित ने बताया कि नवरात्र के पहले जासौन फूल का 100 भर्ती वाला पैकेट 20-30 रूपये के भाव से बिक रहा था, अब इसके दाम बढ़कर 150 रूपये पैकेट हो गये हैं। जबकि गेंदा फूल जो नवरात्र के पहले 100-120 रूपये किलो के भाव से बिक रहा था, उसके दाम घटकर अब 60-70 रूपये किलो रह गये हैं। इसके विपरीत गुलाब व रजनीगंधा की कीमतों में 100 रूपये किलो की बढ़ोतरी गत 4-5 दिनों में हुई है, जहां गुलाब के दाम बढ़कर 250 रूपये किलो से लेकर 400 रूपये किलो तक हो गए हैं वहीं रंजनीगंधा के भाव बढ़कर 250 रूपये किलो तक हो गए हैं। उधर मंदिरों में रिटेल में बिकने वाली जासोन की माला अब 20 रूपये नग तक बिकने लगी है। कहीं-कहीं इसके दाम 15 रूपये नग भी बोले जा रहे हैं। व्यापारिक सूत्रों के मुताबिक रजनीगंधा, गुलाब, जरबेरा की आवक महाराष्ट्र लाईन से हो रही है। जबकि जासोन और गेंदा की आवक आसपास के उत्पादक क्षेत्रों जैसे बरगी, बरेला, पनागर आदि उत्पादक क्षेत्रों से हो रही है। इन दिनों गेंदा की आवक अधिक हो रही है। यही वजह है कि गेंदा की कीमतों में गिरावट देखने को मिल रही है। हालाकि कारोबारियों का कहना है कि रजनीगंधा की मांग बढ़ने से कीमतों में और उछाल के अनुमान लगाये जा रहे हैं।

केला बिक रहा 60 रूपये दर्जन

सूत्रों के मुताबिक नवरात्र पर्व के आते ही फल बाजार में मुनाफाखोरी हावी हो गई है, जिससे फलों के दाम आसमान की ऊंचाई पर पहुंच गये हैं। खुदरा में जहां केला अब 60 रूपये दर्जन के भाव से बिकने लगा है वहीं सेव के दाम बढ़कर 140-160 रूपये किलो हो गये हैं। वहीं अनार के दाम भी 200 रूपये किलो के पार हो गये हैं।

पेसा एक्ट का उल्लंघन कर रेत खनन की गई प्रक्रिया को चुनौती

हाईकोर्ट ने मप्र शासन व मंडला कलेक्टर से मांगा जवाब

जबलपुर, देशबन्धु। मप्र हाईकोर्ट में पेसा एक्ट कानून का उल्लंघन कर रेत खनन प्रकिया अपनाये जाने को चुनौती दी गई है। संभवत: प्रदेश में पेसा एक्ट कानून उल्लंघन का यह पहला मामला है। चीफ जस्टिस रवि विजय मलिमठ व जस्टिस विशाल मिश्रा की युगलपीठ ने मामले में अनावेदक मप्र शासन व मंडला कलेक्टर को नोटिस जारी किये है। युगलपीठ ने चार सप्ताह में जवाब पेश करने के निर्देश दिये है।

यह जनहित का मामला अति पिछड़ा वर्ग उत्थान समिति के अध्यक्ष संजय सेन ने दायर किया है। जिसमें आरोप है कि भारत के संविधान की अनुसूची पाँच में मंडला जिला ट्रायबल क्षेत्र अधिसूचित है। उक्त जिले में मप्र रेत खनन परिवहन भंडारण एवं व्यापार नियम 2019 के तहत अनुज्ञप्ति हेतु निविदा आमंत्रित करके पेसा कानून के प्रावधानों का उल्लंघन किया गया है। ऐसा इसलिये क्योकि इसके लिय संबंधित ग्राम पंचायतों की अनुशंसा के बिना ही रेत खनन हेतु अनुज्ञप्तिया जारी की गई। जबकि देश की संसद ने पंचायत उपबंध

(अनुसूचित क्षेत्रोंडु पर विस्तार) अधिनियम 1996 की धारा 4 के तहत आधिसूचित ट्रायबल क्षेत्र में किसी भी प्रकार के खनिज के उत्खनन पूर्व संबंधित ग्राम पंचायतों की अनुशंसा अति आवश्यक रूप से लिया जाना आवश्यक किया है। इतना ही नहीं मध्य प्रदेश गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21(2) में स्पष्ट प्रावधान है, की अनुज्ञप्ति के लिए प्रथम वरीयता तथा प्राथमिकता अधिसूचित क्षेत्रों की जंनजातियों को दिया जाना आवश्यक है। याचिकाकर्ता की ओर से दलील दी गई उक्त समस्त नियमों को दरकिनार करते हुए मप्र शासन तथा मंडला कलेक्टर ने अधिसूचित ट्रायवल मंडला जिला की समस्त रेत खदानों को रेत के बड़े ठेकेदारो-कंपनियां व माफियाओ को अनुज्ञाप्तिया जारी कर दी, जो नियम विरूद्ध है।

मामले की सुनवाई दौरान शासन की ओर से आपत्ति दर्ज करायी गई कि मामले में संबंधित ठेकेदारों को पक्षकार नहीं बनाया गया है। जिसे न्यायालय ने यह कहते हुए खारिज कर दिया कि कानून के विरुद्ध अपनाई गई प्रक्रिया में लाभ प्राप्त करने पक्ष-अनुज्ञप्ति धारियों को पक्षकार बनाया जाना आवश्यक नही है। सुनवाई पश्चात् न्यायालय ने अनावेदकों को नोटिस जारी कर जवाब पेश करने के निर्देश दिये है। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता रामेश्वर सिंह ठाकुर, विनायक प्रसाद शाह तथा रूप सिंह मरावी ने पक्ष रखा।

J.B.F.A.

जबलपुर बॉयलर फार्मस् एसोसियेशन

मुर्गा छोटा	- रु. 126
मुर्गा मीडियम	- रु. 116
मुर्गा बड़ा	- रु. 106
मुर्गा जम्बो	- रु. 106

मो.-9039925000, 9425800409

सोनू पोल्ट्री

बड़ा ब्रॉयलर	- रु. 102
मीडियम ब्रॉयलर	- रु. 112
छोटा ब्रॉयलर	- रु. 122

मोबाइल नं. 9300692405